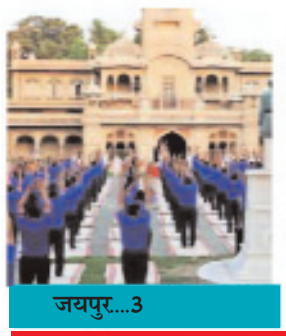

जयपुर...3

प्रातः कालीन राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

कल का सम्राट

अजमेर से प्रकाशित

समानता, न्याय एवं स्वतंत्रता का सजग प्रहरी

अजमेर...3

वर्ष: 1 अंक: 160 मूल्य: 5 रूपये | विक्रम संवत: 2083 | अजमेर, रविवार 22 मार्च 2026 | पृष्ठ: 12 | संपादक: विनोद कुमार | kalkasamrat@gmail.com

अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, जयपुर, दूदू, भीलवाड़ा, चित्तौड़, नागौर, टोंक, सीकर, बूंदी, कोटा, पाली, जोधपुर से प्रसारित

सोना इस हफ्ते रू11 हजार सस्ता, रू1.47 लाख पर आया

नई दिल्ली

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही। सोना हफ्तेभर में 11 हजार रुपए गिरकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 13 मार्च को 1.58 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.60 लाख किलो से गिरकर 2.32 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 28 हजार रुपए कम हुई। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से निवेशक अपनी 'गोल्ड होल्डिंग्स' बेचकर कैश (डॉलर) इकट्ठा कर रहे हैं, ताकि बाजार की अस्थिरता से निपट सकें। इससे डॉलर डिमांड बढ़ रही है और सोने-चांदी के दाम गिर रहे हैं। सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं। खरीदारी की मात्रा : दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40') होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। इससे मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है।

ईरान के नतांज न्यूक्लियर प्लांट पर हमला: इस जंग में दूसरी बार निशाना बनाया गया

अभी रेडियोएक्टिव रिसाव की खबर नहीं

तेल अवीव। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 22वां दिन है। ईरान के तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आज सुबह अमेरिका और इजराइल ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हवाई हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले में अभी तक किसी भी तरह का रेडियोएक्टिव (खतरनाक परमाणु) रिसाव नहीं हुआ है। इस इलाके के आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है। इजराइल और अमेरिका ने इससे पहले 2 मार्च को भी इस प्लांट पर हमला किया था। यह ईरान का सबसे बड़ा न्यूक्लियर सेंटर है, यहां यूरेनियम इनरिचमेंट किया जाता है। इसकी एक खास बात यह है कि इसका बड़ा हिस्सा जमीन के नीचे बना हुआ है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि किसी हमले से इसे बचाया जा सके।यह ईरान की

राजधानी तेहरान से करीब 3,800 किलोमीटर दूर है। इतनी दूरी होने के कारण अमेरिका यहां से बिना सीधे खतरे के दायरे में आए लंबी दूरी के मिशन लॉन्च कर सकता

ईरान का दावा- इजराइली एयरपोर्ट पर हमला किया

ईरान की सेना इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा है कि उसने इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर ड्रोन से हमला किया है। उनका कहना है कि इस हमले से एयरपोर्ट का काम प्रभावित हुआ है। उड़ानें और सेना के विमानों में ईंधन भरने में दिक्कत आई है। हालांकि, अभी तक इस हमले की पुष्टि नहीं हुई है। ईरान के रामसर शहर में रात के वक्त एक घर पर हमला हुआ, जिसमें एक बच्चे और उसके माता-पिता की मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि यह हमला अमेरिका और इजराइल ने किया। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे हमलों से ईरान के लोगों की एकता और मजबूत होगी।

अमेरिका बोला- तेल बेचकर भी ईरान को ज्यादा फायदा नहीं

अमेरिका ने कहा है कि ईरान को तेल बेचने की इजाजत देने के बाद भी उसे ज्यादा पैसा नहीं मिलेगा। अमेरिका ने कुछ समय के लिए करीब 14 करोड़ बैरल तेल बेचने की छूट दी है, लेकिन यह सिर्फ उस तेल पर लागू है जो पहले से जहाजों में भरा हुआ है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बसेंट ने कहा कि ईरान के लिए इस पैसे तक पहुंच पाना मुश्किल होगा। यह छूट सिर्फ थोड़े समय के लिए है और 19 अप्रैल तक ही लागू रहेगी। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि तेल की बढ़ती कीमतों को कम किया जा सके, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट में तनाव की वजह से सप्लाई पर असर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का ज्यादातर तेल चीन जाता है, लेकिन अब यह तेल दूसरे एशियाई देशों में भी जा सकता है।

ब्रिटेन ने डिएगो गार्सिया आइलैंड पर ईरानी हमले की निंदा की

ब्रिटेन ने उसके डिएगो गार्सिया आइलैंड पर ईरानी हमले की निंदा की है। ब्रिटेन का कहना है कि ईरान की ऐसी हरकतें इलाके के लिए खतरा हैं। हालांकि ये हमला कामयाब नहीं हुआ। ब्रिटेन इस लड़ाई में खुद सीधे शामिल नहीं है, लेकिन उसने अमेरिका को अपने बेस इस्तेमाल करने दिए हैं। ईरान पर हमले के लिए डिएगो गार्सिया इसलिए अहम माना जाता है क्योंकि यह हिंद महासागर के बीचों-बीच स्थित एक बड़ा सैन्य ठिकाना है। यहां से अमेरिका दूर तक और तेजी से सैन्य ऑपरेशन चला सकता है।

तेल की कीमतें बढ़ना महंगाई का संकेत :राहुल

कहा- सरकार भले ही इसे नॉर्मल बताए, लेकिन रोजमर्रा की चीजों का दाम बढ़ेंगे

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने डॉलर के मुकाबले रुपए के गिरने और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमत बढ़ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने ङ्क पोस्ट में लिखा, 'रुपए का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और

इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं।' उन्होंने लिखा कि सरकार चाहे इसे नॉर्मल बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, MSMEs को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे।राहुल बोले- शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा राहुल ने लिखा किविदेशी संस्थागत निवेशक (FII) का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। उन्होंने लिखा है कि सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है,

जैसलमेर-श्रीगंगानगर में बारिश, 8 जिलों में सर्दी लौटी

तापमान में 4 डिग्री तक गिरावट, जानें- मार्च के आखिरी दिनों में कैसा रहेगा मौसम

जयपुर

राजस्थान में शनिवार दोपहर बाद जैसलमेर-श्रीगंगानगर में बरसात हुई। इससे पहले वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से शुक्रवार को जयपुर समेत कई जिलों में बारिश हुई। बारिश, ओलावृष्टि के साथ चली ठंडी हवा से ?कई शहरों में तापमान 2 से 4 डिग्री तक गिर गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने राज्य में अब

रविवार से मौसम साफ रहने और तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने के साथ एक बार फिर गर्मी बढ़ने की संभावना जताई है। बदले मौसम के कारण अलवर सहित कई शहरों में आज सुबह धुंध रही। इस कारण विजिबिलिटी 30 मीटर से कम रही।पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे ज्यादा बरसात बीकानेर के नोखा एरिया में 25MM (1 इंच) दर्ज हुई। बीकानेर में देर रात से लेकर शुक्रवार सुबह तक रूक-रूक कर कई इलाकों में बारिश हुई, जबकि कुछ स्थानों पर ओले भी गिरे। बारिश होने और बादल छाने से शुक्रवार को जयपुर में अधिकतम तापमान गिरकर 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में शुक्रवार सुबह बारिश हुई। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और ठंडी हवा चली। अजमेर में अधिकतम तापमान 26.6, भीलवाड़ा में 27.4, वनस्थली (टोंक) में 31.1, कोटा में 28.9, चित्तौड़गढ़ में 29.6, उदयपुर में 28, डूंगरपुर में 28.9, सिरोही में 24.5, करौली में 24.9 और दौसा में 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

पंजाब- अफसर के सुसाइड के बाद आप मंत्री का इस्तीफा

आरोप- पिता के नाम पर जबरन टेंडर मांगा, ऑफिस बुलाकर पीटा- धमकाया; जहर खाकर वीडियो बनाया

अमृतसर

पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का नाम लेकर सरकारी एजेंसी, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अमृतसर में

तैनात डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (DM) गगनदीप सिंह रंधावा ने सुसाइड कर लिया। रंधावा ने जहर खाकर जान दे दी। मरने से पहले उन्होंने 12 सेकेंड का वीडियो जारी किया। इसमें कहा- खा ली सल्फास, मिनिस्टर लालजीत भुल्लर के डर से, अब मैं नहीं बचता। इस घटना का पता चलते ही CM भगवंत मान ने मंत्री भुल्लर से इस्तीफा ले लिया। मामले की जांच चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा को सौंप दी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत भुल्लर ने कहा कि आरोप झूठे हैं। जांच प्रभावित न हो, इसलिए मैंने पद छोड़ा है। वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम मजीठिया और अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने कहा- फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (FCI) ने मंत्री भुल्लर के इलाके में अनाज की स्टोरेज के लिए वेयरहाउस बनाया था। वेयरहाउस कॉर्पोरेशन इसकी नोडल एजेंसी थी। मंत्री लालजीत भुल्लर ने अपने पिता सुखदेव सिंह भुल्लर के नाम पर टेंडर अप्लाई किया। आरोप है कि जब पॉलिसी के हिसाब से मंत्री के पिता को टेंडर नहीं मिला तो उन्होंने घर बुलाकर ठ्ठरू गगनदीप सिंह रंधावा से मारपीट की। नंगा करके उसकी वीडियो बनाई।

दो कारों की भिड़ंत में दादा-पोती की मौत

नागौर

नागौर में शादी से पहले मंदिर में धोक देकर लौट रहे परिवार की कार सामने से आ रही दूसरी कार से भिड़ गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गाड़ियों के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए। हादसे में दादा-पोती की मौत हो गई और 9 घायल हो गए। हादसा ओवरटेक करने के चक्कर में जायल थाना इलाके के तरनाऊ में दोपहर 2:30 बजे हुआ। SHO मुकेश कुमार ने बताया- हादसे में चुनाराम (67) और गर्विता (2) निवासी कोलिया की मौत हो गई। एक गाड़ी जायल की तरफ आ रही थी, इसमें नदीम पुत्र सराजुदीन, मोहिन पुत्र यासीन, इरफान पुत्र कासिम, इमरान पुत्र बाबूलाल, इमरान पुत्र असूल रजाक निवासी जायल सवार थे। दूसरी गाड़ी में हेमाराम (70), गोविन्द (20), प्रभुराम (37), ?पूनम (30), गर्विता (2) और चुनाराम (67) सवार थे। ये लोग बुटाटी के नजदीक झुंझाला गुसाईं जी मंदिर दर्शन करके लौट रहे थे। ओवरटेक करने के चक्कर कार सामने से आ रही दूसरी कार से टकरा गई।

60 साल में पहली बार अल-अक्सा मस्जिद ईद में बंद

तेल अवीव

दुनियाभर में आज ईद मनाई जा रही है। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच पिछले 22 दिनों से जंग चल रही है। ऐसे में 60 साल में पहली बार इजराइल के यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को ईद की नमाज के लिए बंद कर दिया गया है। 1967 के अरब-इजराइल युद्ध के बाद पहली बार है, जब अल-अक्सा को पूरी तरह बंद किया गया है। यह मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना के बाद तीसरा सबसे पवित्र स्थल है।

लोकल सर्किल्स का दावा- 20% लोग सिलेंडर ब्लैक में खरीद रहे

रू4,000 तक ज्यादा देना पड़ रहा, 68% घरों में समय पर नहीं पहुंच रही गैस

नई दिल्ली। रसोई गैस की कमी के कारण देश में सिलेंडर की कालाबाजारी बढ़ गई है। गैस की कमी और डिलीवरी में देरी की वजह से देश के करीब 20% परिवारों को ब्लैक में सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। इसके लिए लोगों को एक घरेलू सिलेंडर के 4000 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। यह दावा इंडियन सर्वे और रिसर्च फर्म लोकलसर्किल्स की ओर से जारी सर्वे

रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लैक में सिलेंडर लेने वालों की संख्या पिछले हफ्ते के मुकाबले 6% बढ़ गई है। सर्वे में सामने आया कि इस हफ्ते 68% भारतीय घरों को गैस डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ा, जबकि पिछले हफ्ते यह आंकड़ा 57% था। ईरान की अमेरिका-इजराइल से चल रही जंग और होर्मुज रूट बंद होने से भारत में गैस का आयात प्रभावित हुआ है। हालांकि, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं।बिना सिलेंडर मिले ही डिलीवरी का मैसेज आ रहा सरकार ने गैस सप्लाई को पारदर्शी बनाने के लिए जो डिजिटल सिस्टम बनाया था, अब उसी का गलत इस्तेमाल हो रहा है। करीब 12% उपभोक्ताओं ने धोखाधड़ी वाले SMS मिलने की शिकायत की है। इन मैसेज में दावा किया जा रहा है कि उनका सिलेंडर डिलीवर हो गया है, जबकि उनके घर गैस पहुंची ही नहीं।

ग्राहकों को रू 4,000 तक ज्यादा देने पड़ रहे

सर्वे के मुताबिक, गैस की किल्लत की वजह से पिछले हफ्ते के मुकाबले ब्लैक में सिलेंडर लेने वाले 14% से बढ़कर 20% हो गए हैं। लोग तय रेट से रू300 से रू4,000 तक ज्यादा दे रहे हैं। एक मामले में तो रिटायर्ड अधिकारी की हाउसिंग सोसाइटी को कम्युनिटी इवेंट के लिए एक सिलेंडर के रू5,000 तक देने पड़े।

'आज फोन रखने वाला हर व्यक्ति मीडिया', सुप्रीम कोर्ट ने किस बात को लेकर जताई गहरी चिंता?

कल का सम्राट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को प्रत्येक व्यक्ति के मोबाइल फोन को मीडिया बनाने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तुरंत वीडियो अपलोड करने की संक्रामक प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि ऐसी गतिविधियां आरोपियों की निष्पक्ष सुनवाई के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं।चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। याचिका में आरोप लगाया गया था कि पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के वीडियो और तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड करती है, जिससे लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा होता है। बाद में सबूतों के अभाव में बरी होने पर न्यायपालिका को दोषी ठहराते हैं। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की इस बात से सहमति जताई कि मोबाइल फोन रखने वाला हर व्यक्ति मीडिया बन गया है और कहा कि जब भी कोई दुर्घटना होती है तो लोग सामग्री बनाने के लिए अपने मोबाइल फोन निकाल लेते हैं। यहां तक कि जब कोई व्यक्ति सड़क पर खून बह रहा होता है। न्यायमूर्ति बागची ने याचिकाकर्ता से कहा कि पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल के बारे में बात करने के बजाय पुलिस, पारंपरिक और सोशल मीडिया के लिए एक व्यापक तंत्र की तलाश करनी चाहिए। इसे सभी राज्यों में जांच में पारदर्शिता, सूचना के अधिकार और आरोपियों की निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को संतुलित करने के लिए पुलिस-मीडिया ब्रीफिंग के संबंध में एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने और उसका अनुपालन करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा तीन महीने का समय दिया गया है।

जस्टिस बागची ने क्या कहा

उन्होंने कहा, 'बड़े कैनवास पर हमारा मानना है कि पुलिस को अपनी ब्रीफिंग के माध्यम से आरोपियों के खिलाफ पूर्वाग्रह पैदा नहीं करना चाहिए। पुलिस को एसओपी के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन मीडिया, विशेष रूप से सोशल मीडिया और जनता के बारे में क्या? क्या उन्हें रोका जा सकता है? तुलनात्मक रूप से टीवी चैनल कहीं अधिक संयमित हैं, भले ही कोई उनके विचारों से असहमत हो सकता है। 'सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे टैब्लॉयड हैं जिन्हें कम शब्दों में 'ब्लैकमेलर' कहा जा सकता है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, 'समस्या परमाणुकृत सोशल मीडिया है।' सीजेआई कांत ने कहा, 'यह डिजिटल गिरफ्तारी के समान या एक अलग पहलू है। राष्ट्रीय राजधानी से दूर कस्बों और शहरों में एक प्रवृत्ति है जहां लोग मीडियाकर्मियों के रूप में अपनी साख दिखाते हैं और गुप्त डिजाइन के लिए इसे अपने वाहनों पर साहसपूर्वक प्रदर्शित करते हैं।'

कोर्ट ने याचिका वापस लेने के लिए क्यों कहा

शंकरनारायणन ने कहा, 'मैं कुछ ऐसे अधिवक्ताओं को जानता हूं जो राजमार्गों पर टोल चुकाने से बचने के लिए अपनी कारों पर 'सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट' स्टिकर लगाते हैं।' पीठ ने कहा कि चूंकि आरोपियों के लिए निष्पक्ष सुनवाई के मुद्दे पर एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, इसलिए बेहतर होगा कि याचिका वापस ले ली जाए और अप्रैल के बाद विस्तारित दायरे के साथ फिर से दायर की जाए जब पुलिस के लिए एसओपी लागू किया जाएगा।

कायरों हम यह बात याद रखेंगे', ईरान युद्ध में शामिल न होने पर NATO देशों पर फिर भड़के ट्रंप

कल का सम्राट

पश्चिम एशिया में जंग छेड़ने के बाद ट्रंप ने साथी देशों से अपील की थी कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजें। ट्रंप ने यह अपील ईरान की तरफ से होर्मुज बंद करने के प्रयासों के बाद की थी। ट्रंप की इस अपील को असर किसी भी देश पर नहीं हुआ, अब इसे लेकर उन्होंने सभी पर निशाना साधा है। पढ़ें उन्होंने क्या कहा है पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार नाटो देशों पर निशाना साधा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर नाटो देशों को निशाने पर लेते हुए कहा, वे कायर हैं, क्योंकि वे ईरान युद्ध में शामिल नहीं हुए और न ही होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद के लिए अपनी सेनाएं भेजीं।

नव नियुक्त एसपी नरेंद्र सिंह मीना द्वारा पुलिस थाना हनुमानगढ़ जंक्शन का दौरा, हवालात एवं मेस का किया निरीक्षण

कल का सम्राट

हनुमानगढ़। जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना द्वारा आज पुलिस थाना हनुमानगढ़ जंक्शन का दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने थाना हवालात एवं मेस का निरीक्षण किया तथा मेस में भोजन कर उसकी गुणवत्ता की जांच की।उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं स्टाफ से थाना क्षेत्र में होने वाले अपराधों के संबंध में विस्तृत चर्चा की तथा क्षेत्र के हार्डकोर अपराधियों के बारे में जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक मीना ने थाना क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम एवं लंबित प्रकरणों (पेंडेंसी) को कम करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर श्रीमती मीनाक्षी, सीओ सिटी हनुमानगढ़ एवं रामचंद्र कस्वा, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी, पुलिस थाना हनुमानगढ़ जंक्शन उपस्थित रहे।

डिजिटल अरेस्ट में इस्तेमाल हो रहे डिवाइस

कल का सम्राट

डिजिटल अरेस्ट में इस्तेमाल हो रहे डिवाइस ID ब्लॉक करे वॉट्सऐप, केंद्र सरकार हुई सख्त डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने बड़ा आदेश दिया है. सरकार ने उन डिवाइस को ब्लॉक करने का आदेश दिया है, जिनका इस्तेमाल साइबर ठग भोले-भाले लोगों को

बठिण्डा-लालगढ़ रेलवे लाइन दोहरीकरण परियोजना को मिली मंजूरी, तीन राज्यों को मिलेगा सीधा फायदा।

कल का सम्राट

बीकानेर रेल मंडल की सबसे महत्वपूर्ण और प्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक, बठिंडा-लालगढ़ रेलवे लाइन दोहरीकरण को केंद्र सरकार ने हरी झंडी दे दी है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजीव श्रीवास्तव द्वारा जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार, 320 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन को अब 'स्पेशल रेल प्रोजेक्ट' घोषित किया गया है। इस घोषणा के बाद अब इस रूट पर रेल यातायात की क्षमता दोगुनी करने का काम फास्ट ट्रैक मोड पर होगा।

जयपुर में वन कर्मियों को मिली 460 बाइक

मंत्री संजय शर्मा बोले- अब अवैध कटाई पर लगेगा अंकुश, सरिस्का में बाघों की संख्या 52 पहुंची

कल का सम्राट

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर वन मंत्री संजय शर्मा ने वन विभाग के कर्मचारियों के लिए 460 नई मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाई। ये बाइकें उन वन कर्मियों को आवंटित की गई हैं जो वनों में गश्त करने का कार्य करते हैं। वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा- इससे दूरदराज के वन क्षेत्रों में निगरानी करना आसान हो जाएगा, जिससे अवैध कटाई और शिकार जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, वन्यजीव बचाव कार्यों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आपातकालीन बचाव वाहनों को भी हरी झंडी दिखाई गई। अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के मौके पर जयपुर में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर राज्य सरकार ने वन सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण को मजबूत करने के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। पुस्तक का भी विमोचन किया गया वन मंत्री संजय शर्मा ने बताया- वन विभाग ने हाल ही में 1926 हेल्पलाइन नंबर शुरू किया है। इसके साथ ही वन संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा के लिए नई एसओपी तैयार की जा रही है। इसके लिए अन्य राज्यों की एसओपी का अध्ययन किया जा रहा है, ताकि बेहतर व्यवस्था लागू की जा सके। उन्होंने कहा कि टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के विस्थापन के लिए नया पैकेज तैयार किया जा रहा है। बजट में इसकी घोषणा भी की गई है और सरकार जल्द ही इस प्रक्रिया को पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। साथ ही वन क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी जारी है।

जयपुर ग्रामीण को मिला दमदार नेतृत्व,

कल का सम्राट

IPS हनुमान प्रसाद मीणा ने संभाली कमान SP हनुमान प्रसाद मीणा ने पदभार ग्रहण किया, पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर सक्रिय अफसर के रूप में पहचाने जाते हैं हनुमान प्रसाद मीणा नशा तस्करों, साइबर क्राइम के खिलाफ सख्त कार्रवाई का दिया भरोसाआमजन में विश्वास, अपराधियों में डर' के विजन पर काम करेगी पुलिस पहले DCP वेस्ट के पद पर दे चुके हैं बेहतरीन सेवाएं DIG बनने पर IPS राशि डोगरा का हुआ स्थानांतरण जयपुर ग्रामीण में कानून व्यवस्था और मजबूत होने की उम्मीद

झुंझुनूं को मिला नया नेतृत्व, IPS कावेंद्र सिंह सागर

कल का सम्राट

झुंझुनूं को मिला नया नेतृत्व, IPS कावेंद्र सिंह सागर ने संभाला SP पदभार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेंद्र राजावत ने कराया विधिवत कार्यभार ग्रहण नवागंतुक SP कावेंद्र सिंह सागर का पुलिस अधिकारियों ने किया भव्य स्वागत मजबूत कानून व्यवस्था और बेहतर पुलिसिंग की दिशा में नई शुरुआत आमजन की सुरक्षा और विश्वास को प्राथमिकता देने पर रहेगा फोकस टीम वर्क और सख्त कार्रवाई से अपराध पर लगाम लगाने का संकल्प

कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को मिलेंगे 600 रुपए,

कल का सम्राट

40 लाख से अधिक छात्रों को मिलेगा यूनिफॉर्म का लाभ, डीबीटी के जरिए सीधे बैंक खातों में आएगी राशि, जनाधार से बैंक खाता लिंक होना अनिवार्य, शिक्षा विभाग ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, जनाधार प्रमाणित नहीं होने पर अटक सकती है राशि, यूनिफॉर्म के लिए सरकार ने जारी किए करीब 250 करोड़ रुपए

श्रीगंगानगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष विधायक रूपेंद्र सिंह कुनर लेंगे कार्यकर्ताओं की बैठक,

कल का सम्राट

125 नई धानमंडी जिला कार्यालय में 23 मार्च को जिला कांग्रेस कमेटी की होगी बैठक, निकाय और पंचायत राज चुनाव की तैयारियों को लेकर देंगे दिशा निर्देश, संगठन गठन को लेकर भी कार्यकर्ताओं से करेंगे चर्चा, जिले के ज्वलंत जन-समस्याओं पर चर्चा के साथ समाधान हेतु की जाएगी रणनीति निर्धारित,

श्रीगंगानगर की श्रीविजयनगर पुलिस का अवैध नशे के खिलाफ एक्शन,

कल का सम्राट

थानाधिकारी सुमन परिहार के नेतृत्व में कार्रवाई, आरोपी से 19.69 ग्राम चिट्टा व 3200 रुपये बरामद कर किया गिरफ्तार, NDPS एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू, करवाई में कांस्टेबल महेन्द्र, संदीप, विनोद, संदीप चालक, महेन्द्र की विशेष भूमिका रही, अनुसंधान SHO कृष्ण कुमार समेजाकोठी थाने को सौंपा गया

अमेरिका के बगैर नाटो का कोई वजूद नहीं-डोनाल्ड ट्रंप

तो अब यूक्रेन को रूस हड़प लेगा

कल का सम्राट

ईरान के साथ चल रहे युद्ध में नाटो देशों द्वारा अमेरिका का सहयोग नहीं किए जाने पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खासी नाराजगी जताई है। मालूम हो कि नॉर्थ एटलांटिक टेरिटरी (नोटो) 32 देशों का एक समूह है, जिसमें अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देश शामिल है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के बगैर नाटो देशों का कोई महत्व नहीं है। चूंकि मौजूदा समय में नाटो देश अमेरिका का सहयोग नहीं कर रहे हैं, इसलिए वक्त आने पर नाटो देशों को सबक सिखाया जाएगा। ट्रंप ने नाटो देशों को लेकर जो टिप्पणी की है, उससे प्रतीत होता है कि अब यूक्रेन को रूस हड़प लेगा। असल में यूक्रेन के नाटो देशों में शामिल होने के विरोध में ही रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। गत दो वर्षों से रूस ने यूक्रेन के लगभग आधे भाग पर कब्जा कर लिया है। अब तक यूक्रेन , रूस से इसलिए मुकाबला कर पा रहा था कि उसे अमेरिका और नाटो देशों का समर्थन था। अब जब डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देशों से पल्ला झाड लिया है, तब रूस के लिए यूक्रेन को हड़पना आसान हो गया है। वैसे भी ईरान और अमेरिका के युद्ध की वजह से रूस ताकतवर हुआ है। खाड़ी देशों में तेल की सप्लाई बाधित होने के कारण रूस अब अपने तेल को ऊंची कीमत में बेच रहा है। चूंकि डोनाल्ड ट्रंप खुद युद्ध में उलझे हुए हैं इसलिए रूस को यूक्रेन को दबाने का और अवसर मिल गया है। ईरान और अमेरिका के इस युद्ध में सबसे बड़ा खतरा अब यूक्रेन को हो गया है। अब जब रूस यूक्रेन को कब्जाने का काम करेगा तो नाटो देश यूक्रेन की कोई मदद नहीं कर पाएंगे। हो सकता है कि नाटो देशों से बदला लेने के लिए डोनाल्ड ट्रंप खुद ही रूस को यूक्रेन पर कब्जा करने के लिए उकसाए।

'इतनी गर्मी तो ट्रंप में भी नहीं...', साउंड सिस्टम को लेकर ऑपरेटर से विवाद, अलवर मे कार्यक्रम अधूरा छोड़ चले गए कन्हैया मित्तल....नहीं लिए रूपये

कल का सम्राट

अलवर। विजय मंदिर मैदान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में गुरुवार रात को आयोजित कीर्तन कार्यक्रम अचानक चर्चा में आ गया है। इसमें भजन गायक कन्हैया मित्तल को बुलाया गया था। कन्हैया आए, कुछ देर भजन गाए, फिर साउंड सिस्टम ऑपरेटर से उनका विवाद हो गया। बात बढ़ती देख आयोजक अमित सिंघल ने दोनों को समझाने की कोशिश की। बाद में ऑपरेटर ने माफी भी मांगी लेकिन कन्हैया ने साउंड सिस्टम को बंद करा दिया और कार्यक्रम अधूरा छोड़ चले गए। कन्हैया के जाने के बाद आयोजकों ने यह बात कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय को बताई। वे रात को ही बरसाना के रास्ते से कथा स्थल पर लौटे और भक्तों को भजन सुनाए। प्रोफेशनल काम में भाईबंदी के लिए कोई जगह नहीं, अलवर से जाते समय रास्ते में फेसबुक पर लाइव आकर कन्हैया मित्तल ने कहा- साउंड ऑपरेटर ने मेरी इंसल्ट की और मंच पर गलत इशारे किए। मैंने उससे संस्कार की बात कही थी। मैंने केवल 'भाईबंदी' और आयोजक सिंघल के एक फोन पर यहां आने का फैसला किया था, लेकिन अब मुझे समझ आ गया है कि प्रोफेशनल काम में भाईबंदी के लिए कोई जगह नहीं है। मैं कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय का सम्मान करता हूं। वे बहुत अच्छे हैं, लेकिन उनकी टीम और साउंड व्यवस्था में ऐसे लोगों का होना चिंताजनक है। इंद्रेश उपाध्याय के साथ ऐसे बदतमीज साउंड ऑपरेटर होंगे, मैंने कभी सोचा नहीं था। कलाकारों के साथ अक्सर ऐसा बर्ताव किया जाता है और बाद में हमें ही विवादित बता दिया जाता है। अक्सर साउंड ऑपरेटर कलाकारों के साथ गलत व्यवहार करते हैं और उन पर झूठे आरोप लगाते हैं। मेहनताना नहीं लेकर गए, भजन प्रस्तुति के लिए आयोजक अमित सिंघल व कन्हैया के बीच फोन पर बात हुई थी। बताते हैं कि कन्हैया ने कहा कि वे भाई व दोस्ती होने के नाते पैसे नहीं लेंगे और वह लेकर भी नहीं गए। आयोजकों का कहना है कि उनके संबंध कन्हैया से हैं। ऐसे में पैसे तय नहीं हुए थे। यदि वे प्रस्तुति देते तो पैसे जरूर दिए जाते। हालांकि मंच से ही कन्हैया ने अपने मैनेजर से कहा था कि वह किसी प्रकार के कोई पैसे न पकड़े।

राजस्थान के किसानों के लिए राहत की खबर, हर जिले में फसलों के नुकसान का होगा सर्वे शुरू

कल का सम्राट

राजस्थान में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के बीच किसानों के लिए राहत की खबर सामने आई है...राजस्थान में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के बीच किसानों के लिए राहत की खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान को लेकर सभी जिला कलक्टरों से सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट देने को कहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार हर प्रभावित किसान के साथ खड़ी है और किसी को भी नुकसान की स्थिति में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। प्रत्येक प्रभावित किसान को शीघ्र एवं समुचित सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वे कार्य पारदर्शिता और तेजी से पूरा किया जाए, ताकि वास्तविक नुकसान का सही आकलन हो सके। राजस्थान की समृद्धि का आधार हमारे अन्नदाता भाई-बहनः सीएम भजनलाल, सीएम भजनलाल शर्मा ने एक्स पर लिखा कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों में हुई अतिवृष्टि से अन्नदाताओं को हुए नुकसान के समुचित आकलन हेतु सभी जिला कलेक्टरों को तत्काल प्रभाव से सर्वेक्षण कर यथाशीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। राजस्थान की समृद्धि का आधार हमारे अन्नदाता भाई-बहन हैं। राज्य सरकार पूर्ण संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व के साथ आपके साथ दृढ़तापूर्वक खड़ी है। प्रत्येक प्रभावित किसान को शीघ्र एवं समुचित सहायता उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

जिला कलक्टर ने ग्राम झड़वासा में लगाई रात्रि चौपाल ,

ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

कल का सम्राट

अजमेर, । माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के त्वरित एवं धरातलीय निस्तारण तथा प्रशासन की पहुंच अंतिम छोर तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को उपखंड नसीराबाद के ग्राम झड़वासा में जिला कलक्टर श्री लोकबंधु की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। जिला कलक्टर ने कृषकों, युवाओं एवं महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याएं एवं सुझावों को सुना । साथ ही रात्रि चौपाल में प्राप्त जन परिवेदनाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए । रात्रि चौपाल में 25 परिवाद प्राप्त हुए। रात्रि चौपाल को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि

ग्राम में चौपाल लगाने का मूल उद्देश्य आमजन की समस्याओं को निकटता से समझकर विभागीय समन्वय के माध्यम से उनका पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही उनके निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया। जिला कलक्टर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री की मंशानुसार विकसित राजस्थान के निर्माण के लिए अभियान के अंतर्गत राज्य की सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय वार्डों के लिए स्थानीय आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं के अनुरूप विकास का दीर्घकालिक रोडमैप तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में जनभागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है और ग्राम स्तर पर एकत्रित सुझावों के आधार पर आगामी विकास योजना तैयार की जाएगी। इस प्रक्रिया से स्थानीय संसाधनों, आवश्यकताओं एवं विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित होगा तथा क्षेत्रीय उत्पादों को भी नई पहचान और प्रोत्साहन मिलेगा। महिलाओं से संवाद करते हुए जिला कलक्टर ने राजीविका एवं आंगनबाड़ी से जुड़ी महिलाओं द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी ली तथा उनके उत्पादों की विपणन क्षमता बढ़ाने एवं व्यवसाय विस्तार के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने महिला समूहों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे सोलर दीदी सहित अन्य आवश्यकताओं के सुझाव भी मांगे। कृषकों के साथ संवाद में जिला कलक्टर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्तों की समयबद्ध प्राप्ति की जानकारी ली तथा फसल उत्पादन, भूजल स्थिति और भूमि की उर्वरता पर चर्चा की। उन्होंने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुरूप फसल चयन करने, फसल बीमा कराने तथा राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही तारबंदी, फार्म पॉण्ड, शेडनेट जैसी योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों की समस्याएं भी सुनीं। युवाओं से संवाद के दौरान उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में ईमानदारी और परिश्रम के साथ जुटने का आह्वान किया तथा राज्य सरकार द्वारा परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने प्रत्येक ग्राम में स्थापित अटल ज्ञान केंद्रों का अधिकतम उपयोग करने, नशे से दूर रहने तथा पढ़ाई और खेलकूद में संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। साथ ही युवाओं को करियर काउंसलिंग के लिए अधिकारियों एवं कार्मिकों से मार्गदर्शन लेने के लिए प्रेरित किया। रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने जनहित एवं व्यक्तिगत महत्व के विभिन्न परिवाद प्रस्तुत किए। इनमें विद्यालय के लिए खेल मैदान की व्यवस्था, पेयजल की नियमित आपूर्ति , जल निकासी के लिए नाला निर्माण, विद्युत आपूर्ति में सुधार, आवागमन के लिए नए मार्गों का निर्माण तथा खातेदारी भूमि से नियमानुसार मार्ग उपलब्ध कराने जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं। जिला कलक्टर ने इन सभी परिवादों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमानुसार त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए परिवादियों को शीघ्र राहत प्रदान करें। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी श्री देवीलाल यादव, वृताधिकारी श्री कृष्ण कुमार, विकास अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

क्लीन अजमेर ग्रीन अजमेर मुहिम का शुभारंभ

स्मार्ट सिटी अजमेर को पॉलिथीन मुक्त बनाने में स्वयंसेवी संस्थाएं अहम भूमिका निभाए -- देवनानी

कल का सम्राट

अजमेर । राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि स्मार्ट सिटी अजमेर को पॉलिथीन मुक्त स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए स्वयंसेवी संस्था अहम भूमिका निभाए। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी आज सामाजिक सरोकार के क्षेत्र मे अग्रणीय संस्था जवाहर फाउंडेशन द्वारा क्लीन अजमेर ग्रीन अजमेर अभियान के शुभारंभ पर जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में स्वाभिमान भोज रसोई पर आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवी संस्थाओ के प्रतिनिधियों से औपचारिक बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि आमजन को दैनिक दिनचर्या में कपड़े के ठेले का उपयोग करना चाहिए। सामाजिक संस्थाएं आमजन को पॉलिथीन का बहिष्कार करने के लिए जागरूक करें अन्यथा भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने होंगे । इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्य सुनील माथुर ने कहा कि

आमजन को पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर पॉलिथीन का उपयोग बन्द नहीं किया गया तो भविष्य में परिणाम घातक होंगे जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ मनीराम कुमार ने कहा कि पॉलिथीन हटाओ गोवंश बचाओ अति आवश्यक है।पॉलिथीन के कारण गोवंश बेमौत मारी जा रही है ।गोवंश एवं पशु संरक्षण के लिए पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने के लिए आमजन को जागरूक किया जाना चाहिए। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ अरविंद खरे ने कहा कि आजकल होटल एवं रेस्टोरेंट से पॉलिथीन में गर्म पेय एवं खाद्य पदार्थ के टेक अवे का प्रचलन बढ रहा है !जिससे कैंसर सहित पेट की गंभीर बीमारियां हो रही है जवाहर फाउंडेशन अजमेर के प्रभारी शिव कुमार बंसल ने बताया कि जवाहर फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष उद्योगपति एवं समाजसेवी रिजु झुनझुनवाला के निर्देशानुसार स्वच्छ अजमेर स्वस्थ अजमेर कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जवाहर फाउंडेशन द्वारा आमजन को जागरुक कर कपड़े के ठेले वितरित कर रही है । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ मनीराम कुमार डॉ सुनील माथुर जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ अरविंद खरे उप अधीक्षक डॉ अमित यादव जवाहर फाउंडेशन के प्रभारी रजनीश वर्मा के नेतृत्व में आम जन को पॉलिथीन मुक्त अजमेर बनाने के लिए जागरुक कर एक हजार कपड़े के थैले वितरित किए गए । इस अवसर पर जवाहर फाउंडेशन के महेश चौहान मामराज सेन मनीष अग्रवाल पार्षद नलिनी शर्मा राजेश शर्मा डॉ लाल थदानी राजकुमार गर्ग घनश्याम जोशी कशिश कच्छावा विशाल पाराशर सुनील शर्मा मनोज गुप्ता धुव्रिका सिसोदिया हेमराज सिसोदिया आदि ने आमजन को एक हजार कपड़े के थैले वितरित कर दैनिक दिनचर्या में कपड़े के ठेले का उपयोग करने का संकल्प दिलाया ।

दाजी के आगमन की तैयारी की मीटिंग सम्पन्न

कल का सम्राट

अजमेर, । हार्टफुलनेस संस्थान के वैश्विक मार्गदर्शक श्री कमलेश डी. पटेल (दाजी) के अजमेर आगमन की तैयारियों हेतु मीटिंग संपन्न की गई। दाजी पद्म भूषण से सम्मानित हैं जो आध्यात्मिकता के अतिरिक्त योग, पर्यावरण, चिकित्सा, शिक्षा आदि क्षेत्रों में समाज के लिए सतत रूप से कार्यरत है। दाजी आगामी 26 तथा 27 मार्च को अजमेर में ध्यान सत्रों द्वारा जन सामान्य को मार्गदर्शन करेंगे। यह कार्यक्रम होटल ग्रैंड जीनिया में होगा।कार्यक्रम समन्वयक (विशेषाधिकारी विधानसभा

अध्यक्ष) श्री के.के. शर्मा जी ने जानकारी दी कि हार्टफुलनेस संस्थान के मार्गदर्शक दाजी का प्रथम बार अजमेर में आगमन हो रहा है और इसकी तैयारिया लगातार आगे बढ़ रही हैं। मीटिंग में जोनल समन्वयक श्री मुकेश पटेल, जिला समन्वयक श्री गिरीश गुप्ता के अतिरिक्त विकास, शैलेश गौड़, अमिंदर, हनुत सिंह, मनीषा, कुसुम आदि उपस्थित रहे।

राजस्व लक्ष्य प्राप्ति हेतु परिवहन विभाग की सख्त कार्यवाही, सैकड़ों वाहन जब्त

कल का सम्राट

अजमेर, । वित्तीय वर्ष 2026-27 के निर्धारित राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए परिवहन विभाग द्वारा जिले में व्यापक स्तर पर सघन प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत डिफॉल्टर, ओवरलोड एवं अन्य अवैध रूप से संचालित वाहनों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। विभाग द्वारा चौबीसों घंटे उड़नदस्तों की तैनाती की गई है, जो विभिन्न मार्गों पर निगरानी रखते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर त्वरित कार्रवाई कर रहे हैं। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी श्रीमती सुमन भाटी ने बताया कि पिछले सात दिनों में अजमेर जिले में 500 से अधिक वाहनों को जब्त किया गया है। इन वाहनों से लगभग एक करोड़ रुपये की राशि जुर्माना एवं कर के रूप में वसूल की गई है। इसी प्रकार किशनगढ़ एवं केकड़ी क्षेत्रों में 300 से अधिक वाहनों को सीज कर लगभग 50 लाख रुपये की वसूली की गई है। यह कार्रवाई विभाग की सतत निगरानी एवं सख्त रुख का परिणाम है। उन्होंने बताया कि भारी वाहनों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 का कर जमा कराने की अंतिम तिथि 15 मार्च निर्धारित की गई थी। इसके पश्चात कर जमा नहीं कराने वाले वाहनों के विरुद्ध रात्रि 12 बजे के बाद से विशेष अभियान चलाकर धरपकड़ की जा रही है। से वाहन मालिकों से बकाया कर राशि के साथ 3 प्रतिशत पेनल्टी, चालान शुल्क तथा अन्य मोटर वाहन अपराधों पर 10 हजार रुपये तक का अतिरिक्त जुर्माना वसूल किया जा रहा है। वरिष्ठ परिवहन अधिकारी स्वयं फील्ड में मौजूद रहकर उड़नदस्तों के साथ कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे हैं, जिससे अभियान की प्रभावशीलता और अधिक बढ़ गई है। विभाग की इस सख्ती का असर वाहन मालिकों पर भी स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है, और कार्रवाई से बचने के लिए कई वाहन स्वामी स्वेच्छा से अपना बकाया कर जमा करा रहे हैं। परिवहन विभाग ने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे नियमानुसार अपने वाहनों का कर समय पर जमा कराएं एवं यातायात नियमों का पालन करें, ताकि अनावश्यक जुर्माने और कार्रवाई से बचा जा सके। विभाग द्वारा आगामी दिनों में इस प्रवर्तन अभियान को और अधिक सख्त एवं प्रभावी बनाया जाएगा।

जैन प्रीमियर लीग (JPL) सीजन-2 का भव्य आगाज़, ऑक्शन रहा आकर्षण का केंद्र

कल का सम्राट

निंबाहेड़ा। नाकोड़ा क्रिकेट क्लब द्वारा भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर जैन समाज के युवाओं को एकजुट करने, खेल भावना को बढ़ावा देने एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जैन प्रीमियर लीग (JPL) सीजन-2 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में समाज के युवा खिलाड़ियों का उत्साहपूर्ण सहभाग देखने को मिल रहा है। टूर्नामेंट से पूर्व 20 मार्च की शाम को एक आकर्षक एवं सफल ऑक्शन का आयोजन किया गया, जो इस वर्ष का मुख्य आकर्षण रहा। यह ऑक्शन पूरी तरह क्लब द्वारा विकसित डिजिटल प्रणाली पर आधारित था, जिसका संचालन हिमांशु मारू एवं सीए शुभम चपलोत द्वारा किया गया। ऑक्शन में कुल 8 टीम

मालिकों ने भाग लिया, जिन्हें प्रत्येक को 10 लाख पॉइंट्स प्रदान किए गए। कुल 111 पंजीकरण में से 72 खिलाड़ियों की सफल बोली लगाई गई। सभी टीम मालिकों ने अपने-अपने पर्स के अनुसार संतुलित एवं मजबूत टीमों का गठन किया। विशेष रूप से JPL सीजन-1 के मैन ऑफ द सीरीज खिलाड़ी अमन मेहता को सर्वाधिक 7,80,000 पॉइंट्स में खरीदा गया। टूर्नामेंट के मुख्य मुकाबले 27, 28 एवं 29 मार्च 2026 को आयोजित होंगे। इसके साथ ही 22 मार्च से जैन महिला वर्ग (8 टीमें) एवं अंडर-15 बालक वर्ग (4 टीमें) के लिए भी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे यह आयोजन एक पारिवारिक एवं सामुदायिक उत्सव का स्वरूप ले रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक अशोक नवलखा, बीजेएस अध्यक्ष वीरेश चपलोत, भाजपा नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ सहयोजक गजेंद्र नवलखा उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए युवाओं को खेल एवं सामाजिक एकता के लिए प्रेरित किया। नाकोड़ा क्रिकेट क्लब की कमेटी ने बताया कि यह आयोजन जैन समाज में एकता, उत्साह एवं खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ एक सशक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है।

संगम विश्वविद्यालय ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ किया महत्वपूर्ण एमओयू, उद्योग-शिक्षा सहयोग को मिलेगा नया आयाम

कल का सम्राट

भीलवाड़ा।संगम विश्वविद्यालय ने उद्योग और शिक्षा के बीच मजबूत समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) के साथ एक एमओयू (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता विद्यार्थियों को आधुनिक बैंकिंग, फाइनेंस और डिजिटल पेमेंट्स सेक्टर की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ने और उन्हें उद्योग के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से किया गया है।डॉ. अनुराग शर्मा ने बताया इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, ताकि वे बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर की वास्तविक चुनौतियों को समझ सकें। इस साझेदारी के माध्यम से छात्रों को इंटरनशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण, गेस्ट लेक्चर्स और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स का लाभ मिलेगा। साथ ही, डिजिटल बैंकिंग और फाइनेंशियल इन्क्लूजन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी। एमओयू

हस्ताक्षर समारोह में IPPB से श्री प्रशांत शिंदे (AGM एवं सर्किल हेड - राजस्थान), संगम यूनिवर्सिटी से कुलपति महोदय प्रोफेसर करूणेश सक्सेना, प्रो-कुलपति प्रोफेसर मानस रंजन पाणिग्रही तथा रजिस्ट्रार डॉ. आलोक कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कुलपति महोदय प्रोफेसर करूणेश सक्सेना के अनुसार, यह सहयोग विद्यार्थियों को उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा और उन्हें बेहतर करियर अवसर उपलब्ध कराएगा। प्रो-कुलपति प्रोफेसर मानस रंजन पाणिग्रही ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह एमओयू विश्वविद्यालय के अकादमिक ढांचे को और अधिक सशक्त बनाएगा तथा विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणाली से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की साझेदारियाँ छात्रों के कौशल विकास के साथ-साथ उनके व्यावसायिक दृष्टिकोण को भी व्यापक बनाएंगी। रजिस्ट्रार डॉ. आलोक कुमार ने कहा कि इस सहयोग से विश्वविद्यालय में व्यावहारिक एवं उद्योग-आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को न केवल सीखने के नए अवसर मिलेंगे, बल्कि वे अपने करियर के लिए अधिक सक्षम और तैयार बन सकेंगे। श्री शिंदे द्वारा स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के विद्यार्थियों के लिए एक विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र के दौरान उन्होंने India Post Payments Bank की स्थापना, उद्देश्य तथा इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार IPPB देश के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही, उन्होंने इसके विभिन्न सेवाओं जैसे डिजिटल बैंकिंग, डोरस्टेप बैंकिंग, आधार आधारित सेवाएँ तथा वित्तीय समावेशन की पहल के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।इस अवसर पर इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की टीम, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से डॉ. सुरभि बिरला, डॉ. नेहा सभरवाल एवं श्री किशन टाक तथा ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट से श्री अतुल पराशर उपस्थित रहे।

जिला अभिभाषक संस्था की कार्यकारिणी का किया विस्तार-अध्यक्ष उम्मेदसिंह राठौड़

कल का सम्राट

भीलवाड़ा।जिलाअभिभाषक संस्था अध्यक्ष उम्मेद सिंह राठौड़ उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राणावत महासचिव पंकज दाधीच रेवेन्यू महासचिव मनोहर लाल बुनकर कोषाध्यक्ष रवि गोरानी सह सचिव आदित्य सिंह चौहान पुस्तकालय सचिव प्रताप तेली की न्यायालय परिसर स्थित कार्यालय पर बैठक आयोजित हुई जिसमें जिला अभिभाषक संस्था की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया पंकज पंचोली, राघवेंद्र नाथ व्यास, ओम प्रकाश तेली नैनवा, श्रीमती वंदना आमेटा, पीरू सिंह गौड़, आनंद शर्मा को मनोनीत सदस्य नियुक्त किया गया।जिला अभिभाषक संस्था की वर्ष 2026 के लिए समन्वय, प्रशासनिक स्वीकृति एवं निर्माण समिति मे राजेश शर्मा अध्यक्ष, राजेंद्र कुमार कचौलिया सदस्य, हेमेंद्र शर्मा सदस्य, दुर्गेश शर्मा सदस्य, श्याम सिंह चुण्डावत सदस्य, उदयलाल जाट सदस्य, शहजाद मोहम्मद रंगरेज़ सदस्य को मनोनीत किया। न्यायालय परिसर स्थित पार्क के विकास, वृक्षारोपण एवं न्यायालय परिसर की स्वच्छता निरीक्षण व समाधान हेतु ENVIRONMENT & COURT AWAIRNESS COMMITTEE का गठन किया गया जिसमें सुरेश व्यास, रामेश्वर लाल जाट, विशाल गौतम, महावीर प्रसाद जांगिड़, हसन खान, नीलू तंवर, नरेंद्र सिंह राठौड़, राजकुमार माली, बालू लाल उपाध्याय, नितिन पाल सिंह राठौड़, देश कुमार मालावत को मनोनीत किया ।

33 वर्षों बाद निंबाहेड़ा पहुंचे मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास का भव्य स्वागत

कल का सम्राट

निंबाहेड़ा। राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव बने वी. श्रीनिवास के 33 वर्षों बाद प्रथम बार निंबाहेड़ा आगमन पर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सीएस श्रीनिवास के स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने 33 वर्ष पूर्व उपखंड अधिकारी (एसडीएम) के रूप में निंबाहेड़ा में किए गए कार्यों को स्मरण करते हुए उनकी प्रशासनिक दक्षता, कार्यशैली एवं प्रदेश के विकास में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य सचिव पद तक पहुँचना क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने भी निंबाहेड़ा में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए क्षेत्र के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निंबाहेड़ा की यादें आज भी उनके हृदय में जीवंत हैं और यहां का स्नेह सदैव प्रेरणा देता रहा है। उन्होंने अपने प्रोबेशन काल के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि जब मैं यहां एसडीएम के रूप में पदस्थ था तब भी श्रीचंद कृपलानी विधायक थे और आज जब में करीब 33 वर्षों के बाद सीएस के रूप में निंबाहेड़ा आया हूं तब भी विधायक के पद पर जनसेवा से जुड़े हैं, हालांकि इस दौरान वे भी कई पदों पर रहकर जनसेवा के कार्य करते आ रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक अशोक नवलखा, प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष महावीर सिंह कृष्णावत, निवर्तमान जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर, निवर्तमान प्रधान बगदीराम धाकड़, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, वरिष्ठ नेता चांदमल सोनी, डॉ. जे.एम. जैन, मोतीलाल आहूजा, रामपाल काबरा, पारस पारख, ललित शारदा, नानालाल भूतड़ा, प्रदीप मोदी, वीरेश चपलोत, चंद्रमोहन गुप्ता, पूर्व नगर अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी, नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी, पूर्वी मंडल अध्यक्ष अशोक जाट, कनेरा मंडल अध्यक्ष जुगलकिशोर धाकड़, छोटीसादड़ी नगर अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, पूर्वी मंडल अध्यक्ष विक्रम कुमावत, पश्चिम मंडल अध्यक्ष लोकेश धाकड़, नगर महामंत्री कमलेश बनवार, देवकरण समदानी, कमलेश बुनकर, जिला प्रवक्ता मानवेंद्र सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मुख्य सचिव श्रीनिवास का साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में विधायक श्रीचंद कृपलानी द्वारा मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास को स्मृति चिन्ह स्वरूप महाराणा प्रताप की धातु प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जेके सीमेंट के यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल, वंडर सीमेंट के यूनिट हेड नितिन जैन ने भी मुख्य सचिव वी श्रीनिवास को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया, यहां बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे, जिससे आयोजन का वातावरण अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय बना रहा।

पूर्व विधायक देवीशंकर भूतड़ा ने किया प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

कल का सम्राट

ब्यावर ।,पूरे प्रदेश में मंडल स्तर पर भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के तहत प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहे हैं उसी कड़ी मे महाराणा प्रताप मंडल ब्यावर विधानसभा के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वि दिवसीय महा प्रशिक्षण अभियान शिविर आज शरु हुआ। ये यह जानकारी मंडल संयोजक सत्येंद्र यादव नें दी।बताया की मंडल अध्यक्ष रवि चौहान की अध्यक्षता में प्रशिक्षण वर्ग शरू हुआ। शनिवार को 4बजे उद्घाटन सत्र आरंभ हुआ जिसमें दीप प्रज्वलन तथा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी,भारत माता तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किए गए। मंडल महामंत्री संतोष जाग्रत में आगे बताया की प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति नीति, विचारधारा,कार्य प्रणाली, पार्टी के इतिहास से अवगत करवाया गया। साथ ही साथ ही पार्टी का विस्तार कैसे हो, बूथ पर हमारी तैयारी कैसे हो तथा सोशल मीडिया का इस्तेमाल संगठन के हित में कैसे करें इसका प्रशिक्षण दिया गया। प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता पूर्व विधायक देवीशंकर भूतड़ा रहे जिन्होंने हमारे वैचारिक अधिष्ठान पर कार्यकर्ताओं को अपना वक्तव्य देते हुएकहा की भारतीय जनता पार्टी विचारधारा आधारित राजनीतिक दल है राष्ट्र प्रथम की अवधारणा से प्रेरित हमारी पार्टी का अधिष्ठान सिद्धांतों में है ने किसी परिवार का वंश जाति अथवा मजहब में है राष्ट्र प्रथम की भावना से हम अनु प्रमाणित है राष्ट्र को जोड़ने वाला सूत्र है भारत के संस्कृतिक मूल्य हमारी निष्ठा में हे ।हमारी निष्ठाएं भारत के परम वैभव को प्राप्त करने का संकल्प और यह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एकात्मक मानव दर्शन पंच निष्ठा देशभर मे प्रामाणिकता के उदाहरण भाजपा के कार्यकताओ की पहचान हे। द्वितीय सत्र में अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष चेतन गोयर ने पार्टी के इतिहास व विकास पर प्रकाश डाला। तृतीय सत्र में पूर्व मण्डल अध्यक्ष नरेश मितल ने कार्य विस्तार पर चर्चा की। शिविर को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य इन्दर सिह बागावास ने भी संबोधित किया। मंडल अध्यक्ष रवि चौहान ने धन्यवाद ज्ञापित किया उन्होंने सभी प्रशिक्षणर्थियों सभी वक्ताओं तथा व्यवस्था में लगे सभी कार्यकर्ताओं आभार व्यक्त किया उन्होंने कहाकी यह सब कार्यकर्ताओं की लगन से ही संभव पाया है। शिविर प्रशिक्षणर्थिओं में पूर्व जिलामंत्री बृजकिशोर शर्मा मण्डल उपाध्यक्ष बुद्धराज शर्मा नवल किशोर मुरारका सुमिता बाबेल तारा सोनी सन्तोष दगदी महेंद्र सिंह गौड रामेश्वर गहलोत ममता वैष्णव शिखा गुप्ता मुन्नीदेवी गहलोत रेणु दग्दी रिद्धि राजावत जगन्नाथ यादव दीपक चौहान रमेश अग्रवाल नितिन खण्डेलवाल नटवर अरोड़ा रमेश बंसल रमेश अरोडा मनीष बंसल शोभागमल खोरवाल डी के जैन महेंद्र चौहान सम्पत संवासिया राकेश नरूका रमेश यादव दिलीप दगदी हरीश सांखला अशोक भाटी हमेंत चन्देल तिलोक तालेपा हमेंत खत्री रणवीर सिंह चौहान जगन्नाथ यादव सुरेश यादव रविन्द्र राठौर चेनसिह रावत दिनेश दौलिया प्रेम चन्द्र टाक भावेश जाग्रत जय जाग्रत आयुश सोनी धीरज सेन अशोक फुलवारी योगश गुजर रविन्द्र साहु मंजु अरोडा हेमसिंह रावत दिलीप भण्डारी राजेन्द्र खण्डेलवाल विजयलक्ष्मी वैष्णव संजय जिंदल अंजु गोयल अशोक गोयल जितेंद्र ठठेरा कमल किशोर शर्मा जावेद मंसूरी शशि चांवरिया राजेश्वरी यादव महेंद्र पाल यादव आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे.

अविश्वास का खतरनाक विस्तार

राज्यसभा के सभापति रहे जगदीप धनखड़, फिर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव के बाद अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध महाभियोग का नोटिस सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास के खतरनाक विस्तार का ही संकेत है। चुनाव केंद्रित संसदीय राजनीति में दलगत विरोध अप्रत्याशित नहीं हैं। अतीत में भी कई बार किसी मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष में टकराव के चलते कई-कई दिन संसद नहीं चल पाई।

पूरा सत्र ही गतिरोध की भेंट चढ़ जाने के उदाहरण भी हैं, लेकिन 2014 के बाद राजनीतिक टकराव परंपराएं और लक्ष्मण रेखाएं लांघता दिख रहा है। 2024 के अंत में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव प्रक्रियागत और तकनीकी त्रुटियों के चलते नोटिस से आगे नहीं बढ़ पाया था। उपसभापति हरिवंश ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस नियमानुसार 14 दिन पहले न देने के आधार पर खारिज करते हुए बताया था कि जगदीप धनखड़ के नाम की स्पेलिंग भी गलत लिखी गई थी।

अतीत में भी तीन बार लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव आया और हर बार गिरा भी, क्योंकि उनका चयन ही बहुमत से होता है। अल्पमत विपक्ष उन्हें हटा ही नहीं सकता, जब तक कि सत्तापक्ष में विभाजन की नौबत न आए। लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाने का सीधा अर्थ है कि बहुमत खो चुकी सरकार को भी जाना पड़ेगा। अल्पमत विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव का उद्देश्य स्पीकर के प्रति असंतोष की अभिव्यक्ति ही होता है। तथ्यात्मक गलतियां ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव में भी थीं, पर उन्होंने स्वयं उन्हें ठीक कराते हुए पेश होने दिया।

ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव गंभीर आरोप-प्रत्यारोप और टकराव की हद तक चला गया तो उसके मूल में पिछली लोकसभा की कटुता भी रही, जब बिरला ही स्पीकर थे। तब रिकार्ड संख्या में विपक्षी सांसद निलंबित किए गए। उस वक्त राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष नहीं थे, पर बोलने न देने और माइक बंद कर देने के आरोप तब भी लगे थे। किसी भी सदन का संचालन अध्यक्ष की जिम्मेदारी है, पर सत्तापक्ष और विपक्ष की परस्पर समझदारी और सम्मान भाव से ही सदन सुचारु रूप से चल सकता है, लेकिन वे तो एक-दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते। सत्तापक्ष के विरुद्ध विपक्ष की आक्रामकता का नजला स्पीकर पर गिरा।

अविश्वास प्रस्ताव की परिणति जानते हुए ही विपक्ष ने मत विभाजन नहीं मांगा, लेकिन इससे यह सच नहीं बदलता कि स्पीकर पर विपक्ष का विश्वास नहीं है। अतीत में स्पीकर की भूमिका के अनुभव मिश्रित रहे हैं। जिस ब्रिटेन से हमारी संसदीय प्रणाली प्रेरित है, वहां स्पीकर किसी दल के सदस्य नहीं होते। अपने देश में भी कभी लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर नीलम संजीव रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफा दिए बिना भी दोनों पक्षों का सम्मान हासिल करते हुए सुचारु सदन संचालन के सोमनाथ चटर्जी और पीए संगमा सरीखे उदाहरण हैं, लेकिन अब बढ़ते तनाव से इस संस्था की साख प्रभावित होने लगी है। यह राजनीतिक दलों की सामूहिक चिंता का विषय होना चाहिए। व्यक्ति आते-जाते रहेंगे, लेकिन संस्थाओं की साख पर आंच नहीं आने देनी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग का नोटिस राजनीतिक टकराव का विस्तार है। कभी मत्रपत्रों की लूट तो अब ईवीएम पर संदेह के जरिये चुनाव प्रक्रिया की शुचिता और विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते रहे हैं, लेकिन इस तरह कठघरे में खड़ा कभी नहीं किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्तियां हमेशा केंद्र सरकार करती है। पसंदीदा नौकरशाहों की नियुक्ति के आरोप भी लगते रहे हैं। नवीन चावला की कांग्रेस से नजदीकियों के तब तमाम उदाहरण दिए गए थे। मनोहर सिंह गिल को तो कांग्रेस ने राज्यसभा सदस्य और केंद्र में मंत्री भी बनाया। फिर अब क्यों बात मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग के नोटिस तक पहुंच गई?

चंडीगढ़ नगर निगम मेयर चुनाव में निर्वाचन अधिकारी की धांधली और फिर सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती का घटनाक्रम ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल से पहले का है। हां, कुछ नियम-कानूनों में संशोधन अवश्य हुए हैं, जिन्हें विपक्ष पारदर्शिता से विचलन बताता है, पर उन्हें न्यायपालिका में चुनौती दी जा सकती है। चुनाव आयोग से विपक्ष के ताजा टकराव के मूल में एसआइआर मुख्य मुद्दा है। अतीत में भी मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण होता रहा है, लेकिन इस बार जैसी अफरातफरी कभी नहीं मची।

इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम भी कभी नहीं कटे। शायद इसलिए कि इस बार आइआर की जगह एसआइआर कराया जा रहा है। ऐसे विशेष सघन पुनरीक्षण से पहले सभी दलों और राज्य सरकारों से चर्चा न करने से उठे सवालों का जवाब तो चुनाव आयोग ने नहीं दिया है, लेकिन मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण से लेकर चुनाव प्रक्रिया को बेहतर बनाने संबंधी कदमों को सर्वोच्च न्यायालय आयोग का अधिकार बता चुका है।

बिहार से शुरू एसआइआर विवाद के बंगाल पहुंचने तक सर्वोच्च न्यायालय कई बार सुनवाई कर चुका है। कुछ मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। बंगाल में राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच मोर्चा खुल जाने की स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय ने एसआइआर की निगरानी के लिए न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए। प्रक्रियागत जटिलताओं के बावजूद एसआइआर असंवैधानिक नहीं है। फिर भी टकराव का मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध देश में पहली बार महाभियोग के नोटिस तक पहुंच जाना गंभीर सवाल खड़े करता है। महाभियोग की जटिल प्रक्रिया के चलते विपक्ष की इस मुहिम की सफलता संदिग्ध ही है। निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार चुनाव आयोग के मुखिया तथा लोकसभा के अध्यक्ष पर विपक्ष का अविश्वास लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। यह चिंता प्रधानमंत्री मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एजेंडा में भी सर्वोपरि होनी चाहिए।

राज कुमार सिंह।

सम्पादकीय

वैश्विक हितों पर हमले

इजरायल की ओर से अपने गैस फील्ड साउथ पार्स को निशाना बनाए जाने के जवाब में ईरान ने जिस तरह सऊदी अरब, कतर और कुवैत की रिफाइनरियों पर हमले किए, उसके बाद कच्चे तेल के दाम बढ़ने ही थे। समस्या केवल यह नहीं कि तेल के दाम बढ़ते ही चले जा रहे हैं, बल्कि यह भी है कि खाड़ी के देशों से उसकी आपूर्ति में भी कठिनाई आ रही है। तेल के साथ गैस की आपूर्ति में भी मुश्किलें पेश आ रही हैं।

साफ है कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ा युद्ध ऊर्जा संकट को गंभीर बनाने का काम कर रहा है। ईरान ने अपने यहां के ऊर्जा स्रोतों पर हमले के जवाब में पड़ोसी देशों के ऐसे ही स्रोतों को निशाना बनाने की जो रणनीति अपनाई है, उससे अमेरिका के साथ खाड़ी के देश ही नहीं, पूरी दुनिया परेशान है। यह साफ है कि अमेरिका ने यह सोचा ही नहीं था कि ईरान इस तरह ऊर्जा संकट गहराने की रणनीति अपना सकता है, लेकिन वह इसी रणनीति पर चल रहा है।

पहले उसने खाड़ी देशों से तेल और गैस की आपूर्ति के समुद्री मार्ग होर्मुज को बाधित किया, फिर उसने इन देशों के ऊर्जा स्रोतों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। ईरान ने खाड़ी देशों के कुछ ऊर्जा स्रोतों को तो इस तरह निशाना बनाया कि उनसे तेल और गैस का उत्पादन ही ठप हो गया है। चूंकि तेल और गैस के उत्पादन में कमी के साथ उसकी आपूर्ति भी बाधित हो गई है, इसलिए पूरी दुनिया को ऊर्जा संकट की तपिश झेलनी पड़ रही है। कई देशों को तेल और गैस के दाम बढ़ाने पड़े हैं। कुछ देशों में गैस की किल्लत होने से घरों में खाना बनाने के साथ-साथ छोटे-बड़े उद्योग चलाना भी कठिन हो गया है।

तेल एवं गैस के दाम बढ़ने और उनकी आपूर्ति प्रभावित होने से दुनिया भर के शेयर बाजारों में गिरावट भी देखी जा रही है। एक तरह से ईरान पर हो रहे अमेरिका एवं इजरायल के हमले और उनके जवाब में ईरान की कार्रवाई वैश्विक हितों पर तगड़ी चोट पहुंचाने का काम कर रही है। वैश्विक हितों के लिए यह जो गंभीर खतरा पैदा हो गया है, उसके लिए सीधे तौर पर अमेरिका जिम्मेदार है। यदि वह ईरान पर हमला करने के लिए तैयार नहीं होता तो इजरायल शायद ही अपने दम पर ऐसा करने के लिए आगे आता। अब तो ऐसा लगता है कि इन दोनों में रणनीतिक तालमेल का भी अभाव है। इसका संकेत इजरायल की ओर से ईरान के गैस फील्ड को निशाना बनाए जाने पर अमेरिका की असहमति से मिलता है।

ईरान वार पर वार किये जा रहा है मगर खाड़ी देश पलटवार की हिम्मत तक नहीं दिखा पा रहे

तेल, गैस और बारूद की गंध अब एक साथ हवा में तैर रही है। पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है।

देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफ्फान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया। कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है।

इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अजीब-सा दोहरा रुख अपनाया। एक तरफ उन्होंने कहा कि अमेरिका का इस हमले से कोई लेना देना नहीं, दूसरी तरफ ईरान को खुली चेतावनी दे डाली कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो साउथ पार्स को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। यहीं से कहानी और पेचीदा हो जाती है। अब तक अमेरिका और इजराइल एक ही पाले में नजर आते थे, लेकिन अब दोनों के मकसद अलग अलग दिखने लगे हैं। ट्रंप एक कारोबारी की तरह सोचते हैं, वह ईरान पर दबाव बनाकर उसे अपने हिसाब से झुकाना चाहते हैं। लेकिन इजराइल की मंशा इससे कहीं आगे है, वह ईरानी शासन को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। यह दरार अब अमेरिका के भीतर भी दिखने लगी है। ट्रंप के अपने समर्थक सवाल कर रहे हैं कि क्या अमेरिका किसी और की लड़ाई में उलझता जा रहा है।

दूसरी तरफ ईरान ने भी साफ कर दिया है कि अब वह पीछे हटने वाला नहीं है। उसके विदेश मंत्री ने खुले शब्दों में कहा है कि अगर दोबारा उसके ऊर्जा ढांचे पर हमला हुआ तो वह बिना किसी संयम के पूरी ताकत से जवाब देगा। हम आपको बता दें कि ईरान ने सिर्फ कतर ही नहीं, बल्कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन तक को अपने निशाने पर ले लिया है। मिसाइलें और ड्रोन अब पूरे क्षेत्र में घूम रहे हैं। हर हमला यह संकेत दे रहा है कि जंग अब फैल चुकी है और इसे रोकना आसान नहीं होगा।

खाड़ी देशों की स्थिति सबसे ज्यादा नाजुक हो गई है। एक तरफ वह ईरान की कार्रवाई से नाराज हैं, दूसरी तरफ उन्हें डर है कि अगर वह सीधे युद्ध में उतर गए तो

अमेरिका कभी भी पीछे हट सकता है और वह अकेले पड़ जाएंगे। हालांकि सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि जरूरत पड़ी तो वह सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर, कतर ने ईरानी अधिकारियों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। लेकिन इन सबके बीच एक अनकहा डर साफ दिखता है, यानि कोई भी देश पूरी तरह इस आग में कूदने को तैयार नहीं है। सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है। लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है। अगर अमेरिका बिना शर्त इजरायल का साथ देता रहा तो यह संघर्ष पूरी तरह ऊर्जा युद्ध में बदल जाएगा। लेकिन अगर वह दूरी बनाकर किसी समझौते की राह निकालता है, तभी हालात संभल सकते हैं।

बहरहाल, एक चीज साफ दिख रही है कि कूटनीति नाकाम होती जा रही है। बातचीत की जगह अब धमाके सुनाई दे रहे हैं। हर देश अपनी ताकत दिखाने में लगा है, लेकिन कोई भी यह नहीं सोच रहा कि इसका अंत कहां होगा। अगर अब भी दुनिया नहीं संभली तो अगला संकट सिर्फ ऊर्जा का नहीं होगा, बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था को हिला देने वाला होगा। खाड़ी में लगी आग दूर बैठे देशों को भी झुलसा देगी। और तब शायद संभलने का मौका ही नहीं बचेगा।

ईद तक टला टकराव मगर तनातनी बरकरार

भारत ने मंगलवार को अफ़ग़ानिस्तान की राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी आलोचना की। भारत ने इसे 'सैन्य अभियान की आड़ में किया गया नरसंहार' और अफ़ग़ानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला करार दिया। पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान ने बुधवार को ईद-उल-फ़ितर से पहले दुश्मनी में कुछ समय के लिए रोक लगाने का ऐलान किया। इस्लामाबाद और काबुल द्वारा अलग-अलग ऐलान किया गया कि सीज़फ़ायर 18/19 मार्च की आधी रात से 23/24 मार्च की आधी रात तक लागू रहेगा, दोनों पक्षों ने चेतावनी दी है कि किसी भी उल्लंघन पर मिलिट्री ऑपरेशन तुरंत फिर से शुरू हो सकते हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा, कि यह फैसला आने वाले इस्लामिक त्योहार को देखते हुए और अच्छी नीयत से लिया गया है। तरार बोले, 'आने वाले इस्लामिक त्योहार ईद-उल- फ़ितर को देखते हुए, 'भाई इस्लामिक देशों' की गुज़ारिश पर 'ऑपरेशन ग़ज़ब-लिल-हक' के बीच कुछ समय के लिए रोक लगाने का फैसला किया है।'

पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने कहा कि यह रोक 'अच्छी नीयत और इस्लामिक नियमों के हिसाब से' लगाई जा रही है, लेकिन यह साफ किया कि यह समझौता शर्तों पर है। बयान में चेतावनी दी गई, 'पाकिस्तान के अंदर किसी भी क्रॉस-बॉर्डर हमले, ड्रोन हमले या आतंकवादी घटना की स्थिति में, 'ऑपरेशन ग़ज़ब लिल हक' नई तेज़ी के साथ शुरू होगा।' दूसरी तरफ, अफगान तालिबान शासन ने भी 'डिफेंसिव ऑपरेशन (राद-उल ज़ुल्म)' कहे जाने वाले अभियान पर कुछ समय के लिए रोक लगाने की पुष्टि की है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि ईद-उल-फितर के मौके पर हम भी ख़ामोश रहेंगे। मुजाहिद ने कहा, 'इस्लामिक अमीरात ऑफ़ अफ़गानिस्तान की सिक्योरिटी और डिफेंस फोर्स, ईद-उल-फितर के मौके पर 'डिफेंसिव ऑपरेशन्स (रद-उल-ज़ुल्म)' को कुछ समय के लिए सस्पेंड करने की घोषणा करती हैं।' उन्होंने सऊदी अरब, तुर्की और कतर की 'अच्छी नीयत और कंस्ट्रक्टिव कोशिशों' की तारीफ़ की, साथ ही दोहराया कि 'किसी भी खतरे की हालत में, इस्लामिक अमीरात मज़बूती से जवाब देगा।' हालांकि दोनों पक्षों ने इसे सशर्त अस्थाई रोक बताया है, फिर भी जानकार सावधानी से देख रहे हैं, कि क्या इस पहल से बड़े पैमाने पर बातचीत का रास्ता बन सकता है? यह कदम पाकिस्तान के काबुल में नए एयरस्ट्राइक शुरू करने के दो दिन बाद आया, जिसमें करीब 400 से अधिक सिविलियन मारे गए हैं। एक प्राइवेट टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया, और कहा कि काबुल में हालिया हमले का मुख्य टारगेट एक डिपो था, जिसमें अफगान तालिबान का गोला-बारूद, हथियार और ड्रोन थे। डीजी आईएसपीआर ने कहा कि यह ऑपरेशन अफगान तालिबान द्वारा पाकिस्तानी चेक पोस्ट पर किए गए 53 हमलों के जवाब में किया गया था। उन्होंने आम लोगों के मारे जाने की खबरों को प्रोपेगैंडा बताते हुए उसे खारिज कर दिया, यह दावा करते हुए कि तालिबान लड़ाके अक्सर यूनिफॉर्म नहीं पहनते हैं, और इसके बजाय आम लोगों के कपड़े पहनते हैं, और तालिबान सुसाइड हमलों के लिए ड्रग एडिक्ट्स का भी इस्तेमाल करते हैं। पकिस्तान का झूठ एक्सपोज़ करने के वास्ते अफ़ग़ानिस्तान में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल की प्रभारी वेरोनिका बोस्कोविक पोहार ने कज़ाकिस्तान के राजदूत और अन्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काबुल में उस नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया, जिसे मंगलवार की सुबह पाकिस्तान के सैन्य शासन द्वारा निशाना बनाया गया था। डीजी आईएसपीआर ने आरोप लगाया, कि हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ अफगान तालिबान ने जिन ड्रोन का इस्तेमाल किया।

विशेष आलेख /राशिफल

पड़ोसी देशों का भरोसा तोड़ता ईरान

युद्ध के समय देशों के लक्ष्य बदल जाते हैं। उस समय केवल तात्कालिक बातें जैसे-जवाबी हमला, दबाव, सुरक्षा, शक्ति प्रदर्शन और अस्तित्व बचाना दिखाई देती हैं। दीर्घकालिक सोच अल्पकालिक में बदल जाता है। ऐसे में लोग अक्सर भूल जाते हैं कि युद्ध कभी शाश्वत नहीं होते। प्रथम विश्वयुद्ध भी समाप्त हुआ और द्वितीय विश्वयुद्ध भी। हर युद्ध अंततः एक ऐसे मोड़ पर पहुंचता है, जहां असली चुनौती लड़ाई नहीं, बल्कि टूटी हुई चीजों को फिर से जोड़ना और बचे हुए लोगों के साथ दोबारा सामान्य जीवन बिताना होता है। इसी दृष्टि से आज पड़ोसी इस्लामी देशों पर ईरान के लगातार हमले दीर्घकालिक रणनीति के रूप में उसके अपने ही हितों के विरुद्ध हैं। किसी भी सैन्य कार्रवाई के पीछे तात्कालिक कारण हो सकते हैं, लेकिन उसके राजनीतिक और सामाजिक मूल्य कहीं अधिक दूर तक जाते हैं। क्षतिग्रस्त इमारतें फिर बन सकती हैं, बाधित हवाईअड्डे फिर खुल सकते हैं और अर्थव्यवस्था भी समय के साथ संभल सकती है, पर पड़ोसियों के बीच एक बार टूटा विश्वास आसानी से वापस नहीं आता। यह विश्वास हर मिसाइल, ड्रोन हमलों के साथ और कमजोर होता जा रहा है, जो खाड़ी के देशों में नागरिक क्षेत्रों में भय पैदा करता है। यह केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि ईरान और उसके पड़ोसी देशों के भविष्य का भी प्रश्न है। ईरान कोई ऐसा देश नहीं है, जो दुनिया के किसी अलग कोने में बसा हो। करीब सात देशों के साथ उसकी सीमा लगती है। संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन जैसे देशों में लाखों की संख्या में ईरानी लोग पीढ़ियों से बसे हुए हैं। दुबई जैसे शहरों में ईरानी लोगों की व्यापारिक उपस्थिति लंबे समय से आर्थिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। ऐसे में यदि वही देश आज ईरान के हमलों से भय और असुरक्षा महसूस करने लगें, तो यह स्थिति केवल सामरिक नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट भी खड़े करती है। सोचने की बात यह है कि दुबई, मनामा या कुवैत में रहने वाला कोई ईरानी परिवार आज क्या महसूस कर रहा होगा? जिस देश ने उसे काम, सुरक्षा और जीवन का आधार दिया, उसी देश पर उसके मूल देश का नाम हमलों के साथ जुड़ रहा है। रोजमर्रा का जो भरोसा लोगों को साथ रहने देता है, जब उसी में भय घर कर जाए, तो उसका असर बहुत गहरा होता है। किसी भी क्षेत्र को केवल सैन्य ताकत नहीं बांधती। उसे वह भरोसा बांधता है कि पड़ोसी एक-दूसरे के नागरिकों को डर और विनाश का माध्यम नहीं बनाएंगे। जब किसी देश पर हमला होता है, तो उसे आत्मरक्षा का अधिकार होता है। दुनिया इसे समझती है और अंतरराष्ट्रीय कानून भी इस अधिकार को मान्यता देता है, लेकिन आत्मरक्षा का अधिकार असीमित नहीं होता। उसकी वैधता इससे तय होती है कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है? ईरान यह कहकर अपने पड़ोसी देशों के नागरिक ठिकानों और ऊर्जा स्रोतों पर हमले नहीं कर सकता कि इन देशों में अमेरिका के सैन्य ठिकाने हैं। यह अंतर समझना जरूरी है कि अपनी रक्षा करना एक बात है और युद्ध को इस तरह फैलाना कि उसका डर पड़ोस के आम लोग उठाएं, बिल्कुल दूसरी बात है।

जब से अमेरिका-इजरायल एवं ईरान का युद्ध शुरू हुआ है, तब से एक दिन ऐसा नहीं बीता, जब खाड़ी देशों में रहने वाले नागरिकों को भय के साए में न रहना पड़ा हो। न तो इन देशों में रहने वाले लोग ईरान के प्रति कोई द्वेष रखते हैं, न इनमें से कोई देश ईरान पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार है। फिर भी ईरान प्रतिदिन इन देशों को यह कहकर निशाना बना रहा है कि वह इन देशों को नहीं, बल्कि वहां जो अमेरिकी ठिकाने हैं, उन्हें निशाना बना रहा है, लेकिन वह तो नागरिक क्षेत्रों पर हमले कर रहा है। यह न तो दीर्घकालिक नीति हो सकती है और न ही नैतिक रूप से एक टिकाऊ तर्क। पड़ोसी देशों पर हमलों के साथ ईरान ने होर्मुज जलमार्ग बंद करने का जो निर्णय लिया, वह भी उसके अल्पकालिक सोच की तरफ इशारा करता है। यह केवल समुद्री नक्शे पर एक सामरिक बिंदु नहीं है, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था की एक महत्वपूर्ण जीवनरेखा है।

वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यहां गंभीर व्यवधान पैदा होता है, तो उसका असर केवल क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया भर के आम लोगों का जीवन प्रभावित होता है। ईरान के लिए विवेकपूर्ण रास्ता यही होगा कि वह न सिर्फ पड़ोसी खाड़ी देशों के नागरिक ठिकानों और ढांचे के प्रति संयम दिखाए, बल्कि होर्मुज जलमार्ग बंद होने के कारण बढ़ रही समस्याओं और तनाव को भी खत्म करे। आज ईरान को दीर्घकालिक सोच की जरूरत है। युद्ध कभी स्थायी नहीं होता, लेकिन ईरान की भौगोलिक वास्तविकता जरूर स्थायी है। वर्तमान में प्रत्येक देश को व्यापार, सुरक्षा आदि के लिए अपने पड़ोसी देशों की आवश्यकता पड़ती है। यदि वही विश्वास आज क्षीण हो गया, तो कल किसी भी पुनर्निर्माण प्रक्रिया की नींव कमजोर ही रहेगी।

क्या कहते है आपके सितारें....?

मेष — व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायी है। दोपहर के बाद आप मनोरंजन के लिए कहीं बाहर जा सकते हैं। परिवार के साथ अच्छे भोजन का लुत्फ उठा पाएंगे।

सिंह — किसी बात की चिंता से आज शरीर भी शिथिल रहेगा। माता का भी स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। परिजनों के साथ विवाद हो सकता है। धन हानि के भी योग हैं।

धनु — अच्छे खान-पान और अच्छे वस्त्र खरीदने में आपकी रुचि रहेगी। दोपहर के बाद आप कुछ अधिक ही इमोशनल बने रहेंगे। इससे मन की व्यथा और बढ़ सकती है।

वृषभ — व्यापार में भागीदारों के साथ लाभदायी विचार-विमर्श होगा। दांपत्य जीवन आनंदयमय रहेगा। साहित्य-कला के प्रति आज आप में रुचि रहेगी। काम में अपेक्षित सफलता नहीं मिलेगी।

कन्या — अधिकारी के साथ वाद-विवाद को टालें और उनके कहें अनुसार आज काम करें। विरोधियों के साथ चर्चा उग्र हो सकती है। काम में सफलता मिलने में विलंब हो सकता है।

मकर — आध्यात्मिक और ज्योतिष जैसे विषयों में आज आपकी रुचि बनी रहेगी। दोपहर के बाद ताजगी और प्रसन्नता का अभाव रहेगा। घर में कलेश का वातावरण रहेगा।

मिथुन — पानी से संभलकर चलें। यात्रा न करें। संतान के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। क्रोध पर संयम बरतें। दोस्तों के साथ किसी खास चर्चा में व्यस्त रह सकते हैं।

तुला — अनैतिक तथा नेगेटिव काम से आज दूर रहें। प्रभु की भक्ति और ध्यान से मन को शांति मिलेगी। किसी तरह का आर्थिक लाभ आपको हो सकता है। दोपहर के बाद किसी बात की खुशी मिल सकती है।

कुंभ — पेट से सम्बंधित परेशानी से शरीर अस्वस्थ रह सकता है। दोपहर के बाद आर्थिक संकट मिट सकता है। घर का वातावरण आनंदमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क — शारीरिक स्वास्थ्य पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। आज नए काम शुरू ना करें। वाणी में संयम बरतें। खान-पान में ध्यान रखें। व्यवसाय के क्षेत्र में विघ्न आ सकता हैं।

वृश्चिक — आप किसी भी प्रकार से संकट में ना पड़ें। व्यवसाय में आज पार्टनर के साथ वाणी संयमित रखें। आज भाग्य आपका साथ नहीं देगा। काम में सफलता भी शीघ्र नहीं मिलेगी।

मीन — अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे। पदोन्नति होने की भी संभावना है। योजनानुसार काम करने से आर्थिक लाभ भी मिलेगा। आज आप कुछ ज्यादा ही भावुक रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

तुगलकाबाद किले में अतिक्रमण के सर्वे में देरी पर दिल्ली एचसी सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी। ऐतिहासिक तुगलकाबाद किले में अतिक्रमण की पहचान के लिए सर्वे

कराने में हुई देरी पर नाराजगी जताते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार विरासत को सहेजने के महत्व से इनकार नहीं कर सकती है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की की पीठ ने चेतावनी देते हुए कहा जब अदालत अधिकारियों को समन भेजना शुरू करेगी, तब उन्हें इसकी गंभीरता का एहसास होगा। पीठ ने कहा कि सितंबर-2025 से मार्च तक का समय तो सरकार ने सिर्फ सर्वे के लिए एजेंसी तय करने में ही लगा दिया। उक्त टिप्पणियों के साथ पीठ ने सर्वे प्रक्रिया पूरी करने के लिए चार महीने का और समय दिया। अदालत ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को सर्वे कमेटी बनाने में ही छह महीने लग गए। इतना ही नहीं कमेटी अब तक यह भी तय नहीं कर पाई कि सर्वे शुरू हो। पीठ ने कहा कि यह सरकार की नहीं हमारी की विरासत है और हमें इसकी रक्षा करनी है। पीठ ने कहा कि सरकार को मूल निवासियों और दुकान खोलने वालों के बीच फर्क करना होगा। पीठ ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) डायरेक्टर जनरल द्वारा सर्वे टीम के लिए पुलिस सहायता व सुरक्षा की मांग करने पर पुलिस आयुक्त द्वारा इसकी व्यवस्था कराई जाएगी। अदालत ने कहा कि टीम की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी पुलिस कमिश्नर की होगी। साथ ही पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि एएसआइ द्वारा नियुक्त की गई सर्वे एजेंसी इस मामले में व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार और जवाबदेह होगी। सुप्रीम कोर्ट से यह मामला हाई कोर्ट को स्थानांतरित किया गया था और हाई कोर्ट विरासत स्थल से अतिक्रमण हटाने और बेदखल किए गए लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है। पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने स्मारकों को संरक्षित करने और सभी प्रकार के अतिक्रमणों तथा अवैध निर्माणों से मुक्त कराने पर जोर दिया था।

रिहायशी इलाकों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों की भी होगी जांच

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में आग लगने की घटनाओं पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने निर्णायक कदम उठाते हुए

अग्नि सुरक्षा मिशन की शुरुआत की है। प्रदेश के मंत्री आशीष सूद आदेश दिया है कि अब सुरक्षा मानकों में कोई ब्लाइंड स्पाट यानि अनदेखा क्षेत्र नहीं होगा। इस नए अभियान के तहत अब केवल औद्योगिक क्षेत्र ही नहीं, बल्कि आवासीय क्षेत्रों में चल रहे वाणिज्यिक गतिविधियों व प्रतिष्ठानों की भी सघन जांच की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इस मिशन में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करने के लिए तीसरे पक्ष से आडिट कराने का निर्देश दिया है। ये विशेषज्ञ शहर के हर छोटे-बड़े प्रतिष्ठान की मैपिंग करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि वे सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कर रहे हैं या नहीं। मंत्री ने कहा कि हर कर्मचारी और हर परिवार को सुरक्षित महसूस करने का हक है, चाहे वे कहीं भी हों। हम दिल्ली से सुरक्षा की अनदेखी के दौर को खत्म कर रहे हैं।

दिल्ली में दमकल केंद्र के लिए जमीन तो है, पर बजट नहीं

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी में आबादी का दबाव और कंक्रीट का जंगल जिस रफ्तार से बढ़ा है, उस अनुपात में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम आज भी 25 साल पीछे है। सरकारी उदासीनता का आलम यह है कि दिल्ली अग्निशमन सेवा के पास 13 नए दमकल केंद्रों के लिए जमीन उपलब्ध है, करोड़ों का भुगतान हो चुका है और चारदीवारी भी की जा चुकी है, लेकिन बजट की कमी के चलते एक ईंट तक नहीं रखी गई है। उपनगरी द्वारका इस बदइंतजामी का सबसे खौफनाक चेहरा है। यह इलाका बेहद संवेदनशील है क्योंकि इसके पास ही आइजीआइ एयरपोर्ट और इंडियन आयल का डिपो स्थित है। सेक्टर-3 और सेक्टर-20 में दमकल केंद्र के लिए 1999 में जमीन आवंटित हुई थी। 27 साल बीत जाने के बाद भी यहां निर्माण कार्य शून्य है। फिलहाल उपनगरी द्वारका केवल एक दमकल केंद्र के भरोसे है। किसी बड़ी अनहोनी की स्थिति में यहां दूरदराज के स्टेशनों से गाड़ियां बुलानी पड़ती हैं, जिससे कीमती समय बर्बाद होता है। पालम में ऐसा देखने को भी मिला, जब स्काई लिफ्ट के लिए गाड़ी कनाट प्लेस से बुलानी पड़ी।

द्वारका के अलावा आनंद पर्वत, बुढनपुर माजरा, नरेला, गाजीपुर में दमकल केंद्र के लिए जमीन उपलब्ध है। लेकिन इन जगहों पर भी निर्माण शुरू नहीं हुआ। बुढनपुर माजरा में दकमल केंद्र के साथ ट्रेनिंग सेंटर भी बनना है। वसंत कुंज और ओखला जैसे क्षेत्रों में विभाग की बेबसी का आलम यह है कि वहां पक्की इमारत के बजाय पोर्टा केबिन (टीन के अस्थायी ढांचे) से काम चलाया जा रहा है।

लोड, खराब वायरिंग से आग का खतरा; विशेषज्ञों ने बताई सावधानियां

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बढ़ती बिजली खपत, आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल और पुराने घरों की जर्जर वायरिंग बड़े हादसों की वजह बन रही है। हाल के पालम अग्निकांड जैसी घटनाएं इस खतरे की गंभीरता को उजागर करती हैं, जिसमें एक ही परिवार के नौ लोगों की जान चली गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि घरों में अधिक लोड और खराब वायरिंग के कारण शॉर्ट सर्किट की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे आग लगने का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। ऐसे में समय-समय पर घरों की इलेक्ट्रिकल जांच कराना बेहद जरूरी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पुराने मकानों में वायरिंग बदलवाना और उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रिकल उपकरणों का इस्तेमाल करना जरूरी है। लापरवाही बरतने पर गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ सकती हैं और लोगों की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। गर्मियों में एयर कंडीशनर, कूलर, पंखे और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का अधिक इस्तेमाल होने से वायरिंग पर लोड बढ़ जाता है और शॉर्ट सर्किट का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा तापमान की वजह से गैस सिलिंडर, पेट्रोल, केमिकल या दूसरी ज्वलनशील चीजों का दबाव बढ़ जाता है, जिससे लीकेज या धमाके का खतरा बढ़ जाता है। गर्मी के मौसम में तापमान बहुत ज्यादा हो जाता है। इससे कागज, लकड़ी, प्लास्टिक और कपड़े जैसी चीजें जल्दी आग पकड़ लेती हैं। गर्मी में माहौल और चीजें बहुत सूखी हो जाती हैं। सूखी घास, कूड़े, लकड़ी या कपड़ों में एक छोटी सी चिंगारी भी बड़ी आग में बदल सकती है। गर्मी की तेज हवाएं छोटी आग को भी तेजी से फैलाकर बड़े हादसे में बदल सकती हैं। नए मकान में वायरिंग कराते समय अच्छी गुणवत्ता की केबल, सही लोड कैलकुलेशन और ब्रांडेड स्विच-एमसीबी लगवाएं। अच्छी

क्वालिटी की वायरिंग 20-25 साल तक सुरक्षित मानी जाती है, लेकिन नमी, ओवरलोड और खराब इंस्टालेशन से इसकी उम्र कम हो सकती है। यदि मकान 15-20 साल पुराना है और बार-बार स्पार्किंग, फ्यूज उड़ना या स्विच गर्म होना जैसी समस्याएं आती हैं, तो पूरी वायरिंग की जांच कराएं। जरूरत पड़ने पर री-वायरिंग भी कराएं। एसी के लिए अलग लाइन और उचित क्षमता का एमसीबी होना चाहिए। पतली वायरिंग या मल्टी-प्लग से एसी चलाना खतरनाक हो सकता है। गीजर के साथ अर्थिंग और ईएलसीबी (अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर) लगाना जरूरी है। गीजर ऑन होने पर नहाने से बचें और समय-समय पर इसकी जांच कराएं।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अलग चार्जिंग प्वाइंट, सही वायरिंग और ओवरलोड प्रोटेक्शन जरूरी है। सामान्य सॉकेट से चार्जिंग करना जोखिम भरा हो सकता है। बिजली वितरण कंपनी डिस्काम की ओर से दी गई सलाह

समय-समय पर अपने घर की आंतरिक वायरिंग चेक करवाएं क्योंकि खराब आंतरिक वायरिंग सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हो सकती है। यह शॉर्ट सर्किट व आग की घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। घर में एक टेस्टर रखें, ताकि यह पता लग सके कि कहीं आपके घर में करंट तो लीक नहीं हो रहा है। बिजली के झटकों व दुर्घटनाओं से बचने के लिए ईएलसीबी यानी अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर लगवाएं। अपने बिजली के सिस्टम को ओवरलोड न करें। आपका जितना स्वीकृत यानी सैंक्शंड बिजली लोड है, उसी के हिसाब से बिजली उपकरणों का इस्तेमाल करें। यह बताता है कि आप कितनी बिजली की खपत कर रहे हैं। बिजली बिल पर आपका सैंक्शंड लोड भी लिखा होता है। बिजली मीटर को अपने घर व परिसर के बाहर शिफ्ट करवाएं। यह आपकी सुरक्षा के लिए आवश्यक है। अपने बिजली मीटर के आसपास कोई भी इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल सामान न रखें। जिस जगह पर मीटर बॉक्स लगा है, वह साफ हो और वहां कूड़ा-कचरा तथा कोई भी ज्वलनशील पदार्थ न रखा हो। मीटर बॉक्स तक पहुंच आसान होनी चाहिए।

पालम अग्निकांड: क्या डिजिटल ऑटोमैटिक ताले बने 9 जिंदगियों की मौत के जिम्मेदार, कमरों में फंस गए थे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। पालम के राम चौक में हुए भीषण अग्निकांड में सामने आ रहे नए पहलुओं ने हादसे को और भयावह बना दिया है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि घर में लगे अत्याधुनिक बिजली से संचालित डिजिटल ऑटोमैटिक लॉकडिजिडिक, आग के दौरान बिजली कटने के बाद बंद हो गए और कई लोग अपने-अपने कमरों में फंस गए।

वहीं, मोटर रूम से आग की शुरुआत, फायर सेफ्टी उपकरणों का विफल होना और बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता आग की चपेट में होना, इन सभी कारणों ने मिलकर नौ जिंदगियों को निगल लिया। जांच में सामने आया है कि घर के लगभग हर कमरे में ऑटोमेटिक डिजिटल लाक लगाए गए थे, जो बिजली से संचालित होते हैं। आशंका है कि आग लगने के बाद घर के एमसीबी ट्रिप हो गए और साथ ही एहतियातन बिजली विभाग ने भी इलाके की बिजली काट दी। ऐसे में ये लाक बंद हो गए होंगे, जिन्हें बिजली आने तक खोला नहीं जा सकता। इसी कारण कई लोग अपने कमरों में ही फंस गए होंगे। वहीं, जांच के दौरान कमल, उनकी पत्नी आशु और उनकी तीन बेटियां नीहारिका, इवानी और जेसिका के शव उनके कमरे के अंदर मिले। बताया जा रहा है कि उनका कमरा अंदर की ओर था, जिससे उन्हें आग का देर से पता चला और तब तक दरवाजे बंद हो चुके थे। वहीं राजेंद्र कश्यप की पत्नी लाडो, जो एक पैर से दिव्यांग थीं, और उनकी बेटी हिमांशी का शव कमरे के बाथरूम में जली अवस्था में मिला। आशंका है कि दरवाजा नहीं खुलने पर दोनों बचने के लिए बाथरूम में चली गईं, जहां पानी की टंकी भी चालू पाई गई, लेकिन धुएं ने उनकी जान ले ली। परिवार ने सुरक्षा के लिहाज से घर और दुकान में फायर सेफ्टी बाल लगा रखी थीं। यह उपकरण आग लगने पर तीन-पांच सेकंड में फटकर आग बुझाने का काम करता है और लगभग 86-107 वर्ग फुट क्षेत्र में प्रभावी होता है। हालांकि इस हादसे में यह भी बेअसर साबित हुआ। आशंका है कि जहां ये उपकरण लगाए गए थे, वहां तक आग पहुंचने से पहले ही आग तेजी से फैल चुकी थी या इनके सक्रिय होने के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। प्रारंभिक जांच में संभावना जताई गई है कि इमारत के मुख्य द्वार के पास बने मोटर रूम से आग की शुरुआत हुई।

नेतन्याहू बोले- यूएस को युद्ध में हमने नहीं घसीटा, दावा - ईरान की परमाणु-मिसाइल क्षमता लगभग खत्म

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा, इस्राइल और अमेरिका के साझा हवाई हमलों के बाद अब ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन करने या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की ताकत नहीं बची है। नेतन्याहू के अनुसार, इस्राइल यह युद्ध जीत रहा है और ईरान की सैन्य शक्ति लगभग तबाह हो चुकी है। विदेशी मीडिया से बात करते हुए

नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइली सेना उन कारखानों को निशाना बना रही है, जहां मिसाइल और परमाणु हथियारों के पुर्जे बनते थे। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल और ड्रोन भंडार अब खत्म होने की कगार पर है। हालांकि, उन्होंने ईरान की परमाणु क्षमता खत्म होने के दावों के पक्ष में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया।

नेतन्याहू ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने अमेरिका को इस युद्ध में जबरदस्ती घसीटा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने ईरान में जो भी कार्रवाई की, वह उसका अपना स्वतंत्र फैसला था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'क्या किसी को सच में लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को कोई बता सकता है कि उन्हें क्या करना है?' नेतन्याहू के मुताबिक, ट्रंप हमेशा वही फैसला लेते हैं जो अमेरिका के लोगों के लिए अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका की सेनाएं और खुफिया एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, जिससे युद्ध के लक्ष्य तेजी से पूरे हो रहे हैं। अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर चुटकी लेते हुए नेतन्याहू ने कहा, 'सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं जिंदा हूं।

फिर विवादों में जोहरान ममदानी की पत्नी, फलस्तीन के समर्थन में पुराने पोस्ट वायरल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी की पत्नी और शहर की प्रथम महिला रमा दुवाजी जांच के दायरे में आ गई हैं। रमा दुवाजी पर नस्लीय टिप्पणी और फलिस्तीनी उग्रवादी नेताओं के समर्थन में पोस्ट करने के आरोप लगे हैं।

वाशिंगटन फ्री बीकन की रिपोर्ट में 28 वर्षीय रमा दुवाजी की 2013 से 2017 के बीच सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में बताया गया है।

ममदानी की पत्नी पर लगे गंभीर आरोप

वाशिंगटन फ्री बीकन की रिपोर्ट के मुताबिक, रमा दुवाजी ने अपनी किशोरावस्था के अंतिम वर्षों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के अकाउंट से विवादित पोस्ट शेयर किए।

रिपोर्ट के अनुसार, रमा दुवाजी ने 2013 में, सोशल मीडिया पोस्ट में एक नस्लीय गाली का इस्तेमाल किया। उस समय उनकी उम्र करीब 15 साल रही होगी। रिपोर्ट में पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ पैलेस्टाइन से जुड़े लोगों की प्रशंसा करने वाली पोस्ट के बारे में भी बताया गया है। अमेरिका इसे एक आतंकवादी संगठन मानता है।

रमा दुवाजी ने 2013 से 2017 के बीच एक पोस्ट रीशेयर किया था। इस पोस्ट में लिखा था, तेल अवीव को धिक्कार है। उसे तो अस्तित्व में ही नहीं होना चाहिए। वे कब्जा करने वाले हैं। रिपोर्ट में दुवाजी के सोशल मीडिया पर शेयर किए गए कई पोस्ट के बारे में भी जानकारी दी गई है। दुवाजी ने एक और पोस्ट रीशेयर किया था, जिसमें लिखा था, उन्हें दिखाओ कि फलस्तीन में रातोंरात पिंजरों में बंद, जिंदा जलाए गए और भूख से मर गए बच्चों को। रिपोर्ट में अमेरिकी सेना और इजरायल की आलोचना करने वाली पोस्ट का जिक्र भी किया गया है। रमा दुवाजी का एक और पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने अमेरिकी सेना के बारे में लिखा है कि न तो वे बहादुर हैं और न ही किसी की आजादी के लिए लड़ रहे हैं।

आंतों की समस्या बन सकती है कैंसर की वजह

वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

लंदन , एजेंसी। दुनियाभर में कैंसर के बढ़ते मामलों के बीच वैज्ञानिकों ने एक अहम खोज की है, जो आंत में रहने वाले बैक्टीरिया और कोलन कैंसर के बीच संबंध को और स्पष्ट करती है। अमेरिका के शोधकर्ताओं द्वारा की गई यह स्टडी प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित हुई है। इस शोध में पहली बार विस्तार से बताया गया है कि आंत में मौजूद कुछ बैक्टीरिया हमारे डीएनए को किस तरह नुकसान पहुंचाकर कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं।

हमारी आंत में कई तरह के बैक्टीरिया रहते हैं, जिन्हें मिलाकर गट माइक्रोबायोम कहा जाता है। इनमें से कुछ बैक्टीरिया हमारे पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन कुछ खास प्रकार के बैक्टीरिया एक जहरीला पदार्थ (टॉक्सिन) बनाते हैं, जिसे कोलिबैक्टिन कहा जाता है।

सामान्य स्थिति में ये बैक्टीरिया नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन कुछ परिस्थितियों में यही टॉक्सिन शरीर के लिए खतरनाक बन सकता है। वैज्ञानिकों को पहले से अंदाजा था कि कोलिबैक्टिन डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है और इसका संबंध कोलोरेक्टल कैंसर से हो सकता है, लेकिन इसे विस्तार से समझना मुश्किल था क्योंकि यह टॉक्सिन बहुत

जल्दी टूट जाता है।

इस नए शोध में वैज्ञानिकों ने आधुनिक तकनीकों जैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्री और न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस का इस्तेमाल किया। इन तकनीकों की मदद से उन्होंने कोलिबैक्टिन के काम करने के तरीके को गहराई से समझा। रिसर्च में सामने आया कि यह टॉक्सिन डीएनए को किसी भी जगह नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि खास हिस्सों को निशाना बनाता है। यह डीएनए के उन भागों पर असर करता है, जहां एडेनिन और थाइमिन की मात्रा अधिक होती है।

कोलिबैक्टिन डीएनए की दोनों स्ट्रैंड्स को आपस में जोड़ देता है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में इंटरस्ट्रैंड क्रॉस-लिंक कहा जाता है। इससे डीएनए सही तरीके से कॉपी (रिप्लिकेट) या खुद की मरम्मत (रिपेयर) नहीं कर पाता। यही गड़बड़ी आगे चलकर कैंसर का कारण बन सकती है।

शोध में यह भी पाया गया कि यह टॉक्सिन डीएनए के एक खास हिस्से, जिसे माइनर ग्रूव कहा जाता है, में जाकर चिपकता है। इसकी बनावट ऐसी होती है कि यह बिल्कुल सही जगह पर फिट हो जाता है ठीक लॉक और की (ताला-चाबी) की तरह। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिली कि कोलोरेक्टल कैंसर के कई मरीजों में एक जैसे डीएनए बदलाव क्यों देखने को मिलते हैं। यह जानकारी भविष्य में कैंसर की बेहतर पहचान और इलाज के लिए बहुत उपयोगी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस खोज के आधार पर आने वाले समय में: ऐसे टेस्ट विकसित किए जा सकते हैं, जो आंत में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया की पहचान कर सकें नई दवाएं बनाई जा सकती हैं, जो कोलिबैक्टिन बनने से रोकें।

अफगानिस्तान पर हमला कर इस्लामी दुनिया के निशाने पर आया पाकिस्तान, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने की निंदा

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान पर हवाई हमला कर 400 लोगों की जान लेने के चलते पाकिस्तान इस्लामी दुनिया के भी निशाने पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम विद्वान संघ ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने यह जानकारी दी है। मुस्लिम विद्वानों ने पाकिस्तानी हमले को इस्लामी सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून, दोनों का उल्लंघन बताया। टोलो न्यूज के अनुसार, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए पाकिस्तान और उसके सैन्य नेतृत्व से इस तरह की कार्रवाईयों को तुरंत रोकने की अपील की और साथ ही रिहैब अस्पताल पर हवाई हमले की जांच कराने की भी मांग की। मुस्लिम धर्मगुरुओं के संघ ने जांच के लिए पारदर्शी, स्वतंत्र आयोग का गठन करने की अपील भी की। इससे पहले पाकिस्तान ने ईद-उल-फितर के चलते मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर अफगान तालिबान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी तौर पर रोकने का फैसला किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बुधवार को यह जानकारी दी। तरार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'आगामी इस्लामी त्योहार ईद-उल-फितर के मद्देनजर, अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब साम्राज्य, कतर और तुर्किये जैसे मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी विराम देने का फैसला किया है।' अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बीते दिनों एक अस्पताल पर हुए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम 400 लोग मारे गए और करीब 250 घायल हो गए।

दिल्ली-एनसीआर में ठंडी हवाओं के साथ बूंदाबांदी, 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के शहरों में लगातार तीन दिन से हल्की बारिश का दौर जारी है। आज शुक्रवार को भी तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी से सुबह की शुरुआत हुई। ठंडी हवाओं के साथ बारिश की फुहारों से मौसम भी ठंडा हो गया। गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी दिल्ली में तेज हवाओं के साथ वर्षा का दौर जारी रहा। इससे दिन का तापमान तेजी से गिरा एवं मार्च का महीना बीते तीन वर्षों में सबसे अधिक वर्षा वाला बन गया, जिसमें औसतन 9.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गुरुवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री कम 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस महीने का अब तक का सबसे कम तापमान है। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक 17.6 डिग्री दर्ज किया गया। वर्षा रात साढ़े आठ बजे तक 0.8 मिमी रिकॉर्ड हुई। लगातार बादल छाए रहने और रुक-रुक कर हुई वर्षा ने कई दिनों से तल्ख गर्मी से जूझ रहे शहर को राहत दी। दिल्ली के बेस स्टेशन सफदरजंग में गुरुवार 19 मार्च तक औसतन 9.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य मासिक औसत 12.6 मिमी है। पिछली बार मार्च में इससे अधिक वर्षा 2023 में दर्ज की गई थी, जब मासिक कुल वर्षा 50.4 मिमी थी ।

प्रदूषण की रोकथाम के लिए पर्यावरण विदों को बजट में चाहिए ठोस प्रावधान

नई दिल्ली, एजेंसी। बेहतर पर्यावरण की दिशा में इस बार दिल्ली सरकार द्वारा ग्रीन बजट पेश किए जाने की चर्चा है। ऐसे में 24 मार्च को पेश होने वाले इस बजट से पर्यावरण विशेषज्ञों को भी काफी अपेक्षाएं हैं। वहीं, उनका कहना है कि ग्रीन बजट केवल कागजी दस्तावेज नहीं होना चाहिए बल्कि उसमें राजधानी की पर्यावरणीय स्थिति में सुधार के लिए कुछ ठोस प्रविधान भी किए जाएं। बजट का आवंटन हो, लेकिन उन्हें खर्च वहां किया जाए, जहां उसके परिणाम निकल सकें। स्थानीय स्तर पर प्रदूषण दूर करने की रणनीति भी बजट में शामिल की जाए।

दिल्ली के पिछले बजटों में संसाधनों को जुटाने पर ध्यान था, लेकिन इस बार बजट में अनुपालन, प्रभाव आकलन एवं जन-भागीदारी लाने पर जोर दिया जाना चाहिए। इस बार के बजट में क्लीन मोबिलिटी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने, दोपहिया और व्यावसायिक वाहनों के लिए ईवी को प्रोत्साहित करने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में व्यस्ततम घंटों के दौरान निजी वाहनों का उपयोग घटाने की जरूरत पर फोकस करना चाहिए। सड़कों के किनारों को पूरी तरह से पक्का बनाने, पुराने लैंडफिल साइटों का शत-प्रतिशत ट्रीटमेंट करने जैसे कदम भी उठाए जाने चाहिए। इस बजट में क्षेत्रीय सहयोग की भी झलक दिखाई देनी चाहिए। दिल्ली के बजट में गतिशीलता और व्यापक सुधारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें ई-बसों के एक मजबूत बेड़े की खरीद के साथ-साथ मध्यम और भारी माल वाहनों के आक्रामक विद्युतीकरण के लिए ठोस वित्तीय प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। इसके अलावा, अब समय आ गया है कि हम केवल प्रदूषण के प्रबंधन से हटकर प्रदूषण के स्रोतों के प्रबंधन पर भी ध्यान दें। इसके लिए डेटा सिस्टम पर खर्च बढ़ाने की आवश्यकता है। बजट में एक व्यापक रणनीति झलकनी चाहिए जो पूरे एनसीआर में उत्सर्जन भार में पूर्ण कटौती का लक्ष्य रखे। - सुनील दहिया, संस्थापक एवं मुख्य विश्लेषक, एन्वायरोकैटेलिस्ट

प्रदूषण सभी के लिए स्वास्थ्य संबंधी चिंता का विषय है। अस्पताल के खर्च न केवल आर्थिक संसाधनों की हानि हैं, बल्कि कार्यबल की हानि के साथ-साथ परिजनों के लिए तनाव और चिंता का कारण भी बनते हैं। जीवन रक्षक सेवाओं के नियंत्रण और रोकथाम में निवेश करने से न केवल आम जनता का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि समाज को भी राहत मिलती है। इसलिए दिल्ली के बजट में ऐसे प्रस्ताव, रणनीति व धन आवंटन का समावेश हो, जो वर्तमान व भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य के लिए एक निवेश का काम करे। दिल्ली को कूड़े के पहाड़ से मुक्ति दिलाना, यमुना की सफाई और स्थानीय प्रदूषण की जड़ पर प्रहार को लेकर बजट में लक्ष्यबद्ध तथा ठोस प्रविधान किए जाने चाहिए।

कल का सम्राट
खेल जगत
अजमेर, रविवार, 22 मार्च 2026 6

सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स आईपीएल 2026 से बाहर

- पैर की चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे; 28 मार्च को पहला मैच

हैदराबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक और बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। 25 साल के एडवर्ड्स को हैदराबाद ने पिछले ऑक्शन में 3 करोड़ रुपए में खरीदा था। इस सीजन में एडवर्ड्स अपना आईपीएल डेब्यू करने वाले थे, लेकिन अब उन्हें इसके लिए अगले साल तक इंतजार करना होगा। वे 2025 के ऑक्शन में खरीदे गए इकलौते अनकैप्ड (जिन्होंने इंटरनेशनल मैच न खेला हो) विदेशी खिलाड़ी थे। हालांकि, ऑक्शन के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर लिया था।

बीबीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद मिली थी जगह- जैक एडवर्ड्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के सीजन में सिडनी सिक्सर्स के लिए जबरदस्त खेल दिखाया था। उन्होंने 13 मैचों में 19 विकेट झटके और 133 रन बनाए थे। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें आईपीएल ऑक्शन में मोटी रकम मिली थी। बीबीएल फाइनल के चार दिन बाद ही उन्होंने पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ अपना टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। हालांकि, वह मैच उनके लिए खास नहीं रहा और उन्होंने 2 ओवर में 25 रन दिए और बल्ले से सिर्फ 5 रन बना सके थे।

एशियाई कप से बाहर होने के बाद ईरानी टीम का तेहरान पहुंचने पर भव्य स्वागत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम का यहां लौटने के बाद भव्य स्वागत किया गया जबकि कई खिलाड़ियों ने आस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी। मिडफील्डर फातिमा शबान ने कहा, सबसे पहले तो मैं ईरान आकर बहुत खुश हूं क्योंकि यह हमारा देश है। दर्शकों ने झंडे लहराए और कुछ खिलाड़ियों के हाथ में गुलदस्ते भी थे। शबान ने अनुवादित बयान में कहा, मैने सोचा नहीं था कि इतने लोग हमारा स्वागत करने आएंगे। मुझे ईरान की बेटी होने की खुशी है। ईरान की दो महिला खिलाड़ी फातिमा पसंदिदेह और आतिफा रमेजानिसादेह आस्ट्रेलिया में ही रूक गई हैं और ब्रिसबेन रोर क्लब के साथ अभ्यास कर रही हैं। ईरान के महिला एशियाई कप से बाहर होने के बाद कुछ ने ऑस्ट्रेलिया में शरण मांगी थी। लेकिन बाद में इरादा बदलते हुए कहा कि वे ईरान लौटना चाहते हैं। ईरान की टीम युद्ध शुरू होने से पहले 28 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट खेलने पहुंची थी।

आईपीएल से चुनी जाएगी वन-डे वर्ल्ड कप 2027 की टीम

20 इंडियन प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट, सिलेक्टर्स उनकी परफार्मेंस और फिटनेस पर नजर रखेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। 28 मार्च से शुरू हो रहा आईपीएल भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी।

मीडिया सूत्र और बीसीसीआई सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस आईपीएल के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

इतना ही नहीं, पंजाब मुल्लांपुर में 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया अपनी फुल-स्ट्रेंथ के साथ उतरेगा। सारे सीनियर खिलाड़ी इसमें खेलेंगे।

स्टेडियम जाकर मैच देखेंगे सिलेक्टर्स

बीसीसीआई ने सिलेक्टर्स को मैच देखने की जिम्मेदारी बांट दी गई है। हर चयनकर्ता हफ्ते में कम से कम एक आईपीएल मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, ताकि हर सप्ताह शॉर्टलिस्ट प्लेयर्स की पांच मैचों की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार हो सके। इसके अलावा बाकी मैचों को टीवी के जरिए ट्रैक किया जाएगा। इस बार चयनकर्ता नए उभरते खिलाड़ियों के बजाय पहले से तय वनडे कोर ग्रुप के प्लेयर्स पर ही ध्यान देंगे।

रिलेक्टर्स के जोन बांटे, अगरकर मुंबई में रहेंगे- चयनकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे, जबकि एसएस दास कोलकाता से मैच देखेंगे। वहीं आरपी सिंह और अजय रात्रा एनसीआर क्षेत्र में मौजूद रहेंगे, जबकि प्रज्ञान ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में मुकाबलों पर नजर रखेंगे।

अफगान टीम के खिलाफ टेस्ट में सीनियर टीम उतारेगा भारत

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारत अपनी फुल-स्ट्रेंथ टीम उतारेगा। हालांकि इस मैच में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक नहीं मिलेंगे, फिर भी टीम मैनेजमेंट इसे हल्के में नहीं ले रहा है। अगस्त से मार्च के बीच भारत को 9 टेस्ट खेलने हैं, ऐसे में सभी रेड-बॉल खिलाड़ी इस मुकाबले में उपलब्ध रहेंगे। यह भी तय माना जा रहा है कि बुमराह और सिराज, अगर आईपीएल के दौरान फिट रहते हैं, तो अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

आईपीएल में पहली बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय

कमिंस बाहर तो ईशान ने कमान संभाली, 6 कैप्टन पहली ट्रॉफी जीतने की दौड़ में

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस के शुरुआती मैचों से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है। इसके साथ ही टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में सभी टीमों की कमान भारतीय खिलाड़ियों के हाथ में होगी। पिछले सीजन में भी हैदराबाद के पैट कमिंस को छोड़कर बाकी सभी टीमों के कप्तान भारतीय ही थे।

धोनी और रोहित सबसे सफल कप्तान

आईपीएल इतिहास में सबसे सफल कप्तानों की बात करें तो महेंद्र सिंह धोनी (सीएसके) और रोहित शर्मा (मुंबई) शीर्ष पर हैं। दोनों ने अपनी-अपनी टीमों को 5-5 बार चैंपियन बनाया है। धोनी के नाम सबसे ज्यादा मैच (229) और जीत (134) दर्ज हैं, जबकि रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच खिताब दिलाए हैं।

ईशान किशन पहली बार किसी आईपीएल की कप्तानी करेंगे

ईशान किशन पहली बार आईपीएल में कप्तानी करते नजर आएंगे। मौजूदा 10 कप्तानों में 6 ऐसे हैं, जो अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, रियान पराग, शुभमन गिल, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन और ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं, बाकी 4 कप्तान पहले ही खिताब जीत चुके हैं। श्रेयस अय्यर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया था, रजत पाटीदार ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को खिताब दिलाया, जबकि हार्दिक पांड्या ने 2022 में गुजरात टाइटंस को ट्रॉफी जिताई थी।

श्रेयस अय्यर इकौलते कप्तान जो तीन फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के इकलौते कप्तान हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया है। उन्होंने 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम को मुंबई इंडियंस से हार मिली थी।

भारत 2028 में वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

- एशिया का चौथा देश बनेगा, भुवनेश्वर में होगा आयोजन, अब तक मेडल नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत को 2028 वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। भुवनेश्वर इस टूर्नामेंट की होस्ट सिटी होगा। यह पहली बार होगा जब यह आयोजन भारत में किया जाएगा। भारत की मेजबानी वाली बोली को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने पोलैंड के टोरून में हुई बैठक में मंजूरी दी। इससे पहले जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था। जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था।

भारत को पहली बार मेजबानी मिली

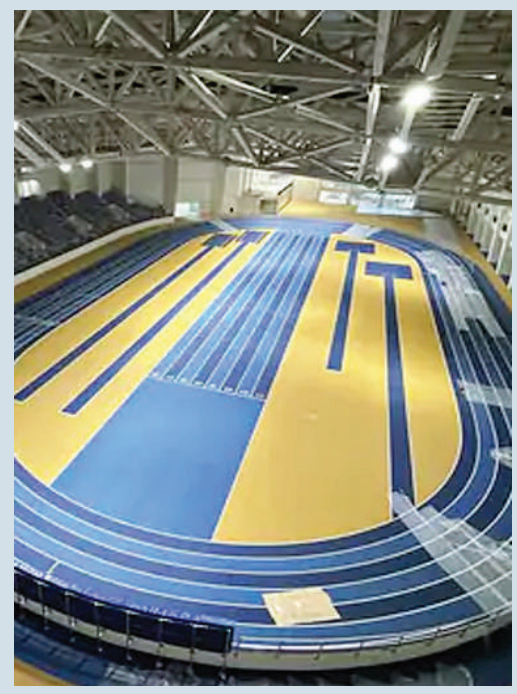

भारत इस चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला एशिया का चौथा देश बनेगा। इससे पहले जापान, कतर और चीन इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट हर दो साल में आयोजित होता है और इसकी शुरुआत 1985 में पेरिस से हुई थी। 2028 में होने वाला यह इसका 22वां संस्करण होगा।

2026 का एडीशन पोलैंड में होगा

2026 संस्करण टोरून (पोलैंड) में शुरू होने जा रहा है, लेकिन इसमें कोई भारतीय खिलाड़ी हिस्सा नहीं लेगा। भारत अब तक इस प्रतियोगिता में एक भी पदक नहीं जीत पाया है, जबकि अमेरिका 270 पदकों के साथ सबसे सफल देश है।

2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा

भारत को 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भी करेगा। 26 नवंबर 2025 को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को होस्ट सिटी घोषित किया गया। भारत 15 साल के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में इन गेम्स का आयोजन किया गया था। तब भारतीय खिलाड़ियों ने 38 गोल्ड समेत 101 मेडल जीते थे।

फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी, राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार 4' का किया ऐलान

पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' के तीन पार्ट आ चुके हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार नजर आ चुके हैं। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' की अगली फिल्म 'सरकार 4' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं। इसकी शूटिंग मैं अगले महीने से शुरू करने वाला हूं।' उन्होंने अपने एक और प्रोजेक्ट 'द सिंडिकेट' के बारे में भी बात की। इस पर मजाक करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी। राम गोपाल वर्मा ने यह जानकारी रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान दी।

'सरकार' फ्रेंचाइजी के बारे में

'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। हालांकि फिल्म की कास्ट और कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

गलत सलाह के कारण गंवाया इम्तियाज अली का प्रोजेक्ट

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम करना जितना ग्लैमरस दिखता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होता है। कई बार कलाकारों को लोगों की सलाह पर भरोसा करना महंगा पड़ जाता है। ऐसा ही एक अनुभव अभिनेत्री डोनल बिष्ट ने साझा किया, जिन्होंने बताया कि कैसे गलत मार्गदर्शन की वजह से वह मशहूर निर्देशक इम्तियाज अली के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बन सकीं। डोनल बिष्ट ने बताया कि उन्हें इम्तियाज अली के एक प्रोजेक्ट के लिए फाइनल शॉर्टलिस्ट किया गया था। वह इस प्रोजेक्ट के आखिरी राउंड तक पहुंच चुकी थीं और निर्देशक और उनकी टीम के साथ उनकी मीटिंग भी हो चुकी थी। यह उनके करियर का एक बड़ा मौका था, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित थीं और उन्हें पूरा भरोसा था कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस मीटिंग के बारे में पता चला, उन्होंने यह खुशखबरी अपने करीबियों के साथ साझा की। इस मौके को लेकर वह बेहद खुश थीं और उन्होंने इसे अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मान लिया था। लेकिन यहीं से उनके लिए मुश्किलें शुरू हो गईं, क्योंकि उनके आसपास के लोगों ने उन्हें अलग-अलग तरह की सलाह देना शुरू कर दिया।

डोनल ने कहा, ''लोगों ने बताया कि मीटिंग में कैसे बात करनी चाहिए, किन बातों को कहना है और किन चीजों से बचना है। मुझे यह भी भरोसा दिलाया गया कि अगर मैं इन सलाहों का मानती हूं, तो यह प्रोजेक्ट निश्चित रूप से मिल जाएगा। शुरुआत में मुझे लगा कि यह सब मेरे भले के लिए कहा जा रहा है, लेकिन बाद में यही सलाह मेरे लिए नुकसानदायक साबित हुई।''

उन्होंने बताया, ''जब मैं मीटिंग में पहुंचीं, तो इन सभी बातों का असर मेरे व्यवहार में साफ नजर आया। मैं आत्मविश्वास के साथ अपनी बात नहीं रख पाई और कई जगह हिचकिचाती हुई दिखी। मेरे जवाबों में स्पष्टता की कमी थी, जिससे निर्देशक इम्तियाज अली और उनकी टीम को लगा कि मैं खुद ही अपने विचारों को लेकर असमंजस में हूं।''

डोनल ने कहा, ''स्थिति इतनी उलझ गई कि टीम को मेरी हालत को लेकर चिंता होने लगी। बाद में मुझे कास्टिंग टीम और इंडस्ट्री के कुछ लोगों का फोन आया, जिन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं ठीक हूं, क्या मैं किसी मानसिक तनाव में हूं या कोई मुझे गलत दिशा में गाइड कर रहा है। यह मेरे लिए काफी चौंकाने वाला था, क्योंकि मैंने खुद ऐसा कुछ महसूस नहीं किया था।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे लोग आपके आसपास रहते हैं, आपका फायदा उठाते हैं और जब उनका काम पूरा हो जाता है, तो आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं। यह अनुभव मेरे लिए एक जरूरी सबक साबित हुआ। इस घटना ने मुझे सिखाया कि करियर और जिंदगी से जुड़े फैसले खुद ही लेने चाहिए। खासकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में, जहां हर निर्णय बहुत महत्वपूर्ण होता है, वहां अपने दिल और दिमाग पर भरोसा करना जरूरी है।''

शिल्पा शिरोडकर ने नए प्रोजेक्ट्स को लेकर की खुलकर बात

शिल्पा शिरोडकर ने 'बिग बॉस 18' में शानदार खेल दिखाया। इसके बाद उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ फिल्म 'जटाधारा' में काम किया। शिल्पा ने अपनी आने वाली फिल्म और सीरीज को लेकर बातचीत की और साथ ही कहा कि वह और काम करना चाहती हैं।

शिल्पा को चाहिए काम

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड के साथ एक इंटरव्यू में शिल्पा ने अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे काम चाहिए।' उन्होंने बताया कि वो एक वेब सीरीज कर रही हैं औक एक फिल्म भी कर रही हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होगी। उन्होंने बताया कि वह साल के आखिर तक व्यस्त रहेंगी। लेकिन उन्हें और काम चाहिए।

लोगों से मांगती हैं काम

शिल्पा ने ये भी बताया कि वो लोगों से मिलती हैं या उनका नंबर होता है तो बिना झिझक के काम मांगती हैं। वो उन लोगों से कहती हैं, 'भाई, मुझे काम चाहिए, कोई अच्छा प्रोजेक्ट हो तो दे दो।' उन्हें लगता है कि काम मांगने में कोई बुराई नहीं है।

सोशल मीडिया रहती हैं एक्टिव

शिल्पा इंस्टाग्राम पोस्ट करके अपने सभी फैंस को खुश कर देती हैं। हाल ही में उन्होंने 'बिग बॉस 18' के अपने अच्छे दोस्त चुम और करण वीर मेहरा के साथ एक फोटो शेयर की। तीनों पारंपरिक कपड़ों में दिखे और कैप्शन था, 'मेरे सभी चमवीर के लिए'। फैंस अब उनकी नई फिल्मों और वेब सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या है शिल्पा का महेश बाबू से रिश्ता

शिल्पा शिरोडकर, 90 के दशक की प्रसिद्ध अभिनेत्री है। शिल्पा तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर की बहन हैं। शिल्पा की छोटी बहन नम्रता शिरोडकर की शादी महेश बाबू से हुई है, जिससे वे दोनों करीबी रिश्तेदार बन गए।

'छेलेधोरा' में स्वास्तिका मुखर्जी का दमदार किरदार, मुश्किल हालातों में ताकत खोजने की कहानी

अरुणाचल प्रदेश सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि वहां के प्रतिभाशाली कलाकारों और तकनीशियनों के लिए भी जाना जाता है। फिल्म की टीम में 14 सदस्य इसी क्षेत्र से हैं।

भारतीय सिनेमा में महिलाओं के जटिल किरदारों को लेकर दिखाई गई फिल्मों में अब दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ी है। इसी कड़ी में एक नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा चर्चा में है, जो मां-बेटी के रिश्ते, अपराधबोध, और आत्म-खोज जैसी भावनाओं पर केंद्रित है।

भारतीय सिनेमा में महिलाओं के जटिल किरदारों को लेकर दिखाई गई फिल्मों में अब दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ी है। इसी कड़ी में एक नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा चर्चा में है, जो मां-बेटी के रिश्ते, अपराधबोध, और आत्म-खोज जैसी भावनाओं पर केंद्रित है। यह फिल्म एक इंडो-अमेरिकन प्रोडक्शन है और 1 मार्च से इसकी शूटिंग शुरू होने जा रही है। इस फिल्म में जानी-मानी अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने किरदार के बारे में बताया। फिल्म में स्वास्तिका बृष्टि नाम की एक तलाकशुदा महिला का किरदार निभा रही हैं, जो भावनात्मक रूप से काफी जटिल है और उसमें कई कमियां हैं। स्वास्तिका ने फिल्म को लेकर कहा, यह कहानी उन पलों की है, जब इंसान खुद को सबसे कमजोर महसूस करता है, लेकिन उसी समय उसके अंदर से असली ताकत निकलती है। बृष्टि ऐसा किरदार है, जिसे पहली नजर में लोग शायद पसंद न करें, क्योंकि वह जल्दबाजी में फैसले लेती है और कई बार गलतियां करती है। लेकिन, अपनी बेटी के लिए उसका प्यार सच्चा और बेहद गहरा है।

कहानी में बृष्टि अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए उसे बिना इजाजत अपने साथ ले जाती है। वह ऐसा कदम इमोशनल होकर उठाती है, लेकिन हालात अचानक गंभीर हो जाते हैं, जब बच्ची सच में किडनैप हो जाती है। इसके बाद, कहानी एक अलग मोड़ लेती है। बृष्टि को अपनी गलती सुधारने और बेटी को वापस लाने के लिए असामान्य रास्ता अपनाना पड़ता है।

स्वास्तिका ने बताया, कहानी में उनका यह सफर सिर्फ एक मां की तलाश नहीं है, बल्कि एक महिला की आत्म-खोज की यात्रा भी है। फिल्म इस बात को भी दिखाती है कि कई बार माता-पिता खुद अपनी कमियों को नहीं समझ पाते, लेकिन मुश्किल हालात उन्हें आईना दिखा देते हैं।फिल्म का निर्देशन शिलादित्य मौलिक कर रहे हैं। उनका कहना है, छेलेधोरा माता-पिता की कहानी है। फिल्म एक रोड जर्नी की तरह आगे बढ़ती है, जिसमें कई उतार-चढ़ाव और भावनात्मक मोड़ आते हैं। लेकिन, इसके केंद्र में हीलिंग, माफी और दूसरा मौका है। मेरा मानना है कि बच्चे कई बार बड़ों के लिए नैतिक दिशा दिखाने वाले बन जाते हैं और यह फिल्म उसी भावना को सामने लाती है।फिल्म की शूटिंग अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत शहरों ईटानगर और जीरो वैली में की जाएगी। शिलादित्य मौलिक ने कहा

मनीष मल्होत्रा का 'बोले चूड़िया' से प्रेरित नया आउटफिट, न्यासा देवगन को बनाया अपनी मॉडल

मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अपनी बेहतरीन कारीगरी और टाइमलेस डिजाइन को लेकर जाने जाते हैं। उनके बनाए कपड़े काफी समय तक लोगों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। हाल ही में मनीष ने एक नया आउटफिट तैयार किया है। मनीष का कहना है कि यह आउटफिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के मशहूर गाने बोले चूड़ियां में करीना की ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस आज भी पॉपुलर है। मनीष ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के तौर पर अजय देवगन और काजोल की लाडली न्यासा देवगन को रखा। उन्होंने यह ड्रेस न्यासा पर ट्राई की, जिसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। मनीष ने लिखा, ÷साल 2001 में आई फिल्म कभी खुशी कभी गम% का गाना बोले चूड़ियां भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा शुरू करने वाला माना जाता है। इस गाने में पूरा परिवार सज-धजकर डांस करता है। करण जौहर की इस फिल्म में करीना के कपड़े 25 साल बाद भी पॉप कल्चर का हिस्सा हैं और लोग उन्हें याद करते हैं।÷मनीष ने आगे बताया कि कई सालों से उनके यहां बोले चूड़ियां से प्रेरित आउटफिट बनते रहे हैं। इन ड्रेस को मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के ग्राहकों ने पहना है। अब 2025-26 के नए वर्जन में न्यासा देवगन इस लुक में बेहद आकर्षक दिख रही हैं।मनीष ने करियर को लेकर बताया, ÷मैंने साल 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों में कई नए स्टाइल शुरू किए, जो बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बन गए। अलग-अलग पीढ़ियों में इन डिजाइनों के नए रूप देखने को मिले हैं। इसी वजह से ये कॉस्ट्यूम हमेशा यादगार और टाइमलेस बने रहते हैं।बता दें कि साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म %कभी खुशी कभी गम% में करीना का स्टाइलिश और ग्लैमरस किरदार काफी आइकॉनिक था, जो आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। उनके किरदार के डांस, डायलॉग, बोल्ड और फैशन-फॉरवर्ड आउटफिट्स से आज की जेनजी भी रिलेट करती हैं।

'एक्यूज्ड' पर कोंकणा शर्मा बोलीं, अनकही कहानियों को सामने लाना जरूरी

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म 'एक्यूज्ड' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन के दौरान उन्होंने बताया कि अनकही और कम सुनी जाने वाली कहानियों को सामने लाना जरूरी है। 'एक्यूज्ड' कार्यस्थल पर महिलाओं की पावर डायनामिक्स, यौन उत्पीड़न के आरोपों और मानवीय रिश्तों की जटिलताओं को गहराई से उजागर करती है। कोंकणा का मानना है कि ऐसी कहानियां बताना इसलिए जरूरी है क्योंकि समाज को हर पहलू देखना चाहिए। यह फिल्म न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि दर्शकों के सोचने के तरीके को चुनौती भी देती है। यह फिल्म 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। 'एक्यूज्ड' एक ऐसी महिला की कहानी है, जिस पर कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगता है। कोंकणा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह स्क्रिप्ट आम धारणा को पूरी तरह पलट देती है। उन्होंने बताया, ÷हम ज्यादातर समय महिलाओं को पीड़ित या सर्वाइवर के रूप में देखते हैं, आरोपी के रूप में बहुत कम। आंकड़ों के अनुसार अपराध ज्यादातर पुरुष करते हैं, यह सच है लेकिन महिलाएं भी ऐसा कर सकती हैं और ऐसा होता भी है।÷कोंकणा ने आगे कहा कि इस फिल्म का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यह उन अनकही कहानियों पर प्रकाश डालती है, जिन्हें हम आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं। फिल्म में कार्यस्थल पर महिलाओं के बीच पावर डायनामिक्स, दो महिलाओं के रिश्ते में सत्ता का खेल और उम्र का बड़ा अंतर दिखाया गया है। यह एक ऐसी कहानी है जो सिक्के के दूसरे पहलू को दिखाती है। यहां आरोपी महिला है और पीड़ित भी महिला। दोनों के बीच उम्र का फर्क, नौकरी का स्वरूप और रिश्ते की जटिलता ये सब चीजें हैं, जो दर्शकों के सामने हमारे पूर्वाग्रहों को लाती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि जब कोई महिला पर शोषण का आरोप लगता है, तो समाज में उस पर विश्वास करना मुश्किल हो जाता है। खासकर जब आरोपी की स्थिति मजबूत हो और रिश्ते में असमानता हो। कोंकणा ने कहा, ÷यह फिल्म दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है कि हमारा व्यवहार कैसे काम करता है। यह कोई ब्लैक या व्हाइट नहीं, बल्कि ग्रे सेक्टर की कहानी है। कोई किरदार पूरी तरह पसंद करने लायक नहीं है और यही इसे वास्तविक बनाता है।÷

तापसी पन्नू ने फिल्म देखने के लिए फैंस से की गुजारिश बजट से कोसो दूर अस्सी

कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो समाज की कुरीतियों पर तीखा प्रहार करती हैं लेकिन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में चारों खाने चित्त हो जाती हैं। तापसी पन्नू की फिल्म अस्सी का भी यही हाल है, जिसका अपना बजट निकाल पाना भी मुश्किल हो रहा है, हालांकि इसी बीच फिल्म समाज के जिस संवेदनशील मुद्दे को दिखाती है, वो दर्शकों के मन पर छाप छोड़ रहा है। अभिनेत्री तापसी पन्नू ने सिनेमा को थप्पड़ और पिंक जैसी फिल्में दी हैं। ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी रही हैं। फिल्मों ने न सिर्फ अच्छा कलेक्शन किया, बल्कि समाज को संदेश देने में भी कामयाब रही। अब अस्सी द्वारा अच्छा कलेक्शन न करने और अपने करियर की बेहतरीन फिल्मों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की है। उनका कहना है कि कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनकी कहानियां एक मैसेज लेकर आती हैं। कुछ के किरदारों की तारीफ की जाती है और कुछ के लिए थैंक्यू नोट आते हैं कि इस फिल्म को करने के लिए धन्यवाद। तापसी का कहना है कि 6 साल पहले भी थप्पड़ नाम की फिल्म की थी और अब उसी निर्देशक के साथ दूसरी फिल्म अस्सी की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर मिल रहे रिस्पांस पर खुशी जाहिर की है। उनका कहना है कि लोगों ने फिल्म को व्यक्तिगत तौर पर लिया और आर्टिकल से लेकर वीडियो में सिर्फ और सिर्फ समाज को बदलने वाली बातें की गई। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर कहा, आप भी फिल्म जरूर देखें, हो सकता है कि यह फिल्म आपसे भी कुछ बातें करें। हम उम्मीद करते हैं कि अगला हफ्ता फिल्म के लिए बेहतरीन हो।अभिनेत्री ने फैंस से फिल्म को देखने की गुजारिश की है और साथ में रिव्यू भी मांगा है।

राजनीतिक और प्रशासनिक किरदारों की पहचान बनीं **सकीना जाफरी**, हर गंभीर रोल में छोड़ी गहरी छाप

अमेरिकी अभिनेत्री सकीना जाफरी ने अपने करियर में ऐसे किरदार चुने, जिनके जरिए सत्ता, सिस्टम और समाज की गंभीर सच्चाइयों को सामने रखा जा सके। यही वजह है कि उन्हें राजनीतिक, मेडिकल और प्रशासनिक जैसे मजबूत किरदारों में ज्यादा देखा गया। सकीना जाफरी का जन्म 14 फरवरी 1962 को न्यूयॉर्क में हुआ और वह मशहूर अभिनेता सईद जाफरी और लेखिका व शेफ मधुर जाफरी की बेटी हैं। फिल्मी परिवार से होने के बावजूद उनका रास्ता कभी भी आसान नहीं रहा। उनका झुकाव शुरू में पढ़ाई और भाषाओं की ओर था, लेकिन थिएटर से जुड़ने के बाद अभिनय उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गया। यही थिएटर की ट्रेनिंग आगे चलकर उनके अभिनय में ठहराव और गंभीरता लेकर आई। सकीना जाफरी की सबसे बड़ी पहचान तब बनी, जब उन्होंने नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज हाउस ऑफ कार्ड्स में व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ लिंडा वास्केज का किरदार निभाया। यह रोल सत्ता के बेहद करीब रहने वाले एक ऐसे व्यक्ति का था, जो फैसले भी करता है और उनके नतीजों की जिम्मेदारी भी उठाता है।सकीना ने इस किरदार को न तो जरूरत से ज्यादा सख्त बनाया और न ही कमजोर, बल्कि एक संतुलित अफसर के रूप में पेश किया। यही कारण है कि उनका किरदार दर्शकों के दिमाग में लंबे समय तक रहा।इसके बाद टाइमलेस में उन्होंने होमलैंड सिक्योरिटी एजेंट डेनिस क्रिस्टोफर की भूमिका निभाई। उनका यह किरदार जिम्मेदारी, देश की सुरक्षा और सही-गलत के बीच खड़े फैसलों पर टिका हुआ था। उन्होंने इस किरदार को सधे हुए और सरल अंदाज में निभाया। एक बार को तो दर्शकों को लगा कि वह सच में एक सरकारी अधिकारी हैं। सिर्फ राजनीति और प्रशासन ही नहीं, मेडिकल रोल्स में भी सकीना जाफरी की मौजूदगी मजबूत रही है। कई फिल्मों और सीरीज में उन्होंने डॉक्टर और प्रोफेशनल महिलाओं के किरदार निभाए, जहां संवेदनशीलता और समझ सबसे जरूरी होती है। इन किरदारों में भी उन्होंने भावनाओं को सच्चाई के साथ पेश किया।

संक्षिप्त समाचार

भाई की हत्या का बदला लेने के लिए अभिषेक ने निखिल को मारी थी गोली

नईदिल्ली, एजेंसी। अंबेडकर नगर थाना क्षेत्र स्थिति मदनगीर भूमिया मंदिर के पास

दो दिन पहले हुई 30 वर्षीय निखिल नागर उर्फ निक्की की हत्या मामले में पुलिस ने आरोपितों की पहचान कर ली है। निखिल की हत्या अभिषेक भोला ने अपने भाई कुणाल की हत्या का बदला लेने के लिए की है। पुलिस अभिषेक के साथ ही उसके साथियों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक वर्ष 2021 में कुणाल की हत्या हो गई थी। उस मामले में पुलिस ने निखिल को आरोपित बनाया था और जेल भेजा था। डेढ़ महीने पहले ही वह जेल से बाहर आया था। तभी से अभिषेक अपने भाई का बदला लेने के लिए मौके तलाश रहा था। सोमवार रात उसे वह मौका मिल गया। अपने साथियों संग मिलकर उसने मदनगीर भूमिया मंदिर के पास निखिल पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। गंभीर रूप से घायल निखिल ने मंगलवार को एम्स ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया था। सीसीटीवी फुटेज व लोकल इंटेलीजेंस के जरिए सभी आरोपितों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

उत्तम नगर में मछली मंडी में लगी आग, दमकलकर्मी काबू पाने में जुटे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में मछली मंडी (मछली मार्केट) के पास बुधवार रात को भीषण आग लग गई। यह आग मटियाला क्षेत्र में मछली बाजार के आसपास फैली, जहां घनी आबादी और दुकानें-झुग्गियां हैं। दिल्ली फायर सर्विस को रात सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन आग से आसपास की कुछ दुकानें और झुग्गियां प्रभावित हुई हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं ताकि यह आगे न फैले। पुलिस और प्रशासन मौके पर मौजूद हैं।

बिंदापुर के मंसाराम पार्क में भीषण आग, 80 झुग्गियां जलकर खाक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बिंदापुर थाना क्षेत्र के मंसाराम पार्क इलाके में बुधवार देर रात अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस और फायर विभाग ने तेजी से आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार, 11 मार्च 2026 की रात 11:57 बजे, पीएस बिंदापुर को एक पीसीआर कॉल मिली कि मंसाराम पार्क की झुग्गियों में भीषण आग लगी है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और वहां रहने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर फायर ब्रिगेड को बुलाया। मौके पर करीब 28 फायर टेंडर पहुंचे और रात 3 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। राहत वाली बात यह थी कि इस आगजनी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, इस आग में लगभग 80 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। यह पहला मामला नहीं है। कुछ दिन पहले, 7 मार्च 2026 को भी मंसाराम पार्क में आग लगने की सूचना मिली थी। उस समय 8 फायर टेंडर मौके पर भेजे गए थे और आग को जल्दी बुझा लिया गया था। उस घटना में भी कोई जनहानि नहीं हुई थी। उस समय पीएस बिंदापुर में एफआईआर नंबर 155/26, धारा 326(एफ) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।

दिल्ली पुलिस ने संगठित अपराध पर कसा शिकंजा, 4 महीने में मकोका के तहत 34 अपराधी गिरफ्तार

पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में 95 संगठित आपराधिक गिरोहों की पहचान की गई

नईदिल्ली, एजेंसी। संगठित अपराध पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली पुलिस ने मकोका का इस्तेमाल करने की कार्रवाई तेज कर दी है। दिल्ली पुलिस ने राजधानी में सक्रिय अपराध सिंडिकेट्स को जड़ से खत्म करने के लिए ''मकोका'' (महाराष्ट्र कंट्रोल आफ आर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट) को अपना सबसे मुख्य हथियार बना रही है। पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में 95 संगठित आपराधिक गिरोहों की पहचान की गई है, जिनके सदस्यों की संख्या में सैकड़ों में है। पिछले साल सितंबर से दिसंबर केवल चार माह के भीतर, दिल्ली पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ अभियान चलाकर 34 अपराधियों पर मकोका लगाया। पुलिस न केवल गैंगस्टरों, बल्कि उनके पूरे इकोसिस्टम (फाइनेंसर और लाजिस्टिक्स सपोर्ट) पर मकोका लगा रही है। क्राइम ब्रांच के विशेष आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव का कहना है कि क्राइम ब्रांच ने स्पेशल मकोका सेल के साथ दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है। संगठित अपराध के इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने के एक बड़े कदम के तहत, क्राइम ब्रांच ने बीते अक्टूबर में एक मकोका सेल बनाया है। इस स्पेशल यूनिट का काम अंतरराज्यीय आपराधिक सिंडिकेट पर अंकुश लगाना है जो गैर कानूनी फाइनेंशियल फायदे के लिए हिंसा और धमकी का इस्तेमाल करते हैं। यह यूनिट जिलों और दूसरी यूनिट्स को मकोका

के प्रविधान को असरदार तरीके से लागू करने के लिए गाइड और सलाह देती है, ताकि पैसे के फायदे के लिए संगठित अपराध में शामिल अपराधियों के खिलाफ किसी भी प्रोसेस में कमी की गुंजाइश खत्म हो सके। पारंपरिक यूनिट्स के उलट, मकोका सेल क्राइम के बिज़नेस पर फोकस करता है और यह पक्का करता है कि सरगना, प्रोसेस की कमियों के पीछे छिप न सकें। क्योंकि ये गिरोह रंगदारी वसूली, सुपारी किलिंग, गैर-कानूनी हथियारों की तस्करी, किडनैपिंग और दूसरे जघन्य अपराधों में शामिल हैं, इसलिए मकोका सेल का काम दिल्ली और आस-पास के राज्यों में चल रहे संगठित अपराध सिंडिकेट की गतिविधियों पर नज़र रखने और उन्हें रोकने के लिए नए अपराधियों की पहचान करना है। इसके अलावा, मकोका सेल उन भगोड़ों की गतिविधियों पर भी सक्रिय रूप से नजर रख रहा है जो देश छोड़कर भाग गए हैं और भारत के अंदर और विदेश दोनों जगह से काम कर रहे हैं। संगठित अपराध में शामिल कई अपराधियों की पहचान की गई है, और उनके पासपोर्ट रद्द करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। यह सेल नए मकोका प्रपोज़ल में सफलतापूर्वक आडिट और सलाह दे रहा है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, मकोका लगाने के पीछे मुख्य कारण अपराधियों को लंबे समय तक जेल में रखना और उनकी अवैध संपत्तियों को ज़ब्त करना है। इसके तहत बदमाशों को कम से कम छह माह तक जमानत मिलना असंभव होता है। गैंगस्टरों द्वारा अपराध से कमाई गई संपत्तियों को ज़ब्त कर लिया जाता है। पुलिस अधिकारी के सामने दिया गया बयान इस कानून के तहत अदालत में सबूत के तौर पर मान्य होता है। जनवरी में उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया कि मकोका लगाने के लिए सिंडिकेट के हर सदस्य का पिछला आपराधिक रिकार्ड होना अनिवार्य नहीं है।

दिल्ली के महरौली में गहराया पेयजल संकट

एक सप्ताह से नहीं आ रहा पानी, लोग परेशान

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के महरौली इलाके में पेयजल संकट से स्थानीय लोग परेशान हैं। महरौली में बीते करीब एक सप्ताह से नियमित जलापूर्ति बाधित है, जिसके कारण लोगों को रोजमर्रा के कार्यों में दिक्कत होने लगी है। स्थानीय निवासी लगातार दिल्ली जल बोर्ड और जनप्रतिनिधियों को शिकायतें कर रहे हैं और इसे लेकर इंटरनेट मीडिया पर भी विभागों को टैग कर शिकायत की जा रही है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उधर, मालवीय नगर में भी कुछ दिनों से लोग जलापूर्ति की परेशानी से जूझ रहे हैं। दरअसल, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की ओर से दिल्ली के विभिन्न इलाकों में अंडरग्राउंड रिजर्वायर (यूजीआर) की सफाई के चलते जलापूर्ति प्रभावित है। दक्षिणी दिल्ली के महरौली और मालवीय नगर सहित कई इलाकों में छह और सात मार्च को सफाई कार्य के कारण आपूर्ति रोके जाने के संदेश भी जारी किया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी की किल्लत जारी संदेश के मुताबिक अपेक्षा से अधिक दिनों तक खिंच गई है। कई घरों में पिछले एक सप्ताह से पानी नहीं आया है जिससे परेशानी बढ़ने लगी है। इंटरनेट मीडिया पर रश्मि ने दिल्ली जल बोर्ड और मुख्यमंत्री को टैग करते हुए लिखा है कि पिछले सात दिनों से महरौली में पानी की आपूर्ति नहीं हुई है। लोग बेहद परेशान हैं, कृपया शिकायत का संज्ञान लें और राहत दिलाएं। सुधांशु ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और जल बोर्ड सहित स्थानीय जन प्रतिनिधियों को टैग करते हुए लिखा है कि जल बोर्ड ने दो दिन पानी नहीं आने का संदेश दिया था।

एक हफ्ते से पानी नहीं मिला है। गर्मी की शुरुआत हुई है और पेयजल संकट बढ़ने लगा है। मालवीय नगर निवासी सुखमणि बत्रा ने लिखा कि पिछले तीन दिनों से इलाके में पानी की आपूर्ति नहीं हुई है। घर में सुबह से शाम तक सारे काम प्रभावित हैं और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। इलाके में यूजीआर की सफाई का काम जारी है, इससे कई इलाकों मे पानी की समस्या बनी है। यूजीआर सफाई का काम पूरा होने के बाद जल्द स्थिति सामान्य हो जाएगी। फिलहाल जहां से भी मांग आ रही है टैंकर भेजे जा रहे हैं।

एनसीईआरटी की नई पुस्तक में भारतीय लेखकों को अधिक महत्व, इनके अधिक पाठ किए गए शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। एनसीईआरटी की अंग्रेजी की नई पाठ्यपुस्तक में तमिल कवि सुब्रह्मण्य भारती, राज्यसभा सदस्य सुधामूर्ति, नगा लेखक टेम्सुला आओ, रवींद्रनाथ टैगोर और असमिया उपन्यासकार मित्रा फुकन जैसे लेखकों के पाठ शामिल किए गए हैं। 2006-07 से 2025-26 के शैक्षणिक सत्रों के बीच स्कूलों में पढ़ाई गई पिछली पाठ्यपुस्तकों में 29 पाठों में से 15 अंतरराष्ट्रीय लेखकों के लिखे हुए थे। इस विषय के लिए पाठ्यपुस्तकों की संख्या दो से घटाकर एक की गई है और पाठों की संख्या 29 से घटाकर 16 कर दी गई है, जिसमें भारतीय लेखकों और अंतरराष्ट्रीय लेखकों के समान संख्या में पाठ हैं। कक्षा 9 की नई अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक 'कावेरी' एक कहानी से शुरू होती है, जो सुधामूर्ति की 2004 में प्रकाशित पुस्तक 'हाउ आइ टाट माइ ग्रैंड मदर टु रीड एंड अदर स्टोरीज' से ली गई है। पाठ शामिल पिछली पाठ्यपुस्तकों में कुल 29 में से 15 पाठ अंतरराष्ट्रीय लेखकों के थे। यह पूर्व की पाठ्यपुस्तकों 'बीहाइव' और 'मोमेंट्स' का स्थान लेगी। इस पाठ्यपुस्तक में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली (आइकेएस)' के तत्व शामिल हैं और इसमें 16 पाठ हैं जिनमें से आठ भारतीय लेखकों द्वारा हैं, जिनमें सुब्रह्मण्य भारती, सुधामूर्ति, टेम्सुला आओ, मित्रा फुकन और रवींद्रनाथ टैगोर शामिल हैं। इसमें छह विदेशी लेखक जैसे डेविड रोथ, चार्ल्स स्वेन, ब्रायना टी. पर्किन्स, राबर्ट लैंगले, माया एंथनी और आइरीन चुआ भी शामिल हैं। पुस्तक में एक गुमनाम कविता 'गिफ्ट आफ ग्रेस : आनरिंग आवर विकेशंस ' और एक साक्षात्कार आधारित लेख 'द वर्ल्ड ऑफ लिमिटलेस पासिबिल्टीज ' भी शामिल है, जिसमें पैरा ओलंपिक एथलीट दीपा मलिक का साक्षात्कार है।

सीबीआई इंस्पेक्टर पर दो करोड़ की रंगदारी मांगने का आरोप, केस दर्ज; विभागीय जांच शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। मैदानगढ़ी थाना क्षेत्र में कथित सीबीआई इंस्पेक्टर की ओर से एक व्यक्ति से दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोपित ने पीड़ित को यह कहते हुए डराया कि सीबीआइ में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। पीड़ित ने जब दो करोड़ देने से मना कर दिया तो भयादोहन करते हुए उससे 50 हजार रुपये ले लिए। साथ ही हर महीने की पहली तारीख को 75 हजार रुपये देने का फरमान सुनाया। पीड़ित ने मैदान गढ़ी थाने में शिकायत दर्ज की। इधर, जानकारी मिलते ही कथित सीबीआई इंस्पेक्टर भी थाने पहुंचा और लिखित में दिया कि वह शिकायतकर्ता को जानता ही नहीं और न ही कभी उससे मिला। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने मंगलवार को मामला सीबीआई को अग्रेषित किया, जिस पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि दीपक फल्सवाल नामक व्यक्ति 22 जनवरी को महाबली पुरम, भाटी कलां स्थित उसके आवास पर आया। उसने स्वयं को सीबीआइ इंस्पेक्टर बताया। उक्त व्यक्ति ने

शिकायतकर्ता को यह कहकर डराया-धमकाया कि उसके खिलाफ सीबीआइ में एक शिकायत दर्ज की गई है। दो करोड़ रुपये की मांग की। आगे यह भी आरोप लगाया कि जब पैसे देने से मना कर दिया, तो आरोपित ने कथित तौर पर दबाव डालकर उनसे 50,000 रुपये ले लिए। इसके अलावा 75,000 रुपये प्रति माह की और मांग की। इसके बाद से आरोपित लगातार फेस टाइम काल के माध्यम से शिकायतकर्ता को परेशान करने लगा। उसे निर्देश दिया है कि वह सीधे उसके नंबर पर संपर्क न करे, ताकि उसकी लोकेशन ट्रैक न हो सके। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि शिकायतकर्ता ने अपने और आरोपित के बीच हुई बातचीत को रिकार्ड कर लिया है और सबूत के तौर पर प्रस्तुत किया है। सीबीआइ ने माना कि उपर्युक्त तथ्य प्रथम दृष्टया यह दर्शाते हैं कि सीबीआइ इंस्पेक्टर दीपक फल्सवाल ने ''भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988'' (जैसा कि 2018 में संशोधित किया गया) की धारा सात के तहत दंडनीय अपराध किया है। उनके खिलाफ एक नियमित मामला दर्ज करते हुए जांच सीबीआइ के डिप्टी एसपी अनमोल सचान को सौंपी गई है।

यूएस में टैरिफ पर नए दांव-पेंच: क्या 52 साल पुराने कानून में हो सकते हैं बदलाव

ट्रंप प्रशासन ने शुरू की जांच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व टैरिफ व्यवस्था को रद्द किए जाने के बाद ट्रंप प्रशासन ने विदेशी मैन्युफैक्चरिंग पर नई व्यापार जांच शुरू कर दी है। इस कदम को उन अरबों डॉलर के राजस्व की भरपाई की कोशिश माना जा रहा है जो अदालत के फैसले के बाद सरकार को खोना पड़ा। अमेरिकी प्रशासन ने बुधवार को ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत यह जांच शुरू की है। इस प्रक्रिया के तहत विदेशी कंपनियों और देशों की औद्योगिक नीतियों की जांच की जाएगी, जिसके बाद उन पर नए आयात शुल्क (टैरिफ) लगाए जा सकते हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार की नीति में बदलाव नहीं हुआ है, केवल इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य अमेरिकी उद्योग और नौकरियों की सुरक्षा करना है। नई जांच के दायरे में कई बड़े व्यापारिक साझेदार देश शामिल हैं। इनमें भारत, चीन, यूरोपीय संघ, बांग्लादेश, जापान, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, इंडोनेशिया, मलेशिया, कंबोडिया, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, मेक्सिको और ताइवान जैसे देश शामिल हैं। अमेरिकी सरकार इन देशों की उन नीतियों की जांच करेगी जिनसे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हो सकता है। इसमें औद्योगिक सब्सिडी, मजदूरी दमन और अमेरिकी बाजार में लगातार व्यापार अधिशेष जैसे मुद्दों को देखा जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस जांच के बाद नए टैरिफ लागू होते हैं तो वैश्विक व्यापार में फिर तनाव बढ़ सकता है। इससे पहले लगाए गए टैरिफ के कारण अमेरिका और उसके कई व्यापारिक साझेदारों के बीच तीखी आर्थिक खींचतान देखने को मिली थी। हालांकि ग्रीर ने कहा कि पिछले साल घोषित व्यापार ढांचे अपने आप में अलग हैं और नई जांच उनसे सीधे जुड़ी नहीं है। फिर भी इन समझौतों को ध्यान में रखते हुए आगे का निर्णय लिया जा सकता है।

ट्रंप प्रशासन ने सेक्शन 301 के तहत एक और जांच शुरू करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य जबरन श्रम से बनाए गए उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने की संभावनाओं का आकलन करना है।

● सुरक्षा और तेल की कीमतों को लेकर चिंता

ईरान पर सैन्य कार्रवाई सही, घर में घिरे ट्रंप, सर्वे में अमेरिका के लोगों का चौंकाने वाला खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को लेकर अमेरिका में जनता की राय बंटी हुई है। नए सर्वे बताते हैं कि अधिकांश अमेरिकी इस कदम के पक्ष में नहीं हैं और उन्हें डर है कि इससे देश पहले से अधिक असुरक्षित हो सकता है। राजनीतिक ध्रुवीकरण भी साफ दिख रहा है जहां रिपब्लिकन मतदाता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के साथ खड़े हैं, वहीं डेमोक्रेट और स्वतंत्र मतदाता चिंता और विरोध में हैं। क्विनिपियाक यूनिवर्सिटी के सर्वे में लगभग 53% रजिस्टर्ड वोटर्स ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विरोध किया, जबकि 40% ने समर्थन किया और 10% ने स्पष्ट

राय नहीं दी। इप्सोस, वाशिंगटन पोस्ट और ष्टहह के सर्वे में भी यही रुझान दिखा कि अधिकांश अमेरिकी इस कदम के पक्ष में नहीं हैं। इसके विपरीत, फॉक्स न्यूज के सर्वे में मत लगभग बराबर बंटा हुआ दिखा, जहां आधे मतदाताओं ने समर्थन किया और आधे ने विरोध। क्विनिपियाक के सर्वे में 55% लोगों ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान ने अमेरिका के लिए तत्काल कोई सैन्य खतरा पैदा किया। वहीं, फॉक्स न्यूज के सर्वे में 60% मतदाताओं ने माना कि ईरान अमेरिका के लिए वास्तविक खतरा है। अमेरिकियों को तेल और गैस की कीमत बढ़ने का डर भी सताता है।

यूएसएन ईरान के चक्कर में फंसा स्पेन, ट्रंप बोले- सैन्य ठिकाने इस्तेमाल नहीं करने दिए तो बंद कर सकते हैं व्यापार

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगी देश स्पेन को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर स्पेन ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों के लिए अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देता है तो अमेरिका उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित या बंद करने पर विचार कर सकता है। ट्रंप का यह बयान अमेरिका और स्पेन के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव को दिखाता है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वाशिंगटन इस मुद्दे को गंभीरता से देख रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियानों को जारी रखेगा और सहयोगी देशों से समर्थन की उम्मीद करता है। ट्रंप ने संकेत दिया कि स्पेन का रुख बदलने के लिए अमेरिका आर्थिक कदम भी उठा सकता है।

स्पेन ने अमेरिका के प्रस्ताव को क्यों ठुकराया?

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने स्पष्ट कहा है कि उनकी सरकार युद्ध का समर्थन नहीं करती। उन्होंने दोहराया कि स्पेन की नीति स्पष्ट है और वह युद्ध के खिलाफ खड़ा है। सांचेज ने कहा कि उनकी सरकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों के साथ खड़ी है और किसी भी सैन्य कार्रवाई का समर्थन नहीं करेगी।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है और उसने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। उनके मुताबिक अमेरिकी हमलों से ईरान की सैन्य क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के कई समुद्री जहाजों को नष्ट कर दिया है, जिनका इस्तेमाल बारूदी सुरंगें बिछाने के लिए किया जाता था। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा रही है। उनका दावा है कि अमेरिकी कार्रवाई के बाद वहां हालात धीरे-धीरे स्थिर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान की कई माइन बिछाने वाली नौकाओं को नष्ट कर दिया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट: यूएनएससी में उठी पड़ोसियों पर हमले रोकने की मांग

दुबई, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को दुनिया के सबसे व्यस्त दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिका और इस्राइल तेहरान पर हमले कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र की सबसे ताकतवर संस्था, सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पास किया है। इसमें ईरान से अपने पड़ोसी देशों पर हमले तुरंत रोकने की मांग की गई है। इन हमलों से दुनिया भर में तेल की सप्लाई को बड़ा खतरा पैदा हो गया है। ईरान इन हमलों के जरिए अमेरिका और इस्राइल पर दबाव बनाना चाहता है ताकि 12 दिन पहले शुरू हुआ युद्ध खत्म हो सके। पेंटागन के अनुसार, युद्ध के पहले हफ्ते में ही अमेरिका को 11.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। सेना ने बताया कि युद्ध के पहले वीकेंड में अकेले हथियारों पर पांच अरब डॉलर खर्च हो गए। ईरान ने खाड़ी देशों के तेल क्षेत्रों और रिफाइनरियों को निशाना बनाया है। उसने होर्मुज की खाड़ी से होने वाले व्यापार को भी रोक दिया है, जहां से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। इस संकट से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अपने बड़ा फैसला लिया है। वह बाजार में 40 करोड़ बैरल तेल उतारेगी। अमेरिका भी अगले हफ्ते अपने सुरक्षित भंडार से 17.2 करोड़ बैरल तेल जारी करेगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें ईरान से खाड़ी पड़ोसियों पर

अत्यधिक हमलों को रोकने की मांग की गई है। हाल के हमलों में, संयुक्त अरब अमीरात में दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास दो ईरानी ड्रोन हमलों में चार लोग घायल हुए। हालांकि, उड़ानें जारी रहीं। दुबई मीडिया कार्यालय ने यह जानकारी दी। गुरुवार की सुबह दुबई क्रीक हार्बर में एक लक्जरी अपार्टमेंट टॉवर में आग लग गई। बहरीन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि ईरानी-लिंक्ड हमलों ने मुहर्रक प्रांत में ईंधन टैंकों को निशाना बनाया। ओमान के सलालाह बंदरगाह पर भी ईंधन भंडारण टैंकों में आग लगी। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इन ईरानी हमलों को दृढ़ता से खारिज करता है। ये हमले संप्रभु देशों के खिलाफ हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और व्यापार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में स्थिरता को खतरे में डालते हैं। संयुक्त राष्ट्र के सबसे शक्तिशाली निकाय में 13-0 के वोट से ईरान की अलग-थलग स्थिति झलकती है। चीन और रूस ने मतदान से परहेज किया। उन्होंने प्रस्ताव को अत्यंत असंतुलित बताया। इस बीच, खाड़ी देशों में और हमलों की सूचना मिली। इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में इरबिल और सुलेमानिया शहरों की ओर ड्रोन लॉन्च किए गए। इराक के दक्षिणी हिस्से में एक ऑस्ट्रेलियाई झंडे वाले तेल जहाज पर हमला हुआ। जहाज के 25 चालक दल को बचा लिया गया। गुरुवार को यरूशलम और इस्राइल के अन्य हिस्सों में सायरन बजे और जोरदार धमाके सुनाई दिए। इस्राइली सेना ने कहा कि वह तेहरान में बड़े पैमाने पर हमलों की एक और लहर के साथ जवाब दे रही थी। इस्राइल ने लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह आतंकवादियों से जुड़े ठिकानों पर भी हमला किया। बेरुत के रामलेट अल-बायदा में एक इस्राइली हमले में सात लोग मारे गए और 21 अन्य घायल हुए।

साड़ी में खुद को भीड़ से अलग तो दिखा ही सकती है

साड़ी ऐसा परंपरागत परिधान है जो भारतीय महिलाओं की खास पसंद है। साड़ी की खासियत यह है कि इसे महिलाएं हर बार नए लुक व नए अंदाज में पहन सकती है। जिससे वे साड़ी में खुद को भीड़ से अलग तो दिखा ही सकती है। साथ ही पार्टी में आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं।

साड़ी को न केवल महिलाएं बल्कि शादी समारोहों सहित अन्य खास मौकों पर कॉलेज गोइंग गर्ल भी पहनती हैं लेकिन साड़ी बांधने का अलग अंदाज आपको भी शादी, पार्टी व अन्य मौकों पर खास बना सकता है। आपका साड़ी बांधने का अंदाज पार्टी में सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। जानिए साड़ी बांधने के कौन-कौन से तरीके आप आजमा सकती हैं।

यह स्टाइल सीजन में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें आपको साड़ी को घुटने के पास से टाइट रखना होता है और नीचे की ओर से घेरा नजर आता है। आप इस स्टाइल को ब्राइट कलर्स के साथ आजमा सकती है ।यदि साड़ी पर फ्लोरल प्रिंट होगा तो वो अलग निखर आएगा और आपको पार्टी में सभी के बीच अलग ही लुक प्रदान करेगा।

लहंगा स्टाइल लुक

इन दिनों लहंगा स्टाइल की साडियों का भी काफी क्रेज दिखाई दे रहा है। अधिकांश शादी समारोह में युवतियां भी इस इस स्टाइल को काफी लाइक कर रहीं हैं। घांघरा स्टाइल के लिए प्लीट्स की मदद से साड़ी को बंधा जाता है। प्लीट्स के जरिए बांधी गई साड़ी आपको लहंगे का लुक प्रदान करती है।

रेट्रो लुक

साड़ी पहनने के परंपरागत स्टाइल को आप जूड़े के साथ मैच करने को रेट्रो लुक कहते हैं। यदि आप पतली हैं तो यह लुक आप पर बहुत अच्छा लगेगा। इस लुक का प्रयोग आप बाजार में आने जाने के लिए भी कर सकते हैं। रेट्रो लुक की साड़ी शादी के अलावा अन्य कार्यक्रमों में भी पहनी जा सकती है।

ब्लाउज भी नये पैटर्न में

अलग अलग लुक में जहां महिलाओं के बीच साड़ी का क्रेज बड़ा है। साडियों की स्टाइल के साथ ही ब्लाउज के कट पर भी विशेष प्रयोग किए जा सकते हैं। जैसे डीप गला, फुल कवर, फुल आस्तीन जैसी ब्लाउज चलन में हैं।

वॉशिंग मशीन को साफ करने के घरेलू उपाय, इस ट्रिक से क्लीन करेंगे तो नहीं पड़ेगी सर्विस की जरूरत

ज्यादातर घरों में कपड़े धोने के लिए वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। वॉशिंग मशीन कपड़ों को आसानी से साफ कर देती है, लेकिन इस मशीन को भी साफ सफाई की जरूरत पड़ती है। लगातर लंबे समय तक वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल करने से कई बार मशीन अंदर से गंदी हो जाती है। कपड़ों पर जमा मैल, धूल और गंदगी मशीन में फंसने लगती है। खासतौर से फुल ऑटोमैटिक मशीन को समय-समय पर साफ करने की जरूरत पड़ती है। अगर ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन को साफ नहीं किया तो कपड़ों में बदबू आने लगती है और कई बार मशीन में जमा गंदगी कपड़ों पर चिपक जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आसानी से फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन को साफ कर सकते हैं। आपको सर्विस की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन को कैसे साफ करें?

पहला स्टेप-

इसके लिए सबसे पहले मशीन को खोलकर दरवाजे पर लगी रबड़ को बाहर और अंदर से अच्छी तरह साफ कर लें। रबड़ को थोड़ा बाहर की ओर खींचने से उसमें जमा गंदगी आपको दिखने लगेगी। आप इसे किसी स्पंज की मदद से रगड़कर क्लीन कर लें। हार्पिक डालकर मिनटों में इसे क्लीन किया जा सकता है। आप चाहें तो किसी डिटर्जेंट में नींबू और सोडा मिलाकर घोल बना लें इससे भी सफाई की जा सकती है।

दूसरा स्टेप-

अब इसी घोल को आप मशीन के बाहर वाले हिस्सों पर भी लगा दें। अब बाहर भी स्पंज की मदद से रगड़ते हुए वॉशिंग मशीन को क्लीन कर लें। बाहर से मशीन को साफ करने के बाद आप इसके टब की क्लीनिंग कर लें। अगर आपके पास वॉशिंग मशीन क्लीनिंग पाउडर है तो उससे या कोई डिटर्जेंट डालकर टब क्लीनिंग के ऑप्शन पर मशीन को चला दें।

तीसरा स्टेप-

अब वॉशिंग मशीन में नीचे पानी निकालने के लिए लगे फिल्टर को निकालकर सारा पानी निकाल दें। कई बार फिल्टर में गंदा पानी जमा होने लगता है। पाइप को टूथब्रेश की मदद से अच्छी तरह क्लीन कर लें। अब सोडा, लिक्विड सोप और विनेगर का घोल बनाकर वॉशिंग मशीन के बाहर और

अंदर साइड में लगाकर साफ कर लें।

चौथा स्टेप-

अब जहां सर्फ और नील डालते हैं उस ट्रे को निकालकर साफ कर लें। पूरी मशीन को किसी साफ सूखे कपड़े से अच्छी तरह से क्लीन कर लें। सूखे कपड़े से टब को भी साफ कर लें। इस तरह पूरी वॉशिंग मशीन अंदर और बाहर से एकदम साफ हो जाएगी और नई जैसी चमकने लगेगी।

क्या किचन में जूते-चप्पल पहनकर जाते हैं? बिगड़ता है अग्नि और पृथ्वी तत्व का बैलेंस

भारतीय हिंदू घरों में अक्सर किचन में जूते चप्पल पहनकर जाने से मना किया जाता है। यह सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि इसके पीछे धार्मिक और वास्तु से जुड़ी मान्यताएं भी हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई, घर को घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है, क्योंकि यहीं परिवार के लिए भोजन तैयार होता है। इसलिए इस स्थान की शुद्धता और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना बहुत जरूरी माना जाता है। तो आइए इस आर्टिकल के जरिए विस्तार से जानते हैं कि रसोई में जूते पहनना क्यों भारी जानिए पड़ सकता है।

किचन घर का पवित्र स्थान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की रसोई में पूरे जहां परिवार के लिए भोजन तैयार किया जाता है, इसलिए इसका संबंध सीधे स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास होता है, जिन्हें अन्न और पोषण की देवी माना जाता है। इसी वजह से किचन को साफ सुथरा और पवित्र रखना जरूरी माना जाता है।

किचन में जूते चप्पल पहनना क्यों माना जाता है गलत

जूते-चप्पल बाहर की धूल मिट्टी और नकारात्मक ऊर्जा को अपने साथ लेकर आते हैं। जब कोई व्यक्ति जूते पहनकर किचन में प्रवेश करता है तो यह अशुद्धियां भी किचन में पहुंच जाती हैं। इससे रसोई की पवित्रता प्रभावित होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी कम हो सकता है। इसलिए पारंपरिक रूप से किचन में जूते और चप्पल पहनकर जाने से बचने की सलाह दी जाती है।

घर में बढ़ सकती है नकारात्मकता

वास्तु के अनुसार, किचन में जूते पहनकर जाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है। इससे परिवार के सदस्यों के बीच तनाव या विवाद की स्थिति भी बन सकती है। साथ ही यह भी माना जाता है कि इससे घर में सुख शांति और समृद्धि पर असर पड़ सकता है और लक्ष्मी के आगमन में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

अग्नि और पृथ्वी तत्व का संतुलन

वास्तु शास्त्र में किचन का संबंध अग्नि तत्व से माना जाता है। वहीं, जूते चप्पल पृथ्वी तत्व और भारी ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं। जब जूते पहनकर किचन में प्रवेश किया जाता है, तो अग्नि और पृथ्वी तत्व के बीच संतुलन बिगड़ सकता है। माना जाता है कि इससे जीवन में बाधाएं, तनाव या संसाधनों की कमी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

आर्थिक-पारिवारिक समस्याओं की आशंका

किचन घर का ऐसा स्थान है जो पूरे परिवार की समृद्धि से जुड़ा होता है। इस स्थान की पवित्रता का ध्यान नहीं रखा जाता तो घर में आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती हैं। साथ ही परिवार के सदस्यों के बीच आपसी मतभेद और मानसिक तनाव भी बढ़ने की आशंका रहती है। इसलिए रसोई घर की स्वच्छता बनाए रखना बहुत जरूरी माना जाता है।

नियमित रुप से करायें दांतों की जांच

भारत में दांतों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन से संकेत मिलता है कि लगभग 95 प्रतिशत भारतीयों में मसूड़ों की बीमारी है, 50 प्रतिशत लोग टूथब्रश का उपयोग नहीं करते और 15 वर्ष से कम उम्र के 70 प्रतिशत बच्चों के दांत खराब हो चुके हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अनुसार, भारतीय लोग नियमित रूप से दंत चिकित्सक के पास जाने की बजाय, कुछ खाद्य और पेय पदार्थों का परहेज करके स्वयं-उपचार को प्राथमिकता देते हैं। दांतों की सेंसिटिविटी एक और बड़ी समस्या है, क्योंकि इस समस्या वाले मुश्किल से चार प्रतिशत लोग ही दंत चिकित्सक के पास परामर्श के लिए जाते हैं।

तनाव का दांतों की सेहत पर बुरा प्रभाव

आईएमए के विशेषज्ञों के अनुसार, तनाव का दांतों की सेहत पर बुरा असर होता है1 तनाव के चलते कई लोग मदिरापान और धूम्रपान शुरू कर देते हैं, जिसका आगे चलकर दांतों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। जागरुकता की कमी के चलते ग्रामीण इलाकों में दांतों की समस्या अधिक मिलती है। शहरों में जंक फूड और जीवनशैली की अन्य कुछ गलत आदतों के कारण दांतों में समस्याएं पैदा हो जाती हैं। प्रसंस्कृत भोजन में चीनी अधिक होने से भी नई पीढ़ी में विशेष रूप से दांत प्रभावित हो रहे हैं।

रक्तस्राव को न करें नजरअंदाज

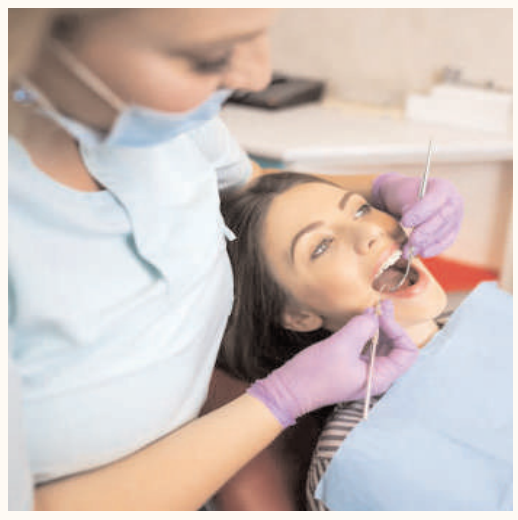

दांतों में थोड़ी सी भी परेशानी को अनदेखी नहीं करनी चाहिए और जितनी जल्दी हो सके, दंत चिकित्सक से मिलना चाहिये। दांत दर्द, मसूड़ों से रक्तस्राव और दांतों में सेंसिटिविटी को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। वयस्कों के अलावा, दांतों की समस्याएं बच्चों में भी आम होती है। दूध की बोतल का प्रयोग करने वाले शिशुओं के आगे के चार दूध के दांत अक्सर खराब हो जाते हैं।

दूध की बोतल भी है नुकसानदेह

दूध की बोतल से भी बच्चों के दांत खराब हो सकते हैं। इसलिए माताओं को हर फीड के बाद एक साफ कपड़े से शिशुओं के मसूड़े और दांत पोंछने चाहिए। अगर अनदेखा छोड़ दिया जाए तो दंत संक्रमण से हृदय संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

दांतों की देखभाल के उपाय

दो बार ब्रश करें।

फ्लॉसिंग उन दरारों को साफ करने में मदद करता है जहां ब्रश नहीं पहुंच पाता है।

बहुत अधिक चीनी खाने से बचें। स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ भी दांतों के क्षय का कारण बन सकते हैं, क्योंकि चीनी लार में जीवाणुओं के साथ प्रतिक्रिया करके एसिड बनाती है जो दांतों के इनेमल को नष्ट कर देता है।

जीभ को भी रखें साफ

किसी भी असामान्य संकेत की उपेक्षा न करें। यदि मसूड़ों में सूजन हो या खून आ जाए तो दंत चिकित्सक से परामर्श करें।

दांतों की जांच हर छह महीने में कराएं। दांतों की सफाई और एक वर्ष में दो बार जांच-पड़ताल आवश्यक है।

दवाइयों से बचने के लिए लोग कर रहे हैं फिजियोथेरेपी की ओर रुख

फिजियोथेरेपी का चलन आजकल बढ़ता जा रहा है। कई प्रकार की बीमारियों का उपचार इससे हो रहा है। घुटनों, पीठ या कमर में दर्द जैसे कई रोगों से बचने या निपटने के लिए बिना दवा खाए फिजियोथेरेपी के जरिये असरदार इलाज कराया जा सकता है।मौजूदा समय में अधिकांश लोग दवाइयों से बचने के लिए फिजियोथेरेपी की ओर रुख कर रहे हैं, क्योंकि यह न केवल कम खर्चीला होता है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव की आशंका न के बराबर होती है।

मांसपेशियों को सक्रिय करने का तरीका है फिजियोथेरेपी

प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा व्यायाम के जरिए शरीर की मांसपेशियों को सही अनुपात में सक्रिय करने की विधा फिजियोथेरेपी कहलाती है। इसे हिंदी में भौतिक चिकित्सा पद्धति कहा जाता है। घंटों लगातार कुर्सी पर वक्त बिताने, गलत मुद्रा में बैठने और व्यायाम या खेल के दौरान अंदरूनी खिंचाव या जख्मों की हीलिंग के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सेवा लेने की सलाह खुद चिकित्सक भी देते हैं!

विशेजषज्ञों का कहना है कि सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि केवल रोगी ही नहीं, बल्कि स्वस्थ्य लोग भी ठीक रहने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह ले सकते हैं। मौजूदा समय में फिजियोथेरेपी काफी लोकप्रिय हुई है। इसकी लोकप्रियता और भरोसे का कारण यह भी है कि बाकी इलाज पद्धतियों से अलग फिजियोथेरेपी उच्च पेशेवर लोग ही करते हैं। अस्थमा और फ्रैक्चर पीड़ितों के अतिरिक्त गर्भवतियों को भी फिजियोथेरेपी की सलाह दी जाती है। लगभग देश के हर बड़े अस्पताल में फिजियोथेरेपी की जाती है। वहीं, बुजुर्गों, मरीजों और कामकाजी लोगों के लिए घर तक फिजियोथैरेपी की सेवा पहुंचाने का भी चलन बढ़ा है। इसकी खास बात है कि फिजियोथेरेपिस्ट मरीज पर व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देता है जो किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में संभव नहीं है।

एसबीआई और एमयूएफजी बैंक ने वित्तीय साझेदारी पर हस्ताक्षर किए

- दोनों बैंक भारतीय मिड-कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई को जापानी कॉर्पोरेट नेटवर्क से जोड़ने में सहयोग करेंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और जापान का एमयूएफजी बैंक ने रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह समझौता मुख्य रूप से विलय और अधिग्रहण (एमएंडए), विमानन और रियल एस्टेट फाइनेंस क्षेत्रों पर केंद्रित है। दोनों बैंक भारतीय मिड-कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई को जापानी कॉर्पोरेट नेटवर्क से जोड़ने में सहयोग करेंगे। एसबीआई ने बताया कि नए आरबीआई दिशानिर्देशों के तहत उसकी ऋण देने की अधिकतम सीमा लगभग 94,000 करोड़ रुपए है। साझेदारी के तहत दोनों बैंक एमएंडए एडवाइजरी, ट्रेड फाइनेंस और रिटेल बैंकिंग सॉल्यूशंस पर सहयोग करेंगे। इसके अलावा, जापानी कॉर्पोरेट-आधारित संभावित आयात-निर्यात लेन-देन की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। एसबीआई की भारतीय बाजार में गहरी पकड़ और एमयूएफजी के वैश्विक नेटवर्क का संयोजन इस साझेदारी को खास बनाता है। दोनों बैंक अपनी पूरक क्षमताओं का उपयोग करके सीमा-पार पूंजी प्रवाह को आसान बनाएंगे। इससे न केवल नए वित्तीय अवसर उत्पन्न होंगे, बल्कि भारत और जापान की अर्थव्यवस्थाओं में स्थायी विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक जापानी ऋणदाताओं के साथ एमएंडए फाइनेंसिंग पर चर्चा कर रहा था। एमयूएफजी बैंक के भारत और श्रीलंका क्षेत्रीय कार्यकारी ताकुया सेनो ने कहा कि भारत विश्व स्तर पर सबसे आकर्षक विकास बाजारों में से एक है। साझेदारी के माध्यम से, एमयूएफजी भारत में इनबाउंड निवेश और भारतीय कॉर्पोरेट्स के आउटबाउंड विस्तार दोनों का समर्थन करेगा।

टेक्सास में नई रिफाइनरी की घोषणा, रिलायंस के निवेश का दावा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 300 अरब डॉलर के करार का किया जिक्र

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टेक्सास के ब्राउंसे विले में नई रिफाइनरी स्थापित किए जाने की घोषणा की है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि इस परियोजना में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के निवेश से लगभग 300 अरब डॉलर का करार किया गया है। इस निवेश के तहत ब्राउंजविल में एक बड़ी रिफाइनरी स्थापित करने की योजना बताई गई है। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस परियोजना को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। ट्रंप के अनुसार, इस रिफाइनरी का निर्माण अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग (एएफआर) नामक कंपनी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना अमेरिका में पिछले लगभग 50 वर्षों में बनने वाली पहली नई रिफाइनरी होगी। ट्रंप का कहना है कि इस रिफाइनरी के शुरू होने से ऊर्जा निर्यात में वृद्धि होगी, बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और आसपास के क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है जब इं डिया और अमे रिका के बीच फरवरी 2026 में एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत भारत ने अगले पांच वर्षों में ईंधन सहित लगभग 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की मंशा जताई थी, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है।

होर्मुज संकट के बीच भारत ने बढ़ाए वैकल्पिक ईंधन स्रोत

ईरान-अमेरिका-इजरायल तनाव से बंद हुआ होर्मुज मार्ग, भारत अन्य रास्तों से तेल-गैस मंगा रहा

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण रणनीतिक समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद होने से भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है। इस स्थिति से निपटने के लिए भारत ने वैकल्पिक समुद्री मार्गों से कच्चा तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) मंगाने की व्यवस्था तेज कर दी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि अगले कुछ दिनों में कच्चे तेल के दो कार्गो जहाज भारत पहुंचने वाले हैं, जबकि एलएनजी के दो अन्य जहाज भी रास्ते में हैं। उन्होंने कहा कि पहले भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज मार्ग से अलग रास्तों से आता था, जो अब बढ़कर करीब 70 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने घरेलू जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तेल कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। 5 मार्च को जारी आदेश के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने एलपीजी उत्पादन लगभग 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। साथ ही पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग फिलहाल रोक दिया गया है ताकि घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है, जिनमें से करीब 90 प्रतिशत आपूर्ति सामान्यतः होर्मुज मार्ग से होती है। प्राकृतिक गैस की कुल खपत लगभग 18.9 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन है, लेकिन भारत के प्रमुख एलएनजी आपूर्तिकर्ता कतर इनर्जी के उत्पादन रुकने से करीब 4.6 करोड़ मानक घन मीटर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस बीच विदेश मंत्रालय के अनुसार संघर्ष क्षेत्र में एक वाणिज्यिक जहाज पर हमले में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य लापता है। फिलहाल परे सियन गल्फ क्षेत्र में भारतीय झंडे वाले 28 जहाज और 700 से अधिक भारतीय नाविक मौजूद हैं। सरकार का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर खतरा, एसएंडपी की चेतावनी

- भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार केवल 10 दिन की खपत के लिए पर्याप्त

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चेतावनी दी कि भारत की अर्थव्यवस्था ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में है। भारत अपने कच्चे तेल की लगभग 88 फीसदी जरूरतें आयात करता है और यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। देश में प्रतिदिन 58 लाख बैरल तेल की खपत होती है, जिसमें से 25-27 लाख बैरल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज मार्ग से आता है। एलपीजी और एलएनजी का भी एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग पर निर्भर है। भारत के

रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार केवल 10 दिन की खपत के लिए पर्याप्त हैं, जबकि वाणिज्यिक भंडार 65 दिन का ही समर्थन कर सकता है। एलपीजी और एलएनजी का भंडार और भी कम है, क्रमशः केवल 25-30 दिन और 10-12 दिन की जरूरतें पूरी कर पाता है। सीमित भंडार के कारण, वैश्विक आपूर्ति संकट या कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव सीधे देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भारत समुद्री मार्गों पर अत्यधिक निर्भर है, लेकिन कुछ विविधीकरण किया जा रहा है। रूस से 11 लाख बैरल प्रतिदिन का आयात जारी है, जबकि वेनेजुएला से हाल ही में 1.42 लाख बैरल प्रतिदिन का आयात फिर से शुरू हुआ। यह कदम आपूर्ति संकट के समय विकल्प प्रदान करने की दिशा में है। एसएंडपी का कहना है कि ऊर्जा आयात पर अधिक निर्भरता वाले एशियाई देशों में आर्थिक जोखिम अधिक है।

आईईए का ऐतिहासिक फैसला, 400 मिलियन बैरल तेल बाजार में रिलीज़

- कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति पर दबाव के बीच इंटरनेशनल इनर्जी एजेंसी (आईईए) ने इतिहास में सबसे बड़ा कदम उठाया है। एजेंसी के 32 सदस्य देशों ने मिलकर 400 मिलियन बैरल कच्चा तेल रणनीतिक भंडार से बाजार में जारी करने का निर्णय लिया। यह आईईए द्वारा अब तक किया गया सबसे बड़ा ऑयल रिलीज़ है। विशेषज्ञों के अनुसार इस कदम से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना है। आईईए के प्रस्ताव को मंगलवार को सदस्य देशों की बैठक में पेश किया गया और बुधवार को सभी 32 देशों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। अगर कोई भी देश वीटो करता, तो प्रस्ताव पारित नहीं होता। अमेरिका और जापान इस पहल में सबसे बड़ा योगदान देंगे, जबकि यूरोपीय देशों और जर्मनी ने भी भागीदारी की पुष्टि की है। हाल ही में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो चार साल का उच्चतम स्तर है। वैश्विक स्तर पर लगभग 20 मिलियन बैरल प्रतिदिन की सप्लाई बाधित होने का अनुमान है। आईईए सदस्य देश एक महीने में करीब 100 मिलियन बैरल तेल बाजार में उतारने की योजना बना रहे हैं, जिससे रोजाना लगभग 3.3 मिलियन बैरल तेल उपलब्ध हो सकेगा। इस कदम से ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद है। आईईए का मुख्यालय पे रिस, फ्रांस में है और यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए रणनीतिक फैसले लेती है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान आईईए ने 182 मिलियन बैरल तेल जारी किया था, लेकिन यह अब तक का सबसे बड़ा रिलीज़ है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.20 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 31 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.32 पर पहुंच गया। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के कारण विदेशी पूंजी की निकासी, वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की कमजोर शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.25 पर खुला। फिर और गिरावट के साथ 92.32 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे कम है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.01 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.47 पर रहा।

अल्फाग्रेप को मिली सेबी से म्यूचुअल फंड कारोबार की मंजूरी

नई दिल्ली । निवेश कंपनी अल्फाग्रेप को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। इस कदम के साथ कंपनी खुदरा परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र में प्रवेश करेगी और आम निवेशकों को उन्नत निवेश उत्पादों तक पहुंच प्रदान करेगी। कंपनी का उद्देश्य है कि म्यूचुअल फंड के माध्यम से एल्गोरिदम और तकनीकी निवेश उपकरण को व्यापक निवेशकों तक पहुंचाया जाए। यह निवेश मुख्य रूप से उन उत्पादों पर आधारित होगा, जो अब तक संस्थागत निवेशकों और उच्च संपत्ति वाले व्यक्तियों के लिए ही सीमित थे। म्यूचुअल फंड इकाई का संचालन अल्फाग्रेप इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड करेगी। यह इकाई फरवरी 2026 तक अपने विशेष वैकल्पिक निवेश कोष और खंड प्रबंधन सेवाओं के प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर रही है। कंपनी का संचालन गिफ्ट सिटी में भी होता है। नए म्यूचुअल फंड कारोबार का फोकस परिमाणात्मक इक्विटी और मिश्रित निवेश रणनीतियों पर होगा। इसमें उन्नत गणितीय मॉडल, कृत्रिम मेधा (AI) और मशीन लर्निंग का उपयोग किया जाएगा। इसका उद्देश्य है निवेशकों को अधिक संगठित और रणनीतिक निवेश विकल्प प्रदान करना।

जीएसपी क्रॉप साइंस का 400 करोड़ का आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली । कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 16 मार्च को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि आईपीओ के लिए 304-320 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा और 18 मार्च को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 13 मार्च को बोली लगा पाएंगे। अहमदाबाद स्थित इस कंपनी का आईपीओ 240 करोड़ रुपये के नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। नए निर्गम से हासिल 170 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान के लिए किया जाएगा। एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रखा जाएगा।कंपनी का शेयर 24 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। जीएसपी क्रॉप साइंस एक अनुसंधान-केंद्रित कृषि रसायन कंपनी है। इसे भारत में कीटनाशकों, शाकनाशियों, कवकनाशी और पादप वृद्धि नियामकों के विकास एवं निर्माण में 39 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर के पार, ईरानी हमलों से हुआ महंगा

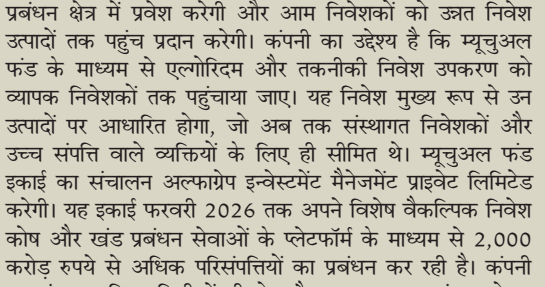

बैंकॉक । अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत बृहस्पतिवार तड़के 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। कुछ दिन पहले यह लगभग 120 डॉलर तक पहुंच चुकी थी, जिससे वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास वाणिज्यिक पोतों पर ईरानी हमलों के कारण आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमत में नौ प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। अमेरिका के मानक कच्चे तेल का दाम भी लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति में व्यवधान का असर सीधे तेल की कीमतों पर पड़ रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों से वैश्विक ऊर्जा बाजार और उपभोक्ताओं पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे ईंधन महंगा होने की संभावना है।

लखनऊ में एलपीजी संकट, चूल्हे बुझे, लकड़ी-कोयले की मांग बढ़ी

- शादियों और दावतों का बिगड़ा बजट, बड़े रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू को आधा किया

लखनऊ । नवाबों के शहर लखनऊ में एलपीजी (गैस) सिलेंडर की किल्लत ने आम जनता की परेशानियां बढ़ा दी हैं। शहर में गैस न मिलने के कारण घरों के चूल्हे बुझ गए हैं और लोग अब लकड़ी व कोयले पर खाना बनाने को मजबूर हैं। स्ट्रीट फूड वेंडर्स, ढाबा मालिक और टिफिन सेवाएं भी गैस की कमी से प्रभावित हैं। बाजार में लकड़ी और कोयले की मांग में 50-60 फीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले दो दिनों में लगभग 450 नई मिट्टी की भट्टियों की मांग दर्ज की गई है। शहर के बड़े रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू को आधा कर दिया है, केवल चुनिंदा व्यंजन ही बन पा रहे हैं। शादी-शादी में रोजाना 1200-1500 कार्यक्रमों के लिए कैटरर्स को लकड़ी की आग पर खाना पकाना पड़ रहा है। इससे न केवल समय बढ़ा है बल्कि लागत भी अधिक हुई है। हलवाई अब पारंपरिक चूल्हों का सहारा ले रहे हैं, जिससे ग्राहकों के लिए भोजन तैयार करने की प्रक्रिया धीमी हो गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र और पीजी में रहने वाले लोग भी प्रभावित हैं। इंडक्शन चूल्हों पर बड़े पैमाने पर खाना बनाने से भारी बिजली बिल का डर बना हुआ है। टिफिन संचालक चेतावनी दे रहे हैं कि यदि गैस की आपूर्ति नहीं हुई, तो उन्हें सेवाएं बंद करनी पड़ सकती हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं। जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ाई है और कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। ईंधन की कमी के कारण नगर निगम के वाहनों की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित होने लगी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद , निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये डूबे

सेंसेक्स 829 , निफ्टी 228 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कामजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 829 अंक टूटकर 76,034 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 228 अंक फिसलकर 23,639 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में इस गिरावट का एक कारण ब्रेंट क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचने के कारण भी आया है। इससे भी निवेशकों में घबराहट का माहौल है। आज बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकर पिछले सत्र के लगभग 450 लाख करोड़ रुपये से घटकर 440 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इससे निवेशकों के एक ही सत्र में 10 लाख करोड़ रुपये डूब गये।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी की कंपनियों में से सबसे ज़्यादा बढ़त कोल इंडिया के शेयरों में रही। इसमें 5.23 फीसदी की बढ़त रही जबकि एनटीपीसी में 2.81 फीसदी की बढ़त जबकि पावर ग्रिड में 1.61 फीसदी की बढ़त आई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.47 फीसदी जबकि अडानी एंटरप्राइजेज में 1.39 फीसदी की बढ़त आई।

वहीं निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में रही। इसमें 4.33 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा क्वालिटी वॉल्स में 3.95 फीसदी जबकि आयशर मोटर्स में 3.92 फीसदी की गिरावट रही। मारुति सुजुकी में 3.61 फीसदी और बजाज फाइनेंस में 3.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, ऑटो इंडेक्स 3 फीसदी से अधिक, एफएमसीजी में 1.7 फीसदी और प्राइवेट बैंक में 1.6 फीसदी गिरावट रही जबकि पावर और एनर्जी सेक्टर में 2.5फीसदी और 2फीसदी की बढ़त रही। ऑयल 3 गैस, मेटल और कैपिटल गुड्स में मामूली 0.5फीसदी की तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.4फीसदी गिरा और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.7फीसदी नीचे आया। वहीं आज सुबह भारतीय शेयर बाजार

गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स सुबह 76,369 अंकों के स्तर पर खुला पर खुलते ही इसमें गिरावट बढ़ने लगी। इसी तरह निफ्टी 50 भी 23,674.85 अंकों पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह तेजी से नीचे फिसलकर 23,600 अंकों के स्तर से भी नीचे 274.35 अंक की गिरावट के साथ 23,592.50 अंकों पर कारोबार करता हुआ देखा गया। आज बाजार में गिरावट का मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एशियाई कारोबार के दौरान लगभग 8 फीसदी बढ़कर 100.18 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। तेल की कीमतों में तेजी से महंगाई बढ़ने और कंपनियों की लागत में वृद्धि की आशंका बढ़ जाती है, जिससे निवेशकों में सतर्कता देखी जाती है।

अमेरिका ने शुरू की भारत, चीन सहित कई व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ जांच

- विशेष रूप से जांच अतिरिक्त उत्पादन और संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका ने भारत, चीन, जापान, यूरोपीय संघ और अन्य प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301(बी) के तहत जांच शुरू की है। इस कदम का उद्देश्य उन विदेशी नीतियों और प्रथाओं का पता लगाना है, जो अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर नकारात्मक असर डाल रही हैं। विशेष रूप से यह जांच अतिरिक्त उत्पादन और संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। जांच के दायरे में शामिल हैं- बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम। यूएसटीआर जैमीसन ग्रीर ने कहा कि यह कदम अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को विदेशी अतिरिक्त उत्पादन से बचाने और घरेलू रोजगार बढ़ाने के प्रयास का हिस्सा है। ग्रीर ने बताया कि कई देशों में उत्पादन घरेलू खपत से अधिक है, जिससे अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और निवेश बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब अपने औद्योगिक आधार को उन देशों के लिए बलिदान नहीं करेगा जो अतिरिक्त उत्पादन यहां निर्यात कर रहे हैं। यह पहल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को

अमेरिका में फिर से स्थापित करना और उच्च वेतन वाली नौकरियों का सृजन करना है। जांच शुरू करने से पहले अंतर-विभागीय धारा 301 समिति और सलाहकार समितियों से परामर्श लिया गया। अब अमेरिका को उन देशों के साथ परामर्श करना होगा जिनकी नीतियां जांच के दायरे में हैं। टिप्पणियां जमा करने की प्रक्रिया 17 मार्च 2026 से शुरू होगी और सुनवाई 5 मई से शुरू होगी।

अमेरिका करेगा पेट्रोल की कीमत कम करने के लिए तेल भंडार का इस्तेमाल- ट्रंप

पेरिस । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके प्रशासन के दौरान ईरान युद्ध के कारण बढ़ी पेट्रोल की कीमतों को कम करने के लिए अमेरिका के स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने डब्ल्यूके आरसी लोकल-12 चैनल को साक्षात्कार में बताया कि ÷हम इसे थोड़ा कम करेंगे और फिर कीमतें नीचे आएंगी। बाद में इसे फिर से भर देंगे। ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि भंडार से कितने बैरल तेल जारी होंगे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने पहले कई बार जो बाइडन के प्रशासन की आलोचना की थी, जो पेट्रोल की कीमतें कम करने के लिए इस भंडार का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व अमेरिका का आपातकालीन तेल भंडार है। इसे भू-राजनीतिक संकट, युद्ध या आपूर्ति रुकने की स्थिति में इस्तेमाल के लिए भूमिगत गुफाओं में संग्रहित किया जाता है।

नेपाल में भीषण सड़क हादसा, मंदिर से लौट रहे सात भारतीय श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के गोरखा जिले में एक सड़क हादसे में कम से कम सात भारतीय श्रद्धालुओं की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब श्रद्धालु मनकामना मंदिर में दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार श्रद्धालुओं को ले जा रही एक इलेक्ट्रिक माइक्रोबस साहिद लखन ग्रामीण नगरपालिका के कंतार क्षेत्र में सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। गोरखा जिला पुलिस कार्यालय के उप पुलिस अधीक्षक राज कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि हादसे में सात अन्य श्रद्धालु घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए चितवन मेडिकल कॉलेज, भरतपुर (चितवन जिला) भेजा गया है।

उन्होंने कहा कि बचाव अभियान अभी जारी है।स्थानीय प्रशासन के अनुसार माइक्रोबस में एक दर्जन से अधिक यात्री सवार थे। गोरखा के मुख्य जिला अधिकारी तुलसी बहादुर श्रेष्ठ ने बताया कि माइक्रोबस मनकामना मंदिर से पश्चिम की ओर तनहूं जिले के अनबुखैरेनी क्षेत्र की ओर जा रही थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मंदिर दर्शन के बाद यात्री किस स्थान की ओर जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन श्रद्धालुओं को ले जा रही इलेक्ट्रिक माइक्रोबस पहाड़ी सड़क के एक मोड़ पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इससे पहले अगस्त 2024 में भी अनबुखैरेनी क्षेत्र में भारतीय श्रद्धालुओं से भरी एक बस हादसे का शिकार हो गई थी, जिसमें कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई थी।

नेपाल में हाल के वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में वृद्धि देखी गई है। नेपाल ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक एक दशक पहले देश में 4,999 सड़क हादसे दर्ज किए गए थे, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 7,669 हो गई। विश्व बैंक की एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार नेपाल में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाला आर्थिक नुकसान 2007 के बाद से तीन गुना बढ़ चुका है और यह अब देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद का लगभग 1.5 प्रतिशत हो गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सड़क हादसों का सबसे ज्यादा असर कमजोर वर्गों पर पड़ता है। नेपाल में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में 70 प्रतिशत से अधिक लोग पैदल यात्री, साइकिल चालक और मोटरसाइकिल सवार जैसे संवेदनशील सड़क उपयोगकर्ता होते हैं।

कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए जारी की उम्मीदवारों की दूसरी सूची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस सूची में 23 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, जिसके साथ अब कुल 65 सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं। असम विधानसभा में कुल 126 सीटें हैं। आल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने बताया कि केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों का चयन किया है।

इस सूची में घोषित उम्मीदवार और उनकी सीटें निम्नलिखित हैं:- गोलकगंज - कार्तिक चंद्रा राय, बिरसिंग जरुआ - वाजेद अली चौधरी, बिलासिपारा - अमृत बादशाह, मांकाचार - मोहिबुर रहमान, गोलपारा ईस्ट - अबुल कलाम रशीद आलम, दूधनई (एसटी) - किशोर कुमार ब्रह्मा, श्रीजंगराम - नुरुल इस्लाम, मांडिया - अब्दुल खालेक, चमरिया - रकीबुद्दीन अहमद, रंगिया - प्रणजीत चौधरी, दिमोरिया (एससी) - किशोर कुमार बरुआ, न्यू गुवाहाटी - संतनु बोराह, मंगलदई - श्रीमती रिजुमोनी तालुकदार, होजाई - श्रीमती झिल्ली चौधरी, धेकियाजुली - बताश उरांग, रंगापारा - कार्तिक चंद्रा कुर्मी, गोहपुर - डॉ. शंकर ज्योति कुटुम, धेमाजी (एसटी) - शैलेन सोनोवाल, तिनसुकिया - देविद फुकन, टिंगखोंग - बिपुल गोगोई, डरगांव - श्रीमती सगोरिका बोरा, धोलाई (एससी) - ध्रुबज्योति पुरकायस्थ, करीमगंज साउथ - अमीनुर रशीद चौधरी।

पार्टी ने कुछ सीटों को गठबंधन सहयोगी दलों के लिए छोड़ दिया है। इनमें शामिल हैं: भवानीपुर-सोरभोग, बजाली, पलासबारी, गुवाहाटी सेंट्रल, गोरेसवार, मोरिगांव, बरहामपुर, बिनाकांडी, बेहाली (एससी), सदिया, डिब्रूगढ़, खोवांग, सारुपथार, दीफू (एसटी), अमरी (एसटी)। पार्टी ने पहले 03 मार्च 2026 को 42 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई को जोरहाट से, देवब्रत सैकिया को नजीरा से और रिपुन बोरा को बरचल्ला से टिकट दिया गया था।

गुरु हर राय साहिब जी का जीवन करुणा, सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है: भैयाजी जोशी

एजेंसी

समालखा। सिखों के सातवें गुरु हरराय के गुरुगद्दी दिवस के अवसर पर शनिवार को हरियाणा के समालखा में सिख पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी उपाख्य भैयाजी जोशी ने समाज को प्रकृति संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गुरु हर राय का जीवन करुणा, सेवा और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गुरु हरराय साहिब जी का जन्म 16 जनवरी 1630 को कीरतपुर साहिब में हुआ था। वे छठे गुरु हरगोबिन्द के पौत्र थे। वह वर्ष 1644 में मात्र 14 वर्ष की आयु में गुरुगद्दी पर विराजमान हुए। अपने जीवनकाल में उन्होंने मानव सेवा के साथ-साथ प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा को विशेष महत्व दिया। उन्होंने औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों के विशाल बाग विकसित किए और ज़रूरतमंदों के लिए औषधालय स्थापित किए। इस अवसर पर भैया जी जोशी ने अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा

प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी को चार प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है– हरियाणा के प्रेरणादायी महापुरुष, भगवद्गीता पर आधारित प्रदर्शनी, सरस्वती नदी से संबंधित ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रस्तुति तथा श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष पर उनके जीवन और बलिदान पर आधारित हस्तनिर्मित प्रदर्शनी। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में हरियाणा में संघ को जीवन देने वाले महापुरुषों के योगदान को भी प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि गुरु हर राय का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि सेवा, करुणा और प्रकृति के प्रति सम्मान के साथ समाज और मानवता की सेवा करें तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लें।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी समन्वय से काम करें : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

सीहोर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी समन्वय के साथ मिलकर काम करेंगे तो योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से होगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारी विभागीय गतिविधियों की जानकारी समय-समय पर जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराएं, ताकि आमजन का फीडबैक भी जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्राप्त हो सके और कार्यों का बेहतर ढंग से संपादन किया जा सके। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान मध्य प्रदेश के सीहोर में जिला पंचायत सभाकक्ष में हुई जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति 'दिशा' की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति उसकी पात्रता के अनुसार शासन की योजनाओं का लाभ पाने से वंचित न रहे। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन और संचालन करें, ताकि आमजन तक उनका लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और शासकीय सेवकों दोनों का कर्तव्य जनता की सेवा करना है, इसलिए अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन करें। उन्होंने केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की विभागवार एवं जनपदवार विस्तार से समीक्षा की तथा बैठक के दौरान विधायकों एवं

समिति के सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के., जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव तथा संबंधित विभागों के जिलाधिकारियों ने विभागीय प्रगति की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना नगरीय एवं ग्रामीण की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य हर गरीब व्यक्ति को स्वयं का पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। आवास योजना के लाभ से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। जिन व्यक्तियों के नाम छूट गए हैं, उनका पुनः सत्यापन कर लिया जाए। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि इस योजना का अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ दिया जाए, ताकि वे अपने स्वरोजगार को बढ़ाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। उन्होंने जन संसाधन एवं जल निगम की परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान कहा कि जिन योजनाओं का कार्य प्रगति पर है, उन्हें जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। ताकि नागरिकों को इन योजनाओं का लाभ मिल सके। समय-समय पर बांध, तालाब और बैराजों की मरम्मत भी की जाए, ताकि पानी व्यर्थ न बहे। ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। पंचायतों में संचालित पेयजल योजनाओं में उत्पन्न गतिरोध को संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर दूर किया जाए और योजनाओं का सुचारू संचालन किया जाए। विकास कार्यों के दौरान यदि सड़क या पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होती है तो उसकी तुरंत मरम्मत भी की जाए। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन क्षेत्रों में जो भी विकास कार्य प्रस्तावित हैं, उनके लिए शीघ्र अनुमति प्रदान की जाए, ताकि कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ हो सकें।

युवाओं के पास विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण अवसर भी, जिम्मेदारी भी : जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने मुरादाबाद स्थित तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेकर 6,041 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और डिप्लोमा की डिग्रियां प्रदान किए जाने पर उन्हें बधाई दी।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत के अमृत काल के दूसरे चरण में पेशेवर जीवन में प्रवेश करने वाले युवाओं के पास विकसित भारत 2047 के निर्माण में महत्वपूर्ण अवसर और जिम्मेदारी दोनों हैं। उन्होंने छात्रों से समाज के प्रति समर्पण और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, चिकित्सा शिक्षा और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में व्यापक विस्तार हुआ है। उन्होंने बताया कि देश में एम्स की संख्या 6 से बढ़कर 23 हो गई है। उन्होंने यह भी उल्लेख

किया कि भारत ने क्षय रोग (टीबी) की घटनाओं में 21 प्रतिशत की कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। साथ ही, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक वित्तीय सुरक्षा के साथ पहुंच मिली है। दीक्षांत समारोह में 2024-25 सत्र में 156 पदक विजेताओं में से 112 छात्राएं थीं, जो शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उत्कृष्टता को दर्शाता है। नड्डा ने तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए चिकित्सा और संबद्ध स्वास्थ्य क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने में संस्थान के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित लगभग 150 शैक्षणिक कार्यक्रमों में से लगभग 60 प्रतिशत चिकित्सा और संबद्ध स्वास्थ्य विषयों को समर्पित हैं, जो देश के लिए सक्षम और कुशल स्वास्थ्य सेवा कार्यबल तैयार करने पर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नड्डा ने पिछले एक दशक में भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हुए परिवर्तनकारी बदलावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का विस्तार करने, चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने और देश भर में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।

विकसित राजस्थान रन 2026 : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिखाई हरी झंडी, हजारों युवा एक साथ दौड़े

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राजस्थान दिवस से पहले युवाओं के लिए सार्वजनिक भागीदारी वाली मैराथन 'विकसित राजस्थान रन 2026' का आयोजन किया। राज्य खेल परिषद द्वारा आयोजित 'विकसित राजस्थान रन 2026' को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने रविवार की सुबह हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। इस मैराथन में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों के विद्यार्थी, एनएसएस के स्वयंसेवक, एनसीसी के कैडेट, भारत स्काउट एंड गाइड, हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड, एनवाईकेएस सदस्य के इसके अलावा विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के युवा और खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मैराथन में पहुंचे भाजपा विधायक गोपाल शर्मा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''विकसित राजस्थान 2047' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के तहत राजस्थान के विकास की यात्रा का प्रतीक है, जो राज्य के ऐतिहासिक नेताओं के प्रयासों और विरासत को प्रतिबिंबित करता है। '

इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, 'आपका हौसला, आपकी उमंग निश्चित रूप से विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करेगी। फिट इंडिया अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री ने स्वस्थ रहने का संदेश दिया है। हमारे देश में चार जातियां हैं, युवा, महिला, किसान और मजदूर। अगर ये आगे बढ़ेंगे तो देश प्रगति पथ पर आगे बढ़ेगा। '

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'पिछली सरकार ने युवाओं के साथ विश्वासघात किया। हमारी सरकार ने लोगों को जेल भेजने का काम किया है। सवा दो साल में सवा लाख की वेकेंसी निकालने का काम हमारी सरकार ने किया है। इस दौरान एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। आप सपनों की उड़ान के लिए तैयार रहिए, राजस्थान सरकार आपके साथ है। प्रदेश में व्यापार की अपार संभावनाएं हैं।

भारत के पास वर्तमान में पर्याप्त उर्वरक भंडार : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने कहा है कि भारत के पास वर्तमान में पर्याप्त उर्वरक भंडार है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस समय भारत के पास उर्वरकों का पर्याप्त भंडार है, विशेष रूप से खरीफ 2026 के लिए। यूरिया का हमारा भंडार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक है। डाई-अमोनियम फास्फेट(डीएपी) का भंडार पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना है। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम (एनपीके) का भंडार भी पिछले वर्ष की तुलना में आज काफी अधिक है।

यूरिया के हमारे घरेलू उत्पादन की बात करें तो, हमारा वर्तमान उत्पादन हमारी निर्धारित खपत से अधिक होगा, विशेष रूप से रबी का मौसम समाप्त होने वाला है। इसके अलावा, हमने अपने कुछ संयंत्रों के निर्धारित वार्षिक रखरखाव को समय से पहले पूरा कर लिया है, जिसका अर्थ है कि हम उपलब्ध गैस के साथ उत्पादन को अधिकतम करने में सक्षम हैं।

उर्वरक विभाग ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए समय रहते वैश्विक

निविदाएं जारी कर दी थीं। इन्हें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और उम्मीद है मार्च के अंत तक विभिन्न स्रोतों से ऑर्डर की गई अधिकांश मात्रा प्राप्त हो जाएगी। उर्वरक विभाग ने प्रतिस्पर्धी आधार पर स्पॉट गैस की खरीद का भी निर्णय लिया है और पहले चरण की खरीद मंगलवार तक पूरी हो जाएगी। 15 मई तक खरीफ की मांग चरम पर पहुंचने तक उर्वरकों का पर्याप्त भंडार प्राप्त हो जाएगा। उर्वरक विभाग वैश्विक और घरेलू दोनों ही रुझानों पर सावधानीपूर्वक नजर रख रहा है और आवश्यक कदम उठा रहा है।

ब्रिक्स के संबंध में रणधीर जायसवाल ने कहा कि कुछ सदस्य पश्चिम एशिया क्षेत्र की मौजूदा स्थिति में सीधे तौर पर शामिल हैं, जिससे चल रहे संघर्ष पर ब्रिक्स के साझा रुख पर आम सहमति बनाने में बाधा आ रही है। ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में, भारत शेरपा चैनल के माध्यम से सदस्य देशों के बीच चर्चाओं को सुगम बना रहा है। पिछली वर्चुअल ब्रिक्स शेरपा बैठक 12 मार्च को आयोजित की गई थी। इसके अतिरिक्त, भारतीय नेतृत्व क्षेत्र में ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में है। भारत का यह संपर्क जारी रखेगा।

केरल के स्वास्थ्य व्यवस्था की दुनियाभर में सराहना : सीएम विजयन

एजेंसी

कन्नूर। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि केरल अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐसा राज्य बन चुका है, जिसकी पूरी दुनिया में सराहना हो रही है। उन्होंने चक्कारक्कलु में बने ईरीवेरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। यह पांच मंजिला इमारत लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जहां अमेरिका में नवजात शिशुओं की मृत्यु दर 5.6 प्रतिशत है जबकि केरल में यह सिर्फ 5 प्रतिशत रह गई है। कोविड महामारी के दौरान जब बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देश परेशान थे, तब केरल की मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था ने स्थिति पर काबू पा लिया। भारत आमतौर पर वैश्विक स्वास्थ्य सूचकांकों में पीछे रहता है। केरल ने अमेरिका जैसे देश को भी कुछ मामलों में पीछे छोड़ दिया है। यह सब राज्य की मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली की वजह से संभव हुआ। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि एक समय केरल में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब थी। हर तरफ गरीबी और कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था की बातें होती थीं। 2016 में सत्ता में आने के बाद सरकार ने

स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता दी और 'आर्द्रम मिशन' शुरू किया। इस मिशन के तहत बड़े बदलाव किए गए। गरीबों को भी अब बेहतर इलाज मिल रहा है। राज्यभर में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाएं चलाई गई हैं। कन्नूर जिले में ही 14 स्वास्थ्य केंद्रों को 'पारिवारिक स्वास्थ्य केंद्र' के रूप में उन्नत किया गया है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का असर यह है कि केरल में वरिष्ठ नागरिकों की जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार से लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद डॉ. वी शिवदासन ने की। चेम्बिलोड ग्राम पंचायत अध्यक्ष वीपी शाइजा, कदम्बूर ग्राम पंचायत अध्यक्ष के. गिरीसन, पेरालस्सेरी ग्राम पंचायत अध्यक्ष टी. सुनीश, एडाक्काड ब्लॉक पंचायत अध्यक्ष के.वी. बीजू, जिला पंचायत सदस्य ओ.सी. बिंदु, जिला चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) डॉ. सचिन के.सी., राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अनिलकुमार पी.के. और ईरीवेरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा अधिकारी डॉ. के. माया ने भी अपने विचार रखे। लोक निर्माण विभाग की कार्यकारी अभियंता सविता सी ने परियोजना की रिपोर्ट पेश की।

क्षेत्र में विकास और प्रगति का पहिया निरंतर बढ़ रहा है आगे: ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जब जनसेवक के रूप में जिम्मेदारी का दायित्व लिया जाता है, तो क्षेत्र की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए हर स्थिति में कार्य करना पड़ता है। क्षेत्र में विकास और प्रगति का पहिया निरंतर आगे बढ़ रहा है। सड़क, ट्रांसफार्मर और सब-स्टेशन जैसी अनेक विकास योजनाएं जनता के हित में संचालित की जा रही हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने मध्य प्रदेश के गुना में जलसा गार्डन आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जिले में दिसंबर 2024 से जनवरी 2026 के मध्य आयोजित विभिन्न सामाजिक अधिकारिता शिविरों में चिन्हित कुल 1928 वरिष्ठजन एवं दिव्यांगजनों को 8562 कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिनकी कुल लागत 168.45 लाख रुपये है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने हितग्राहियों से आत्मीय संवाद

किया तथा स्वयं उनके पास जाकर सहायक उपकरण वितरित किए और उनका हालचाल भी जाना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुना की पावन धरती पर इस प्रकार का कार्यक्रम विशेष महत्व रखता है। दिव्यांगजन और वरिष्ठजन समाज के सम्मानित सदस्य हैं और उनकी सेवा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। एक जनसेवक का कर्तव्य है कि वह हर परिस्थिति में जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहे और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाए। सिंधिया ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब भी वे गुना के सर्किट हाउस में रुकते हैं, तो सुबह जनसंपर्क के दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर अनेक लोग उनसे मिलने आते हैं। इन मुलाकातों में कई बार विशेष क्षमता वाले उनके परिजन भी शामिल होते हैं, जिनसे वे जमीन पर बैठकर उनके जीवन और समस्याओं पर चर्चा करते हैं और उनके समाधान का प्रयास करते हैं। कार्यक्रम में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक एवं कठपुतली के माध्यम से नशे से होने वाले विभिन्न दुष्परिणामों के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत और विधायक पन्नालाल शाक्य ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्र महेन्द्र सिंह सिसौदिया, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, उपाध्यक्ष सारिका लुम्बा, नगरपालिका अध्यक्ष सविता गुप्ता, उपाध्यक्ष धर्म सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी, अपर कलेक्टर अखिलेश जैन सहित अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

केला देवी मेले के लिए रेलवे का बड़ा तोहफा , कासगंज-मथुरा ट्रेन अब गंगापुर तक, आगरा-गंगापुर स्पेशल भी चलेगी

एजेंसी

बयाना। केला देवी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने विशेष व्यवस्था की है। 16 मार्च से 31 मार्च तक चलने वाली कासगंज-मथुरा पैसेंजर ट्रेन संख्या 55335-36 को अब गंगापुर सिटी तक विस्तारित किया गया है।

इससे हजारों श्रद्धालुओं को मेले तक पहुंचने में बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे के अनुसार यह ट्रेन कासगंज से सुबह 11 बजकर 5 मिनट पर रवाना होकर शाम 6 बजकर 20 मिनट पर गंगापुर सिटी पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन गंगापुर सिटी से शाम 7 बजे रवाना होकर रात 12 बजकर 30 मिनट पर कासगंज पहुंचेगी। रास्ते में ट्रेन भरतपुर, बयाना, हिंडौन सिटी और श्री महावीरजी समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। इसके अलावा 19 मार्च से 1 अप्रैल तक आगरा फोर्ट और गंगापुर सिटी के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएगी।

ट्रेन संख्या 01962 आगरा से शाम 5 बजे रवाना होकर रात 10 बजकर 5 मिनट पर गंगापुर पहुंचेगी। वहीं वापसी में ट्रेन संख्या 01961 गंगापुर से रात 10 बजकर 50 मिनट पर रवाना होकर सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर आगरा पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन कुल 14-14 फेरे लगाएगी और इसमें 12 डिब्बे होंगे, जिनमें 10 सामान्य श्रेणी के कोच शामिल हैं।

रास्ते में फतेहपुर सीकरी, ओलेण्डा ,रूपबास, बंसी पहाड़पुर,नगला तुला,बंध बरेठा,ब्रह्मबाद, बयाना, डुमरिया, फतेहसिंह पुरा,हिंडौन सिटी और श्री महावीरजी समेत कई स्टेशनों पर इसका ठहराव रहेगा।

जियो स्टूडियोज ने सिख्या एंटरटेनमेंट में खरीदी बहुमत हिस्सेदारी

एजेंसी

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक बिजनेस वेंचर्स लिमिटेड ने फिल्म और कंटेंट के क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए सिख्या एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड में 50.1 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। करीब 150 करोड़ रुपये के इस सौदे में नए निवेश के साथ-साथ मौजूदा हिस्सेदारी की खरीद भी शामिल है। इस डील के बाद जियो स्टूडियोज को रचनात्मक ताकत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी। सिख्या एंटरटेनमेंट भारत की जानी-मानी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित प्रोडक्शन कंपनी है। इसे गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन ने स्थापित किया था। इस कंपनी ने कई ऐसी फिल्में बनाई हैं, जिन्होंने भारतीय कहानियों को दुनिया भर में पहचान दिलाई है। सिख्या खास इसलिए है क्योंकि यह एकमात्र भारतीय प्रोडक्शन हाउस है, जिसने ऑस्कर पुरस्कार भी जीता है। इसकी मशहूर फिल्मों में 'पीरियड. एंड ऑफ सेंटेंस' और 'द एलीफेंट व्हिसपरर्स' शामिल हैं। वहीं 'मसान', 'सोराई पोट्' और 'कटहल' जैसी फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।जियो स्टूडियोज पहले से ही बड़ी और सफल फिल्मों के निर्माण और वितरण में सक्रिय है। अब सिख्या की मजबूत कहानी कहने की कला और जियो के बड़े नेटवर्क के साथ मिलकर भारतीय फिल्मों और सीरीज को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा।

सर्राफा बाजार की कमजोरी जारी, सोना-चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में गिरावट का रुख लगातार जारी है। सोना आज 6,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 7,410 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 19 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की दर्ज की गई है। सोने की कीमत में कमजोरी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,53,160 रुपये से लेकर 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,40,390 रुपये से लेकर 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,53,310 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

पेपाल में मैनेजमेंट बदलाव, बोर्ड ने एनरिक लोरेस को बनाया नया CEO और प्रेसिडेंट

सैन जोस। ऑनलाइन पेमेंट दिग्गज पेपाल ने कंपनी के भविष्य की रणनीति को ध्यान में रखते हुए अपने शीर्ष प्रबंधन में अहम फेरबदल किया है। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने अनुभवी टेक्नोलॉजी एग्जीक्यूटिव एनरिक लोरेस को कंपनी का नया प्रेसिडेंट और सीईओ नियुक्त करने का निर्णय लिया है। वे 1 मार्च 2026 से जिम्मेदारी संभालेंगे और मौजूदा सीईओ एलेक्स क्रिस का स्थान लेंगे। कंपनी ने संक्रमण काल को सहज रखने के लिए चीफ फाइनेंशियल एवं ऑपरेटिंग ऑफिसर जेमी मिलर को अंतरिम सीईओ बनाया है। वहीं, डेविड डब्ल्यू. डोरमैन को तुरंत प्रभाव से स्वतंत्र बोर्ड चेयर की भूमिका सौंपी गई है।बोर्ड ने यह निर्णय कंपनी के प्रदर्शन, प्रतिस्पर्धी माहौल और इंडस्ट्री की बदलती दिशा की समीक्षा के बाद लिया। बोर्ड का मानना है कि हाल के वर्षों में कुछ सुधार जरूर हुए, लेकिन अपेक्षित गति से बदलाव नहीं हो पाया, जिसके चलते नए नेतृत्व की जरूरत महसूस हुई। एनरिक लोरेस को टेक और कमर्शियल सेक्टर में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। वे पिछले करीब पांच साल से पेपाल बोर्ड से जुड़े रहे हैं और जुलाई 2024 से बोर्ड चेयर की जिम्मेदारी निभा रहे थे। कंपनी नेतृत्व को उम्मीद है कि उनके अनुभव और रणनीतिक सोच से पेपाल को डिजिटल पेमेंट बाजार में नई मजबूती मिलेगी और कंपनी अगले विकास चरण में तेजी से आगे बढ़ेगी।

जियो-ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स ने लॉन्च की 'पर्सनालाइज्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइज'

मुंबई। जियोब्लैकरॉक इंवेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड ने भारत में 'जियोब्लैकरॉक पर्सनालाइज्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइज' की शुरुआत की है। यह एक डिजिटल इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी प्लेटफॉर्म है। कंपनी का दावा है कि यह भारतीयों को सिर्फ बचतकर्ता नहीं बल्कि समझदार निवेशक बनाना चाहता है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक की 50:50 की जॉइंट वेंचर कंपनी है जियोब्लैकरॉक इंवेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड। इस मौके पर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा एम. अंबानी ने कहा कि हर भारतीय की वित्तीय मजबूती देश को 'विकसित भारत 2047' की दिशा में आगे ले जाने के लिए जरूरी है। JioBlackRock का लक्ष्य भारत को बचतकर्ताओं के देश से आत्मविश्वासी निवेशकों के देश में बदलना है। उन्होंने बताया कि Jio की डिजिटल पहुंच और BlackRock के वैश्विक निवेश अनुभव के जरिए आम लोगों तक विश्वस्तरीय निवेश सलाह पहुंचाई जाएगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से किसानों को नुकसान नहीं, डेयरी और कृषि क्षेत्र पूरी तरह संरक्षित: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इससे युवाओं के लिए अवसरों का सृजन होगा। गोयल ने दावा किया कि व?यापार समझौते से भारत के डेयरी और कृषि क्षेत्र को संरक्षण मिला है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से टैरिफ को लेकर ताजा घोषणा के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आज यहां मीडिया के समक्ष समझौते का पूरा ब्यौरा रखा। गोयल ने कहा कि यह व्यापार समझौता वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाला है।उन्होंने कहा कि वे इस बारे में संसद में बोलना चाहते थे लेकिन

विपक्षी सदस्यों की तरफ से संसद में किए गए हंगामे के कारण ऐसा नहीं हो पाया। भारत पर टैरिफ को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किए जाने पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने नए घोषित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को सबसे अच्छा सौदा बताया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अच्छे संबंधों को दिया और जोर देकर कहा कि बातचीत के दौरान भारत का राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर रहा।

गोयल ने कहा, आज देशभर में हर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिका के साथ मजबूत व्यापार समझौता पक्का करने के लिए धन्यवाद दे रहा है। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रीय और सार्वजनिक हित सबसे आगे रखते हुए एक डील फाइनल की गई है, जो मजबूत भारत के भविष्य को ताकत देगी। इस समझौते को शानदार बताते हुए वाणिज?य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि इससे भारत की अर्थव्यवस्था और इंडस्ट्री के लिए बड़े मौके खुलेंगे।

आरबीआई की तीन दिवसीय मौद्रिक समीक्षा बैठक, रेपो रेट यथावत संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होने वाली समीक्षा बैठक 6 फरवरी तक चलेगी। बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा संजय मल्होत्रा 6 फरवरी को करेंगे। इस समीक्षा बैठक में रेपो रेट यथावत रहने की संभावना है। अर्थशास्त्रियों ने बताया कि आरबीआई इस बार एमपीसी की बैठक में नीतिगत दर रेपो रेट यथावत रख सकता है। आरबीआई फरवरी 2025 से लेकर अब तक रेपो रेट में कुल 125 फीसदी तक की कटौती कर चुका है, जिससे नीतिगत दर रेपो रेट घटकर 5.25 फीसदी पर आ गया है।अर्थशास्त्रियों के मुताबिक ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम है। जानकारों का कहना है कि

महंगाई अब अपने निचले स्तर से दोबारा ऊपर आने लगी है, इसलिए केंद्रीय बैंक और जोखिम लेने से बचेगा। गौरतलब है कि दिसंबर, 2025 की कटौती के दौरान चौथी रेपो रेट कटौती थी, जिससे सालभर में कुल 125 फीसदी की कटौती हो गई।

भारत और भूटान के बीच ऊर्जा सहयोग को मिलेगी नई गति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और भूटान ने अपने द्विपक्षीय ऊर्जा संबंधों को और प्रगाढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नई दिल्ली में भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री ल्योंपो जेम शेरिंग ने केंद्रीय विद्युत एवं आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल तथा विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक से मुलाकात की। विद्युत मंत्रालय के अनुसार इस उच्च स्तरीय बैठक का मुख्य केंद्र दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे जलविद्युत सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। आज की चर्चा के दौरान, दोनों पक्षों ने पुनात्सांगचू-द्वितीय जलविद्युत परियोजना (1020 मेगावाट) से बिजली उत्पादन के व्यावसायिक अनुकूलन पर विचार-विमर्श किया। पुनात्सांगचू-द्वितीय जलविद्युत परियोजना (1200 मेगावाट) के शीघ्र चालू होने पर भी जोर दिया गया। संकोश जलविद्युत

परियोजना के भविष्य के दृष्टिकोण पर भी विचार-विमर्श हुआ।इसके अलावा, भारत और भूटान 2040 तक एक मजबूत पावर ग्रिड नेटवर्क तैयार करने की योजना पर काम कर रहे हैं। चर्चा का एक अहम पहलू भूटान में सर्दियों के दौरान होने वाली बिजली की किल्लत रहा, जिसके समाधान के लिए सप्लाई अनुमोदन की प्रक्रिया को तेज करने पर सहमति बनी। मंत्रियों ने इस सहयोग को दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ होते कूटनीतिक संबंधों का प्रतीक बताया। उल्लेखनीय है कि भारत-भूटान जलविद्युत सहयोग की शुरुआत 1961 में हुई, जिसके बाद 2006 में जलविद्युत सहयोग पर एक समझौता हुआ।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के बीच एक ऐतिहासिक कदमः खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता को विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला एक ऐतिहासिक कदम बताया है। खंडेलवाल ने कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा देगा, भारत में निवेश को प्रोत्साहित करेगा तथा विशेष रूप से एमएसएमई, स्टार्टअप्स और विनिर्माण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करेगा। कैट महामंत्री ने कहा कि यह मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल जैसी पहलों को मजबूती प्रदान करते हुए भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजारों तक व्यापक पहुंच दिलाएगा और घरेलू मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि इस

व्यापार समझौते से विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र एवं परिधान, रत्न एवं आभूषण, कृषि उत्पाद, नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलेगा। भारतीय निर्यातकों, व्यापारियों और उद्यमियों को व्यापार अवरोधों में कमी, बेहतर बाजार पहुँच और प्रौद्योगिकी सहयोग का सीधा लाभ प्राप्त होगा।

खंडेलवाल ने आगे कहा कि इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पक्ष नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग को बढ़ावा देना है, जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि होगी और सतत आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर भारत-अमेरिका व्यापार समझौता केवल एक व्यावसायिक समझौता नहीं, बल्कि एक रणनीतिक आर्थिक साझेदारी है, जो भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की यात्रा को तेज करेगी और देश को वैश्विक विनिर्माण एवं व्यापार केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

देश में एकीकृत और स्वदेशी कंटेनर परिस्थितियंत्र बनाने के लिए हुआ समझौता, सर्बानंद सोनोवाल और अश्विनी वैष्णव ने बताया अहम

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में एकीकृत और स्वदेशी कंटेनर परिस्थितियंत्र बनाने के लिए भारत कंटेनर शिपिंग लाइन (बीसीएसएल) की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने समझौता भारतीय शिपिंग निगम (एससीआई), कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकोर), जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण, वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट प्राधिकरण, चेन्नई पोर्ट प्राधिकरण और सागरमाला फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसएमएफसीएल) के साथ किया। इस अवसर पर केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सरबानंद सोनोवाल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उपस्थित रहे। समारोह में पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर भी मौजूद थे। मंत्रालय ने यह समझौता केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग असिस्टेंस स्कीम (सीएमएएस) को व्यवहारिक रूप देने की दिशा में अहम द्य है। साथ ही वीओ चिदंबरनार पोर्ट प्राधिकरण (तूतीकोरिन) में आउटर हार्बर परियोजना के वित्तपोषण के

लिए एक अलग त्रिपक्षीय एमओयू भी किया गया। समझौता वीओसी पोर्ट प्राधिकरण, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरएफसी) और एसएमएफसीएल के बीच हुआ है। इसके तहत सागरमाला कार्यक्रम और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत पत्तन क्षमता विस्तार के लिए अधिकतम 15,000 करोड़ रुपये तक की संयुक्त वित्तीय व्यवस्था की जाएगी। यह फंडिंग मुख्य रूप से ब्रेकवाटर निर्माण और संबंधित ऑनशोर-ऑफशोर सुविधाओं के लिए हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल के तहत दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री सरबानंद सोनोवाल ने कहा कि बीसीएसएल और आउटर हार्बर परियोजना से जुड़े ये दोनों समझौते राष्ट्रीय शिपिंग क्षमता को मजबूत करने, पत्तन अवसंरचना के विस्तार और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में रणनीतिक कदम हैं। ये पहलें समुद्री अमृत काल 2047 के विजन के अनुरूप भारत की वैश्विक समुद्री उपस्थिति को सुदृढ़ करेंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह एक लंबे समय से लंबित दृष्टि का साकार रूप है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में परियोजनाओं को तेजी और दक्षता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कॉनकोर के सहयोग से विकसित की जा रही यह नई कंटेनर शिपिंग लाइन देश में विश्वस्तरीय कंटेनर इकोसिस्टम के निर्माण में सहायक होगी। राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने कहा कि ये दोनों एमओयू प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दर्शाते हैं, जिनके कारण भारत न केवल भूमि पर बल्कि समुद्र में भी एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत वर्तमान में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

आयकर विभाग की बाबा ग्रुप और चावल व्यापारियों के ठिकानों पर छापेमारी समाप्त

एजेंसी

रांची। आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा की बाबा ग्रुप और चावल व्यापारियों के ठिकानों पर की गयी छापेमारी मंगलवार की देर रात समाप्त हो गयी। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान 100 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति जब्त की गयी। इसमें 50 करोड़ रुपये का चावल का स्टॉक, 15 करोड़ रुपये के जेवरीत, पांच करोड़ रुपये नकद और संपत्ति के मूल्य में 25 करोड़ रुपये का अंतर शामिल है। उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा (रांची) ने 29 जनवरी को बाबा एग्रो, बाबा फुड प्रोसेसिंग और बाबा ग्रुप से जुड़े आढ़तियों (कमीशन एजेंट) के 45 ठिकानों पर झारखंड और बिहार से ठिकानों छापा मारा था। वर्ष 2026 में आयकर विभाग की और से की जाने वाली यह पहली छापेमारी है। यह कार्रवाई व्यापारियों की ओर से अपनी वास्तविक आमदनी छिपा कर टैक्स चोरी करने के मामले में की गयी थी।

केंद्रीय बजट में प्रोविडेंट फंड के लिए आयकर नियमों में बदलाव का ईपीएफओ ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित मान्यता प्राप्त भविष्य निधियों को नियंत्रित करने वाले आयकर ढांचे के युक्तिकरण का स्वागत किया है। ईपीएफओ ने कहा कि इस कदम से बहुत ज़रूरी स्पष्टता आएगी, मुकदमेबाजी कम होगी और हितधारकों को बेहतर सेवा मिलेगी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय बजट 2026-2027 में आयकर व्यवस्था के युक्तिकरण से भविष्य निधि अधिनियम के साथ तालमेल और सामंजस्य स्थापित करके इसके हितधारकों के हितों की पूर्ति में अत?यधिक मदद मिलेगी। अब यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि ईपीएफ छूट कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध

प्रावधान अधिनियम, 1952 द्वारा शासित है। निवेश मानदंड अब ईपीएफ निवेश मानदंडों के अनुरूप कर दिए गए हैं और नियोक्ता के अंशदान की सीमा आयकर अधिनियम के तहत निर्धारित मौद्रिक सीमा के अनुरूप है।मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय बजट 2026-2027 ने मान्यता प्राप्त भविष्य निधि को नियंत्रित करने वाले आयकर ढांचे को कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 और कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के वैधानिक और प्रशासनिक प्रावधानों के साथ संयोजित किया है। आयकर अधिनियम, 2025 के तहत मान्यता केवल उन्हीं भविष्य निधियों को प्राप्त होगी, जिन्होंने कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 की धारा 17 के अंतर्गत छूट प्राप्त की है।

निवेश संबंधी नियम लागू ईपीएफ ढांचे और अधीनस्थ कानूनों के तहत विनियमित होते रहेंगे। सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश को 50 फीसदी तक सीमित करने वाली कठोर वैधानिक सीमा को हटा दिया गया है।

नियोक्ता का योगदान

नियोक्ता का अंशदान 7.5 लाख रुपये की अधिकतम मौद्रिक सीमा के अंतर्गत होगा। इस मौद्रिक सीमा के पार होने पर अंशदान पर अनुलाभ के रूप में कर लगाया जाएगा।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से भारत की वृद्धि को मिलेगी गति : उद्योग जगत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते का उद्योग जगत ने स्वागत किया है। भारतीय उद्योग जगत के शीर्ष उद्यमियों ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं को गति प्रदान देगा। व्यापार समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) अनीश शाह ने इसे ''द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम'' बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि पथ पर होने के साथ यह सौदा भारत की वृद्धि महत्वाकांक्षाओं को सार्थक गति प्रदान करेगा। अमेरिकी राष?ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसको लेकर बड़ा ऐलान भी किया है, जिसके तहत भारत पर लागू टैरिफ घटाकर तत्काल 18 फीसदी करने की घोषणा की है। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि कम शुल्क से इन दो महान देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी और निवेश तथा सहयोग के अतिरिक्त अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता अधिक लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने, विनिर्माण के अवसरों को खोलने और अमेरिका तथा भारत में दीर्घकालिक आर्थिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में मदद करेगा। टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने भी कहा कि भारतीय सामानों पर अमेरिकी जवाबी शुल्क को घटाकर 18 फीसदी करना एक सकारात्मक कदम है, जो निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करता है और दीर्घकालिक द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में विश्वास पैदा करता है। उन्होंने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में, व्यापार में खुलापन भारतीय उद्योग को विस्तार करने, नवाचार करने और नौकरियां पैदा करने में मदद करेगा। इसी तरह महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'इससे संभलकर आगे बढ़ने के लाभों का पता चलता है। जब शोर थम जाएगा, तो दो स्वाभाविक साझेदार साथ आएंगे।' आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने 'एक्स' पर लिखा, 'पहले यूरोपीय संघ के साथ 'मदर ऑफ ऑल डील्स' और अब अमेरिका के साथ 'फादर ऑफ ऑल डील्स' से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि है। '

अडानी पोर्ट्स को तीसरी तिमाही में 3,043 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

अहमदाबाद। अडानी समूह की मुख्य कंपनी अडानी पोर्ट्स को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में समेकित आधार पर 3,043 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। कंपनी के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी। इसमें बताया गया है कि तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 3,043 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान उसका राजस्व 22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9,705 करोड़ रुपये पर रहा। कंपनी ने बताया कि घरेलू बंदरगाह कारोबार से उसे 6,701 करोड़ रुपये और अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह कारोबार से 1,067 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इनमें क्रमशः 15 प्रतशत और 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लॉजिस्टिक्स कारोबार से प्राप्त राजस्व 62 फीसदी बढ़कर 1,121 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। घरेलू बंदरगाह कारोबार में रिकॉर्ड 4,877 करोड़ रुपये का परिचालन लाभ दर्ज किया गया है। देश के कंटेनर बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी बढ़कर 45.8 फीसदी रही। अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह कारोबार का राजस्व पहली बार 1,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा है। कंपनी ने 31 मार्च 2026 को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष में 38,000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य तय किया है। साथ ही परिचालन लाभ 22,800 करोड़ रुपये रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है।

अमेरिकी व्यापार समझौते की घोषणा से झूमा शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाये 12.06 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ ट्रेड डील के ऐलान की वजह से घरेलू शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। आज के कारोबार की शुरुआत जोरदार उछाल के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में मुनाफा वसूली होने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई। इसके बावजूद ये दोनों सूचकांक जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 2.54 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 2.55 प्रतिशत की उछाल के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज दिनभर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। निफ्टी का बैंकिंग इंडेक्स 2.43 प्रतिशत, आईटी इंडेक्स 1.41 प्रतिशत, ऑटोमोबाइल इंडेक्स 2.81 प्रतिशत, कैपिटल गुड्स इंडेक्स 3.71 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स 2.60 प्रतिशत, एफएमसीजी इंडेक्स 0.73 प्रतिशत, हेल्थकेयर इंडेक्स 2.83 प्रतिशत, मेटल इंडेक्स 2.85 प्रतिशत, ऑयल एंड गैस इंडेक्स 1.77 प्रतिशत, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स 1.82 प्रतिशत और टेक इंडेक्स 1.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.79 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 467.09 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 455.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 12.06 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,422 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,299 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 989 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 134 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,941 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,494 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 447 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 47 शेयर हरे निशान में और 3 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 3,656.74 अंक की जोरदार छलांग लगा कर 85,323.20 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 15 मिनट में ही ये सूचकांक उछल कर 4,205.27 अंक की जबरदस्त तेजी के साथ 85,871.73 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से अगले 1 घंटे के कारोबार में सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 2,370 अंक से अधिक गिर कर 83,501.22 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिसकी वजह से सेंसेक्स 2,072.67 अंक की मजबूती के साथ 83,739.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 1,219.65 अंक उछल कर 26,308.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक उछल कर 1,252.80 अंक की मजबूती के साथ 26,341.20 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक मुद्रक विनोद कुमार के द्वारा के के एस प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1431,1431/3850 पालरा औद्योगिक क्षेत्र अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवम प्रकाशित। संपादक विनोद कुमार (राजस्थान)
RNI No. RJHIN/25/A1891, Mob. 9829793919 Email,:kalkasamrat@gmail.com